R.N.I. No.ÙPHIN/2010/39063

हिन्दी दैनिक

सिन्धु टाइम्स

वर्ष : 11
अंक : 256
पृष्ठ : 8
मूल्य - 2 रुपये

सिन्ध सदियों से हमारे देश की पहचान है, यह नदी गुज़रे जहां से समझो हिन्दुस्तान है।

3 डेल्टा प्लस से बचाव के लिये जीनोम सिक्वेसिंग पर जोर

लखनऊ, मंगलवार , 29 जून 2021

देश में म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण से 3129 लोगों की मौत 8

संक्षेप

स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी आर्थिक पैकेज से: मोदी

नई दिल्ली वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित आर्थिक उपायों से स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में इसका काफी लाभ होगा।श्रीमती सीतारमण द्वारा आज घोषित आर्थिक उपायों के बाद श्री मोदी ने सिलसिलेवार ट्वीट कर यह बात कही। उन्होंने कहा, ÷वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित आर्थिक उपायों से स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी और विशेष रूप से पिछड़े क्षेत्रों में इसका अधिक फायदा होगा, इससे चिकित्सा क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ेगा और जरूरी मानव संसाधन में भी बढ़ोतरी होगी। हमारे बच्चों के लिए स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने पर विशेष रूप से जोड़ दिया गया है।उन्होंने कहा कि छोटे उद्यमियों और अपना व्यवसाय चलाने वालों को सहायता की घोषणा की गई है जिससे कि वे अपनी व्यवसायिक गतिविधियों को जारी रख सकें और उनका विस्तार कर सके।श्री मोदी ने कहा कि पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों की मदद करने और उन्हें वित्तीय सहायता देने के लिए भी कई पहल की गई हैं। इन उपायों से आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी, उत्पादन और निर्यात बढ़ेगा तथा साथ ही रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

उन्होंने कहा कि सरकार सुधारों के प्रति वचनबद्ध है।उल्लेखनीय है कि श्रीमती सीतारमण ने अर्थव्यवस्था में आई मंदी को दूर करने के लिए आज अनेक उपायों की घोषणा की है।

बच्चों की सुरक्षा की चिंता को प्रमुखता देनी होगी विश्व को : भारत

नई दिल्ली वार्ता। भारत ने कोविड 19 महामारी में बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक विकास के बाधित होने को मानवीय त्रासदी बताते हुए आज कहा कि सभी देशों को बच्चों की सुरक्षा की चिंता को प्रमुखता देनी होगी।विदेश सचिव हर्षवर्द्धन श्रृंगला ने यहां वीडियो लिंक के माध्यम से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सशस्त्र संघर्ष वाले क्षेत्र में बच्चों के बारे में एक मुक्त परिचर्चा में भाग लेते हुए कहा कि इस महामारी ने सशस्त्र संघर्ष की स्थिति में फंसे बच्चों पर नकारात्मक प्रभाव डाला है और शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवाओं तक उनकी पहुंच को बाधित किया है। इसलिए यह महत्वपूर्ण है कि देश कोविड से निपटने के उपायों में बच्चों की सुरक्षा की चिंताओं को प्रमुख स्थान दें।श्री श्रृंगला ने कहा कि बच्चों का मन किसी भी बात को लेकर अतिसंवेदनशील होता है। स्कूलों के बंद होने से उनके ऑनलाइन माध्यमों से आतंकवादी समूहों के निशाना बनने की आशंका बढ़ गयी है।

बड़ी आर्थिक खुराक का एलान

25 लाख छोटे कारोबारियों को सवा लाख का सस्ता कर्ज

नई दिल्ली वार्ता। कोरोना महामारी से जूझ रहे देश के उद्योग धंधों को राहत देने के लिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और वित्त राज्यमंत्री अनुराग ठाकुर ने सोमवार को प्रेस कांफ्रेंस कर कई बड़े एलान किए। इसमें सरकार ने 1.10 लाख करोड़ रुपये की कर्ज गारंटी योजना और 1.50 लाख करोड़ रुपये की अतिरिक्त आपात कर्ज गारंटी का एलान किया है। महामारी काल में स्वास्थ्य संकट को देखते हुए सरकार ने इस क्षेत्र के लिए 50 हजार करोड़ रुपये की कर्ज गारंटी का खास प्रावधान किया है। इन योजनाओं में सस्ती दरों पर कर्ज दिया जाएगा। वित्त मंत्री ने महामारी से प्रभावित क्षेत्रों के लिए पैकेज का एलान किया है। स्वास्थ्य क्षेत्र को 50 हजार करोड़ रुपये का डोज दिया गया है। गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत महामारी के दौरान कोई भूखा न रहे, इसलिए दिवाली यानी नवंबर तक 80 करोड़ गरीबों को मुफ्त अनाज मिलता रहेगा। इस पर कुल दो लाख करोड़ तक का खर्च होगा। संकट का सामना कर रहे देश के पर्यटन उद्योग को बढ़ावा देने के लिए पर्यटकों को वीजा शुल्क से राहत दी गई है। इसमें पहले पांच लाख पर्यटकों को भारत यात्रा करने पर वीजा शुल्क नहीं देना होगा।

100 करोड़ रुपये तक के सस्ते कर्ज मिलेंगे

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कुल आठ उपायों का एलान किया। इनमें से 6 नए हैं। सरकार ने कोरोना प्रभावित क्षेत्रों के लिए 1.10 लाख करोड़ का फंड घोषित किया। इसके जरिए सरकार कम ब्याज दर पर कर्ज देगी। इसमें 100 करोड़ रुपये तक के अधिकतम कर्ज दिए जाएंगे।

जहरीली शराब मामले में हाईकोर्ट सख्त

लखनऊ ब्यूरो। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ ने उत्तर प्रदेश में जहरीली शराब के मामले में सख्त रुख अख्तियार किया है।हाईकोर्ट ने सोमवार को राज्य सरकार से पूछा है कि प्रदेश में जहरीली शराब का धंधा रोकने को क्या कदम उठाए गए हैं। कोर्ट ने इस संबंध में सरकारी वकील को दो हफ्ते में सरकार से निर्देश (पूरी जानकारी) प्राप्त कर अदालत में पेश करने को कहा है।

कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश मुनीश्वर नाथ भंडारी और न्यायमूर्ति रवि नाथ तिलहरी की खंडपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता सतेन्द्र कुमार सिंह की जनहित याचिका पर दिया है । इसमें, प्रदेश में जहरीली शराब के व्यापार का मुद्दा उठाते हुए व्यापक जनहित में इसपर सख्त अंकुश लगाने का आग्रह किया गया है। सुनवाई के समय सरकारी वकील ने मामले में सरकार से पूरे निर्देश लेने को दो सप्ताह का वक्त दिए जाने की गुजरिश की, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया।साथ ही सख्त तकीद किया कि जानकारी महज हाल ही में अलीगढ़ में हुई जहरीली शराब की घटना संबंधी नहीं होनी चाहिए बल्कि वर्ष 2017 में एक अन्य याचिका पर दिए गए कोर्ट के आदेश को लेकर भी जानकारी दें। इस आदेश में हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया था कि जहरीली शराब के व्यापार को रोकने को समुचित कदम उठाए जाएं।

अदालत ने कहा कि इस आदेश के संबंध में क्या किया गया है, इसकी भी जानकारी दी जाय। सुनवाई के समय कोर्ट को बताया गया कि बाराबंकी जिले की घटना संबंधी एक अन्य ऐसा मामला भी वर्ष 2019 से लंबित है। इसपर अदालत ने इस लंबित याचिका को मौजूदा जनहित याचिका के साथ अगली सुनवाई के लिए 19 जुलाई को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है।

लद्दाख में बोले राजनाथ सिंह: धमकी बर्दाश्त नहीं

विवादों को संवाद से हल करने में यकीन रखता है भारत

नई दिल्ली वार्ता। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई स्थानों पर दोनों देशों की सेनाओं के पीछे हटने की प्रक्रिया में जारी गतिरोध के बीच चीन को दो टूक शब्दों में संदेश देते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत संवाद के माध्यम से पड़ोसियों के साथ विवादों का समाधान ढूंढने में यकीन रखता है लेकिन उकसाये या धमकाये जाने पर वह बर्दाश्त नहीं करेगा।इस क्षेत्र की अपनी यात्रा के दूसरे दिन एक अग्रिम स्थान पर एक कार्यक्रम में सैनिकों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है, जो कभी कोई आक्रमण नहीं करता लेकिन उसके सशस्त्र बल देश को 'आंख दिखाने वालों' को माकूल जवाब देने के लिये हमेशा तैयार हैं।देश की सुरक्षा के साथ किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किये जाने की बात पर बल देते हुए सिंह ने कहा यदि स्पष्ट मंशा हो तो किसी भी विवाद का हल ढूंढा जा सकता है। उन्होंने पिछले साल 15 जून को गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के साथ भीषण संघर्ष में शहीद हुए 20 भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि दी और कहा कि देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा।राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत दुनिया का अकेला देश है जिसने दुनिया के किसी देश पर ना तो कभी आक्रमण किया, ना एक इंच जमीन पर कभी कब्जा किया। भारत ने कभी दुनिया के किसी देश को आंख नहीं दिखाई लेकिन किसी का हमें आंख दिखाना भी किसी सूरत में मंजूर नहीं है। हम समस्या का समाधान चाहते हैं।रक्षा मंत्री ने कहा कि आप जैसे जवानों के कारण ही हमारा भारत देश आज सुरक्षित है। भारत-चीन गतिरोध के समय आपने जो तैयारी की उसकी जितनी प्रशंसा की जाए, वो कम है। आगे भी अगर कोई हालात पैदा होंगे तो हम उसका बखूबी मुकाबला करेंगे। रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत शांतिप्रिय देश है, जो आक्रमण में विश्वास नहीं करता लेकिन यदि उसे उकसाया जाएगा तो वह मुंहतोड़ जवाब देगा। सिंह की तीन दिवसीय यात्र ऐसे समय हो रही है, जब पूर्वी लद्दाख में कई स्थानों पर भारतीय एवं चीनी सैनिकों के बीच साल भर से टकराव के समाधान में गतिरोध बना हुआ है। वैसे इस साल फरवरी में पैंगोंग झील इलाके से दोनों पक्षों ने अपने सैनिक एवं हथियार पीछे हटा लिये थे।रक्षा मंत्री ने कहा कि हमें पिछले साल उत्तरी सीमा पर बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा । किंतु हमारे सशस्त्र बलों ने उससे निपटने के लिए अपना साहस एवं समर्पण दिखाया... हमारी सेना के पास हर चुनौती का मुंहतोड़ जवाब देने की क्षमता है।उन्होंने देश को आश्वस्त किया कि सशस्त्र बल किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमने सदैव विश्वशांति के लिए कार्य किया है । हम कभी किसी पर हमला नहीं करते। हमारा उद्देश्य कभी किसी के विरूद्ध जीत हासिल करने का नहीं रहा। भारत ने किसी देश पर न तो हमला किया और न ही एक इंच जमीन पर कब्जा किया है। हमारी मंशा बहुत साफ है। रक्षा मंत्री ने कहा कि हमारे पड़ोसियों को सोचना चाहिए कि हम युगों से पड़ोसी रहे हैं और युगों तक पड़ोसी रहेंगे। क्या वार्ता के माध्यम से हम विवादित मुद्दों का हल ढूंढ सकते हैं? हम पड़ोसी हैं और पड़ोसी बने रहेंगे। मैं सभी पड़ोसियों की बात कर रहा हूं। हम हल ढूंढ सकते हैं, बशर्ते हमारी स्पष्ट मंशा हो। '' उन्होंने क्युंगम में एक कार्यक्रम में और कारू अग्रिम चौकी पर सैनिकों के साथ संवाद के दौरान ये बातें कहीं।

सिंह ने कहा, '' हमारे सशस्त्र बलों ने साबित कर दिया है कि उनके पास साहस और पराक्रम है। जहां संयम की जरूरत है, वहां हमारी सेना संयम दिखाती है और जहां बहादुरी और पराक्रम की आवश्यकता है वहां वह उनका प्रदर्शन करती है

सेना के शौर्य और पराक्रम पर पूरा विश्वास: राजनाथ

नई दिल्ली वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि देश को सेना के शौर्य और पराक्रम पर पूरा विश्वास है और सेना में देश को आंख दिखाने वालों को माकूल जवाब देने की ताकत है।सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवाने के साथ लेह और लद्दाख के तीन दिन के दौरे पर गए श्री सिंह ने आज लद्दाख में ऐतिहासिक थिकसे मठ गए। श्री सिंह ने कहा, ÷हमारे यहां परम्परा रही है कि यदि हम शस्त्र भी धारण करते हैं तो केवल शांति की स्थापना के लिए। मुझे सेना के शौर्य और पराक्रम पर पूरा विश्वास है और आंख दिखाने वालों को माकूल जवाब देने की कूवत उनके अन्दर है।÷उन्होंने कहा कि भारतीय सेना ने यह सिद्ध कर दिया है कि उसमें शौर्य और पराक्रम के साथ संयम भी है। जहां संयम की आवश्यकता होती है, वहां सेना संयम भी बरतती है और जहां शौर्य और पराक्रम की आवश्यकता होती है, सेना वहां पर शौर्य और पराक्रम का भी परिचय देती है।रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद की समस्या और सामाजिक-आर्थिक विकास न होने के चलते जम्मू-कश्मीर और लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाने की आवश्यकता पड़ी और मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि इसके बाद आतंकवादी गतिविधियों में कमी आई है और विकास में तेज़ी आयी है।

मियाद बीतने के बाद किया गया दावा अर्थहीन : उच्च न्यायालय

लखनऊ ब्यूरो। इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खण्डपीठ ने एक अहम फैसले में कहा कि वादकारी की तरफ से देरी से और मियाद बीतने के बाद पेश किया गया दावा राहत से इन्कार की ओर ले जाता है।

अदालत ने संकेत किया कि अच्छा खासा राहत देने के लिए वाजिब केस भी देरी से पेश करने पर अर्थहीन हो जाता है ।

एक सेवा सम्बन्धी (सर्विस) मामले में इस अहम विधि व्यवस्था के साथ कोर्ट ने एक मृत सिपाही की पुत्री की अनुकम्पा नियुक्ति के आग्रह वाली याचिका को गुण-दोष विहीन करार देकर खारिज कर दिया। वर्ष 1984 में मृत सिपाही की 1985 में जन्मी पुत्री ने बालिग होने पर अनुकम्पा नियुक्ति की याचिका दायर की थी।

न्यायामूर्ति इरशाद अली ने सोमवार को यह अहम फैसला विजय लक्ष्मी यादव की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट की कई नजीरों का हवाला देकर सुनाया। याची का

कहना था कि उसके पिता की 22 जुलाई 1985 को एक मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से मृत्यु हो गई थी। 3 फरवरी 1984 को याची का जन्म होने की वजह से उस समय वह नाबालिग थी। दो फरवरी 2002 को बलिग होने पर उसने मृतक आश्रित नियमावली 1974 के तहत अनुकम्पा नियुक्ति की अर्जी दी थी। इसके बाद भी उसे तैनाती नहीं दी गई।

उधर, सरकारी वकील का कहना था कि बालिग होने और अर्जी देने के काफी समय बाद याची ने याचिका दायर की। ऐसे में वह नियमों के तहत अनुकम्पा के आधार पर तैनाती पाने की हकदार नहीं है। कोर्ट ने सुनवाई के बाद उक्त विधि व्यवस्था के साथ याचिका खारिज कर दी।

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की गंगा नदी में बहते शवों से संबंधित याचिका

नई दिल्ली वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने कोरोना की दूसरी लहर के दौरान गंगा नदी में बहाये गये शवों के मद्देनजर मृतकों के अधिकारों की रक्षा के लिए नीति बनाने संबंधी याचिका सोमवार को खारिज कर याचिकाकर्ता को मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता को एनएचआरसी से संपर्क करने की छूट देते हुए, न्यायमूर्ति नागेश्वर राव और न्यायमूर्ति हेमंत की खंडपीठ ने कहा, आप कितने मंचों पर संपर्क कर सकते हैं? यह एक गंभीर समस्या है ... हम जानते हैं। सौभाग्य से अभी स्थिति वैसी नहीं है। आपने एनएचआरसी की सिफारिशों का हवाला दिया है... एनएचआरसी जाइए।गैर सरकारी संगठन ट्रस्ट डिस्ट्रेस मैनेजमेंट कलेक्टिव द्वारा दायर याचिका में यह भी मांग की गयी है कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने अंतिम संस्कार, दफन और एम्बुलेंस सेवाओं के लिए दरें निर्धारित की हैं और अधिक शुल्क लेने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाये।याचिकाकर्ताओं ने कहा कि उन्होंने पहले दिल्ली उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था लेकिन वे संतुष्ट नहीं थे।याचिका में कहा गया है कि उन्होंने मृतकों के अधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां बनाने में मदद के लिए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कोविड????-19 से मरने वालों के अंतिम संस्कार के लिए अधिक शुल्क लेने के खिलाफ कार्रवाई भी शामिल थी।

पठानकोट में हाई अलर्ट: दो संदिग्ध दिखने के बाद सर्च ऑपरेशन शुरू

कमांडो की एक कंपनी बुलाई गई, रणजीत सागर बांध बंद

अमृतसर वार्ता। पंजाब की सीमा से सटे जम्मू-कश्मीर के डोमार इलाके में दो संदिग्ध देखे जाने के बाद पठानकोट में सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पुलिस ने पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन भी शुरू कर दिया है। पठानकोट पुलिस ने कमांडो फोर्स की एक और कंपनी मंगवाई है। पहले से ही दो कंपनियां यहां तैनात हैं। उधर, एहतियातन पठानकोट के रणजीत सागर बांध की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। पर्यटकों के लिए बांध को बंद कर दिया है। इसके अलावा पठानकोट एयरफोर्स स्टेशन और मामून कैंट की सुरक्षा भी कड़ी कर दी गई है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि एहतियातन सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं, जो जारी रहेंगे। धारकलां तहसील में पड़ने वाले अटल सेतु पुल पर विशेष नाका लगाकर गहन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। जम्मू-कश्मीर से जुड़े होने की वजह से इस पुल पर

24 घंटे नाका लगा रहता है लेकिन अब सुरक्षा और बढ़ा दी गई। दुनेरा चौकी इंचार्ज दिलबाग सिंह ने बताया कि हर गाड़ी की जांच की जा रही है।

रणजीत सागर बांध के जीएम एसके सालूजा ने बताया कि हाई अलर्ट के चलते रणजीत सागर बांध परियोजना की सुरक्षा को बढ़ाया गया है। अगले आदेश तक पर्यटकों के लिए परियोजना को बंद किया गया है। यहां कर्मचारियों समेत हर आने-जाने वाले पर सीसीटीवी से नजर रखी जा रही है। इसके अलावा एक पुलिस की क्यूआरटी गाड़ी और एक पेस्को की क्यूआरटी गाड़ी 24 घंटे गश्त कर रही है। पंजाब पुलिस भी दिन-रात अलर्ट मोड पर है। हम लगातार जिला एवं पुलिस प्रशासन के संपर्क में हैं।

संदिग्ध दिखने और जम्मू की घटना के मद्देनजर कमांडो की एक और कंपनी मंगवाई है। सभी अंतरराज्यीय सीमाओं पर हाई अलर्ट है। जम्मू से आने वाली गाड़ियों की बारीकी से जांच के बाद उन्हें पठानकोट में प्रवेश दिया जा रहा है। शहर व गांव के चप्पे-चप्पे पर पुलिस नाके लगा दिए गए हैं। हमारी लोगों से अपील है कि अगर कोई संदिग्ध व्यक्ति दिखता है या फिर कोई लावारिस वस्तु मिलती है तो इमरजेंसी कंट्रोल रूम नंबर 112 पर संपर्क करें।

यूपी : जानलेवा हमले में मुनव्वर राना के बेटे बाल-बाल बचे

लखनऊ ब्यूरो। रायबरेली में शायर मुनव्वर राना के बेटे पर सोमवार देरशाम शहर के त्रिपुला के पास बाइक सवार युवकों ने जानलेवा हमला कर दिया। लखनऊ लौटते समय हुई वारदात में युवकों ने कई राउंड गोलियां चलाई। गनीमत रही कि सभी गोली कार में लगी। हमले में राना के बेटे बाल-बाल बच गए। वारदात की खबर मिलने ही शहर में सनसनी फैल गई। सीओ सदर और कोतवाल ने दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर पड़ताल की। मुनव्वर राना के बेटे ने अपने चाचाओं पर प्रापर्टी के विवाद में जान से मरवाने के लिए फायरिंग करवाने का आरोप लगाया है।

चाचा पर लगाया फायरिंग कराने का आरोप

तहरीर मिलने के बाद पुलिस मामले की पड़ताल में जुट गई है।शायर मुनव्वर राना के बेटे तबरेज राना सोमवार को प्रापर्टी बेचने के सिलसिले में रायबरेली आए थे। दिनभर यहां रहने के बाद वे देरशाम अपनी कार से लखनऊ वापस जा रहे थे। शहर कोतवाली क्षेत्र के त्रिपुला के पास स्थित पेट्रोल पंप पर पहले से घात लगाए बैठे बाइक सवार दो हमलावरों ने वाहन के पहुंचते ही उस पर फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग की आवाज सुनकर भगदड़ मच गई। कई राउंड फायर करने के बाद युवक बाइक से लखनऊ की ओर भाग गए। गनीमत रही कि गोली तबरेज राना को नहीं लगी। सभी

गोलियां वाहन पर ही लगीं।

सूचना मिलते ही सीओ सिटी महिपाल पाठक और शहर कोतवाल अतुल सिंह दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने युवकों को पकड़ने का प्रयास भी किया। हालांकि वे इससे पहले ही फरार हो गए। तबरेज ने अपने चाचाओं पर फायरिंग करवाने का आरोप लगाया है। आरोप है कि प्रापर्टी का विवाद चाचाओं से चल रहा है। इसी विवाद में ही उन्होंने जान से मरवाने के लिए फायरिंग करवाई है।

चेहरे पर कपड़ा बांधे थे दोनों हमलावर

शायर मुनव्वर राना के बेटे तबरेज राना पर जानलेवा हमला करने वाले बाइक सवार दोनों युवकों के चेहरे कपड़े से ढके थे। इसी कारण कोई भी उन्हें पहचान नहीं पाया। फायरिंग करने के बाद हमलावर आराम से लखनऊ की ओर भाग निकले।एसपी श्लोक कुमार ने बताया कि शायर मुनव्वर राना के बेटे तबरेज राना प्रापर्टी बेचने के सिलसिले में लखनऊ से रायबरेली आए थे। देरशाम वापस लौटते समय बाइक सवार युवकों ने फायरिंग की है। हालांकि गोली कार में लगी है। अपने चाचाओं पर प्रापर्टी के विवाद में जानलेवा हमला करवाने का आरोप लगाया है। मामले की जांच शुरू करवा दी गई है। मुनव्वर राना के बेटे की तहरीर पर उसके चार चाचा और एक भतीजे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली गई है।

यूपी में दुष्कर्म की सजा:पंचायत ने पीड़िता से कहा

आरोपी को पांच चप्पल मारो और 50 हजार रुपये लेकर मामला खत्म करो

महराजगंज ब्यूरो। महराजगंज के कोठीभार थाना क्षेत्र के एक गांव में गत 23 जून को सब्जी तोड़ने खेत गई एक नाबालिग से आरोपी ने मुंह बंद कर दुष्कर्म किया था। उसके बाद आरोपी ने पीड़िता के परिजनों को जान से मारने की धमकी दी। नाबालिग के परिजनों ने कहा कि आरोपी गांव के कुछ बड़े लोगों को अपने पक्ष में करते हुए पंचायत कराकर मामले को दबाने का प्रयास करने लगा। वहीं, आरोपी को बचाने के लिए पंचायत भी हुई। पीड़िता के पिता को 24 जून को पंचायत में उपस्थित होने का फरमान जारी किया गया। पंचायत ने यह भी कहा कि अगर पंचायत में उपस्थित दर्ज नहीं हुई तो गांव से बाहर निकाल दिए जाओगे।

पंचायत ने दुष्कर्म के आरोपी को पांच चप्पल मारने और 50 हजार रुपये जुर्माना लगाकर बरी कर दिया। इस बीच 25 जून को पीड़िता की मां ने बेटी को लेकर कोठीभार थाने पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई। आरोप है कि पुलिस ने थाने से पीड़िता और उसकी मां को भगा दिया। वहीं मामला उजागर होने पर पुलिस ने 26 जून को दुष्कर्म के बजाय छेड़छाड़ की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर खानापूर्ति की। कोठीभार थाना प्रभारी धनवीर सिंह ने बताया कि पीड़िता की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उप्र में कोरोना मरीजों के लिए लगभग 3250 बिस्तरो पर ऑक्सीजन की व्यवस्था

लखनऊ,संवादाता। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोरोना मरीजों को 3250 बिस्तरो पर ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की है।ऑक्सीजन की आपूर्ति कराए जाने के लिए ऑक्सीजन जेनरेटर्स की स्थापना चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास तथा आबकारी विभाग के संयुक्त प्रयास से संबंधित जिले के जिलाधिकारी द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी के परामर्श से निर्धारित किए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इसके लिए 75 जिलाधिकारियों द्वारा 80 अस्पतालों का चयन किया गया है, जिसमें ज्यादातर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से लगे हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शामिल हैं। ऐसे में आबकारी तथा चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग प्रदेश में कुल 3250 बेड्स पर ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई हैं।

इस संबंध में अपर मुख्य सचिव आबकारी एवं गन्ना विकास संजय आर. भूसरेड्डी ने आज यहां बताया कि दोनो विभागों के औद्योगिक इकाईयों द्वारा सीएसआर निधि से 80 ऑक्सीजन जेनरेटर निर्माताओं से ऑक्सीजन जेनरेटर प्लांट्स क्रय कर युद्ध स्तर पर लगाया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में दोनों विभागों के संयुक्त प्रयास से लगभग 33 आबकारी विभाग की इकाइयों के माध्यम से और 47 चीनी मिलों के माध्यम से प्रदेश भर में एक-एक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र या जिला अस्पताल चयनित किए गए हैं। प्रदेश सरकार की तरफ से इन ऑक्सीजन जेनरेटर्स के माध्यम से ऑक्सीजन सप्लाई की जा रही है।

श्री भूसरेड्डी ने बताया कि बरेली, गोरखपुर और सीतापुर, शामली, कुशीनगर, अमरोहा में दो-दो अस्पतालों का चयन किया गया है। जहां ऑक्सीजन जेनरेटर्स की स्थापना कर ऑक्सीजन सप्लाई की आंतरिक पाइप लाइन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है । इनमें सहारनपुर जिले में सीएचसी ननौता-50 बेड, बरेली में सीएचसी, मीरगंज-30 बेड और सीएचसी बहेड़ी में 30 बेड, बांदा में सीएचसी, नारायनी-50 बेड, श्रावस्ती में सीएचसी लक्ष्मणपुर-50 बेड, उन्नाव में सीएचसी, औरास-50 बेड, प्रयागराज में पीएचसी उरुवा-50 बेड, फतेहपुर में सीएचसी बिंदकी-50 बेड, प्रतापगढ़ में ट्रामा सेंटर रानीगंज-50 बेड, कौशाम्बी सीएचसी मंझनपुर-50 बेड, चित्रकूट में सीएचसी मानिकपुर-50 बेड, अलीगढ़ में सीएचसी अतरौली-150 बेड, एटा में सीएचसी बगवाला-70 बेड, हाथरस में सीएचसी मुरसान-30 बेड, कासगंज में सीएचसी गंजडुण्डवाडा-30 बेड, बदायूं में सीएचसी घाटपुरी-50 बेड, महोबा में जिला अस्पताल-50 बेड, बलिया में सीएचसी, सिआर-30 बेड शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि सीतापुर में सीएचसी खैराबाद-50 बेड और सीएचसी महमूदाबाद-30 बेड, बाराबंकी में जिला अस्पताल सिरौली गौसपुर-35 बेड, कानपुर देहात में सीएचसी, पुखरायां-30 बेड, भदोही में ट्रामा सेंटर, औराई-35 बेड, बहराइच में सीएचसी कैसरगंज-40 बेड, बागपत में सीएचसी सरुरपुर-50 बेड, जौनपुर में सीएचसी सथरिया-50 बेड, मथुरा में सीएचसी, सोनाई-50 बेड, शामली में जिला अस्पताल शामली-100 और थाना भवन-30 बेड, अयोध्या में सीएचसी मसौधा-50 बेड, हापुड़ में जिला अस्पताल-100 बेड, हरदोई में जिला अस्पताल-50 बेड, बलरामपुर में जिला संयुक्त अस्पताल-100 बेड, देवरिया में सीएचसी, पिपरा धौलाकदम-50 बेड, गोरखपुर में सीएचसी, चैरी चैरा-50 बेड और सीएचसी हरनई-50 बेड, बस्ती में सीएचसी फिमेल अस्पताल हरैया-100 बेड, रामपुर में सीएचसी बिलासपुर-30 बेड, मैनपुरी सीएचसी भोगांव-40 बेड, महाराजगंज में सीएचसी, घुगली-50, मुरादाबाद सीएचसी, कुंदुरकी-35 और अमरोहा सीएचसी गजरौला-30 बेड और जोया सीएचसी में-35 बेड शामिल हैं।

वहीं बिजनौर में सीएचसी स्योहारा-30 बेड, रायबरेली में सीएचसी, रोहनिया-60 बेड, लखीमपुर, सीएचसी गोला-40 बेड, आगरा में सीएचसी,बरौली अहिर-30 बेड, फिरोजाबाद- सीएचसी, जसराना-25 बेड, आजमगढ़ में सीएचसी लाटघाट-30 बेड, मऊ में सीएचसी, परदाहा-20 बेड, फर्रुखाबाद में सीएचसी, मोहम्दाबाद-30 बेड, कन्नौज में सीएचसी, सौरिख-30 बेड, औरैया में सीएचसी दिबियापुर-50 बेड, कुशीनगर में सीएचसी सपाहा-30 बेड और सीएचसी सेवरही-30 बेड, हमीरपुर में सीएचसी, कुरारा-75 बेड, झांसी में सीएचसी, बड़गांव-100 बेड, जालौन में सीएचसी, कोंच-40 बेड, ललितपुर में सीएचसी तालबेहट-30 बेड, गोंडा में सीएचसी काजी देवर-30 बेड, अंबेडकरनगर में सीएचसी, जलालपुर-30 बेड, सुलतानपुर में सीएचसी, कुदवार-30 बेड शामिल हैं।

इसी प्रकार अमेठी में सीएचसी फुर्सतगंज-25 बेड, पीलीभीत में सीएचसी, भदौरा टांडा-100 बेड, शाहजहांपुर में सीएचसी, जलालाबाद-60 बेड, सिद्धार्थनगर में सीएचसी, बीरदपुर-30 बेड, संतकबीर नगर में सीएचसी, धनघटा हैसरबाजार-30 बेड, मिर्जापुर में सीएचसी विंध्याचल-30 बेड, सोनभद्र में सीएचसी मधुपुर-30 बेड, संभल में सीएचसी असमौली-30 बेड, मेरठ में सीएचसी दौराला -30 बेड, बुलंदशहर में सीएचसी खुर्चा-90 बेड, चंदौली में सीएचसी भोगवारा-50 बेड, गाजीपुर में सीएचसी भदौरा-30 बेड, मुजफ्फरनगर में सीएचसी बुढ़ाना-30 बेड, इटावा में सीएचसी जसवंतनगर-30 बेड, कानपुर नगर में सीएचसी , बिल्हौर-30 बेड, वाराणसी में सीएचसी चिरईगांव, नरपतपुर-30 बेड, लखनऊ सीएचसी गोसाईगंज-30 बेड शामिल हैं।

लोनी में डकैती,कपड़ा कारोबारी व दो पुत्रों की गोली मारकर हत्या

गाजियाबाद,,संवादाता। उत्तर प्रदेश में दिल्ली से सटे गाजियाबाद जिले के लोनी इलाके में बदमाशों ने डकैती का विरोध करने पर कपड़ा कारोबारी और उसके दो पुत्रों की गोली मारकर हत्या कर दी और लाखों के जेवरात और नकदी लेकर फरार हो गये।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित पाठक ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद आज यहां बताया कि गाजियाबाद के लोनी कोतवाली इलाके में टोली मोहल्ला निवासी कपड़ा कारोबारी रियाजुद्दीन के घर आज तड़के डकैती डालने के लिए छह हथियार बंद बदमाश घर में घुसे थे। बदमाशों ने घर में जमकर लूटपाट की और 25 लाख रुपये की नगदी, एक किलो सोना व अन्य सामान लूटकर ले गये।

उन्होंने बताया कि विरोध करने पर बदमाशों ने रियाजुद्दीन और उसके दो पुत्रों इमरान और अजहरूद्दीन को गोली मार दी,जिससे उनकी मृत्यु हो गई। बदमाशों ने रियाजुद्दीन की पत्नी फातिमा के सिर पर तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। घायल महिला को अस्पाल में भर्ती करा दिया गया है। उन्होंने बताया कि गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास रहने वाले रियाजुद्दीन के अन्य भाई और पड़ोसी वहां आ गए, लेकिन घर के मुख्य द्वार पर ताला लगा होने के कारण कोई भी घर में नहीं जा पाया। घटना के कुछ देर बाद अफसाना को होश आया और वह नीचे आई और दरवाजा खोला। इसके बाद लोग अंदर घुसे।

श्री पाठक ने बताया कि घटना के बाद बदमाश छत के सहारे मौके से फरार हो गए। उन्होंने बताया कि सूचना पर पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया। डॉग स्क्वायड और फॉरेंसिक टीम भी मौके पर बुलाई गई। उन्होंनें बताया कि बदमाशों को पकड़ने के लिए तीन टीम गठित कर दी गई है। पुलिस लुटेरों का सुराग लगाने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

एसडीएम को धनराशि देने संबंधी आडियो की जांच के लिए समिति गठित

सहारनपुर,,संवादाता।उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के जिलाधिकारी अखिलेश सिंह ने एक उप जिलाधकारी (एसडीएम) को धनराशि दिए जाने संबंधी बातचीत की आडियो की सत्यता के लिए एक दो सदस्यीय जांच समिति का गठन किया हैं।

श्री सिंह ने आज यहां बताया कि गत दिवस सोशल मीडिया पर जारी एक आडियो जिसमें दो व्यक्ति मोबाइल पर किसी उप जिलाधिकारी को कुछ धनराशि दिए जाने की बात कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि मामले की गंभीर को देखते हुए एडीएम वित्त एवं राजस्व विनोद कुमार और सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश कुमार सोनी की दो सदस्यीय जांच कमेटी को सौंपा गया हैं। उन्होंने कहा कि जांच के बाद जो भी तथ्य सामने आएंगे उन पर संज्ञान लेते हुए जरूरी कार्रवाई करेंगे।

दो युवकों ने कर ली आत्महत्या

मुजफ्फरनगर,,संवादाता। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर शहर में आज एक युवक ने तमंचे से गोली मारकर जबकि दूसरे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।पुलिस उपाधीक्षक हिमांशु गौरव ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहल्ला गांधी नगर निवासी कन्हैया के 38 वर्षीय पुत्र निखिल उर्फ़ बन्टी ने चमंचे से खुद को तमंचे से गोली मार ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि मौके से तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है । परिजनों के अनुसार युवक काफी समय से तनाव में था और इसी कारण उन्हें यह कदम उठाया।उन्होंने बताया कि नई मंडी कोतवाली इलाके के कुकड़ा में सोमवार को दिन निकलते ही 26 वर्षीय दीपक ने अपनी बुआ के घर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

सड़क हादसों में डॉक्टर समेत तीन मृत्यु

वाराणसी, ,संवादाता। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में हुए सड़क हादसों में एक डॉक्टर समेत तीन लोगों की मृत्यु हो गई।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि सोमवार को कोतवाली क्षेत्र के बुलानाला के पास सीमेंट-कंक्रीट मशीन के ट्रक की चपेट में आने से डॉ0 अकबर अली की मृत्यु हो गई। दालमंडी निवासी 61 वर्षीय डॉ0 अली शहर के रामकटोरा स्थित एक निजी अस्पताल में कार्यरत थे। रोज की तरह सुबह वह स्कूटी से अस्पताल जा रहे थे और उसी बीच सड़क दुरुस्त करने के कार्य में लगा एक ट्रक बेकाबू हो गया, जिससे वह उसकी चपेट में आ गये। गंभीर हालत में उन्हें कबीर चौरा के मंडलीय अस्पताल में जे जाया गया,जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।उन्होंने बताया कि दूसरा हादसा फूलपुर क्षेत्र में लखनऊ-वाराणसी मार्ग पर रामपुर फ्लाईओवर के पास हुआ, जहां मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की अज्ञात वाहन से कुचलकर मृत्यु हो गई। मृतक की शिनाख्त 40 वर्षीय जौनपुर निवासी ऋषिकेश के रूप में हुई है। वह रविवार देर शाम अपने गांव नेवादा से वाराणसी आ रहा था तभी दुर्घटना के शिकार हो गया।उन्होंने बताया कि तीसरी घटना शहर के रामनगर क्षेत्र की है, जहां रविवार देर रात पंचवटी मार्ग पर मोटरसाइकिल सवार युवक को तेज रफ्तार वाहन ने कुचल दिया,जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी।

कांस्टेबल की पत्नी ने पति के साथी पर लगाया बलात्कार का आरोप

फिरोजाबाद,,संवादाता।उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में पुलिस के पीआरवी पर तैनात कांस्टेबल की पत्नी ने पति के साथी सिपाही मनोज पर बलात्कार का आरोप लगाया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार के अनुसार थाना खेरगढ़ क्षेत्र क़ी पीआरवी पर तैनात चालक सिपाही की पत्नी ने उसके दोस्त मनोज पर बलात्कार करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पीड़िता की मानें तो महिला के पति ने उसे मायके छोड़ने को कहा था । वह पत्नी को कार में बैठाकर अपने साथ ले गया, उस कार में पति और मनोज भी था। पीड़ित महिला ने अपनी तहरीर में लिखा है कि खैरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के पास उसका पति गाड़ी से उतर गया था और इसके बाद मनोज ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के मुताबिक, इस पूरे मामले में उसके पति की सहमति थी ।उन्होंने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया उसके निलंबित कर दिया। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। महिला का मायका भी इसी थाना क्षेत्र में है।

कांस्टेबल की पत्नी ने पति के साथी पर लगाया बलात्कार का आरोप

फिरोजाबाद, ,संवादाता। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले में पुलिस के पीआरवी पर तैनात कांस्टेबल की पत्नी ने पति के साथी सिपाही मनोज पर बलात्कार का आरोप लगाया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार के अनुसार थाना खेरगढ़ क्षेत्र क़ी पीआरवी पर तैनात चालक सिपाही की पत्नी ने उसके दोस्त मनोज पर बलात्कार करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। पीड़िता की मानें तो महिला के पति ने उसे मायके छोड़ने को कहा था । वह पत्नी को कार में बैठाकर अपने साथ ले गया, उस कार में पति और मनोज भी था। पीड़ित महिला ने अपनी तहरीर में लिखा है कि खैरगढ़ थाना क्षेत्र के एक गांव के पास उसका पति गाड़ी से उतर गया था और इसके बाद मनोज ने उसके साथ दुष्कर्म किया। महिला के मुताबिक, इस पूरे मामले में उसके पति की सहमति थी ।उन्होंने बताया कि इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया उसके निलंबित कर दिया। पूरे मामले की छानबीन की जा रही है। महिला का मायका भी इसी थाना क्षेत्र में है।

हरीपर्वत इलाके में मुठभेड़, 50 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

आगरा,,संवादाता। उत्तर प्रदेश की आगरा पुलिस ने हरीपर्वत इलाके में हुई मुठभेड़ में 50 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे नकदी और हथियार आदि बरामद की।पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि थाना हरीपर्वत व क्राइम ब्रान्च की टीम ने आज संयुक्त रुप से सूचना के आधार पर चेकिंग के दौरान सिकन्दरा रेलवे लाइन रोड ट्रान्सपोर्ट नगर के पास मोटर साइकिल सवार बदमाश की घेराबन्दी की । खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस पर जान से मारने की नियत से फायरिंग कर दी। पुलिस द्वारा की गयी आत्मरक्षार्थ कार्रवाई में इनामी बदमाश विजय उर्फ करू घायल हो गया, जिसे गिरफ्तार कर लिया।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश फिरोजाबाद जिले का रहने वाला है। उसके कब्जे से सोने के जेवरात, 27 हजार 200 रूपये की नगदी, पिस्टल, कारतूस, चोरी की बगैर नम्बर की मोटर साइकिल बरामद हुई। घायल बदमाश को अस्पताल भेज दिया गया। गिरफ्तार बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है,इसके विरूद्ध आगरा, एटा, फिरोजाबाद के विभिन्न थानों पर डकैती, हत्या का प्रयास, लूट, चोरी, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट, गुण्डा एक्ट , गैंगेस्टर एक्ट आदि के 33 अभियोग पंजीकृत है।

जर्जर मकान ढहने से पिता-पुत्र घायल

वाराणसी, ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के चौक क्षेत्र में सोमवार को जर्जर भवन का एक हिस्सा अचानक ढहने से उसमें रह रहे परिवार को दो सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गये।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि आज संकठा माता मंदिर इलाके में दो मंजिला भवन की छत का एक हिस्सा अचानक भड़भड़ाकर गिर गया और उसमें रह रहे दिलीप कुंडू और उसका बेटा सुधांशु मलबे में दबने से गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे के बाद स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें बाहर निकाला और कबीर चौरा स्थित अस्पताल में भर्ती करवाया।उन्होंने बताया कि पिता-पुत्र की उनकी हालत में सुधार है।

पत्र चस्पा कर दी बदमाशों ने दो थानों को उड़ाने की धमकी

जौनपुर, ,संवादाता। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के रामपुर व सुरेरी थाने पर पत्र चस्पा कर डी-33 गिरोह ने उन्हें उड़ाने की दी गई है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अपराधियों के हौसले इतने बढ़ गए हैं कि उन्होंने थानों को ही उड़ाने की धमकी भरा पत्र चस्पा कर दिया। उन्होंने बताया कि सुरेरी थाना परिसर के मुख्य गेट व बोर्ड पर सोमवार सुबह एक धमकी भरा पत्र चस्पा किया गया था।

उन्होंने बताया कि चस्पा किए गए पत्र में गिरोह के सदस्यों द्वारा यह दिखाया गया है कि बीते दो वर्षों से रामपुर - कठवतिया मार्ग क्षतिग्रस्त पड़ा हुआ है। इससे राहगीरों सहित एंबुलेंस व आम लोगों को काफी मुसीबतें झेलनी पड़ती है लेकिन विभाग द्वारा इसकी मरम्मत नहीं कराई जा रही है। अगर अक्टूबर के अंत तक टूटी सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो रामपुर थाने व सुरेरी थाने को उड़ा दिया जाएगा।

नहाते समय तालाब में डूबने से दो बच्चों की मृत्यु

सोनभद्र,,संवादाता। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के म्योरपुर इलाके में सोमवार को तालाब में नहाने गए दो बच्चों की डूबने से मृत्यु हो गयी।पुलिस सूत्रों के मुताबिक सोनभद्र के म्योरपुर क्षेत्र के करहिया गांव निवासी रामेश्वर की छह वर्षीय पुत्री रीना और रामजनम गोड का सात वर्षीय राम बाबू तालाब में नहाते समय डूब गये,जिससे उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि बच्चों के डूबने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों बच्चों के शव तलाब से निकलवाये और पीएम के लिए भेज दिये।

विकास और ईमानदारी के नाम पर लडेंगे चुनावः स्वतंत्र देव सिंह

झांसी ,संवादाता। उत्तर प्रदेश के झांसी दौरे पर सोमवार को आये भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह ने दावा किया कि हमारे पास लोकप्रिय और ईमानदार नेतृत्व है। देश और प्रदेश का न केवल नेतृत्व बल्कि पूरा मंत्रिमंडल बेदाग है। हम विकास के नाम पर,कानून व्यवस्था के नाम पर, परिश्रम की पराकाष्ठा और ईमानदारी के नाम पर चुनाव लडेंगे।यहां झांसी विकास प्राधिकरण स्थित अटल एकता पार्क में वृक्षारोपण के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2022 का चुनाव हम राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के अपने सहयोगी दलों के साथ ही लडेंगे, प्रदेश के चुनावों को लेकर बाकी रणनीति आगे तैयार की जायेगी। हमारे पास ईमानदार नेतृत्व है,भ्रष्टाचार मुक्त है। प्रदेश सरकार ने कानून व्यवस्था सुधारने के लिए काम किया है राज्य के अपराध हो नहीं सकता है। हमारी सरकार के शासन में न वंशवाद है, न परिवारवाद और न ही जातिवाद है।हमारे शासनकाल में किसी गरीब का शोषण नहीं हो सकता। आपने सपा बसपा शासनकाल भी देखा है लेकिन हमारी सरकार पर कोई दाग नहीं है। समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि यहां सरकार सैफई खानदान नहीं चलाता बल्कि यहां योगी सरकार है भाजपा की सरकार हैं। सरकार और संगठन दोनों का एकमात्र लक्ष्य गरीबों की सेवा है।वृक्षारोपण के हर साल किये जाने कार्यक्रम की कमजोर मॉनीटरिंग को लेकर पूछे गये सवाल के जवाब में प्रदेश अध्यक्ष ने व्यवहारिकता से दूर दार्शनिकों की तरह बात करते हुए कहा कि वृक्षारोपण को वृहद पैमाने पर सफल बनाने के लिए जनआंदोलन की आवश्यकता होती है। सब काम करने चाहिए शुरू करो लेकिन इसके लिए समाज के आंदोलित होने की भी दरकार है। जैसे मोदी जी ने स्वच्छता अभियान ,योग अभियान शुरू किया आज सब लोग पूरी दुनिया स्वीकार कर रही है। वृक्षारोपण भी जन आंदोलन है कोई एक संगठन की बदौलत यह नहीं चलने वाला है। जब तक पूरा समाज इसके साथ नहीं जुटेगा । सरकार, सामाजिक संगठन आदि सभी मिलकर काम करते हैं तो राज्य का वातावरण बनता है ।इसमें सभी लोगों को लगना चाहिए। पेड़ कैसे बचाएं जाएं इसके लिए सभी को सोचना चाहिए , इन्हीं से जीवन और ऑक्सीजन मिलता है इनके लिए सभी को सोचना चाहिए।

इससे पहले उन्होंने अपने भ्रमण के बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस 23 जून से 06 जुलाई तक वृक्षारोपण, प्लास्टिक मुक्त स्वच्छता अभियान चलाने हैं और चार जुलाई को वृहद वृक्षारोपण सरकार में और संगठन में किया जाना है । हर बूथ पर 10-10 पेड़ लगाए जाएं इसे पार्टी ने एक अभियान के रूप में लिया है। इसके अलावा वैक्सीनेशन को लेकर अभियाना चलाना है । हर जनपद में हर बूथ में वैक्सीनेशन हो इसके लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष ने निर्णय लिया और इसका काम सरकार के साथ मिलकर किया जा रहा है। तीसरी लहर से पहले प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक महिला और एक पुरूष वालंटियर तैयार किये जायेंगे जिन्हें पूरा प्रशिक्षण दिया जायेगा, इन्हें किट दी जायेगी। उनके पास अगर कोई संक्रमित आता है तो उसकी जांच कर सकें और उन्हें उचित अस्पताल में भर्ती कराया जा सके। यह अभियान पार्टी लेकर चल रही है और इसी के लिए हम सभी का प्रवास है जिसमें विधायकों के साथ कार्यकर्ताओं के साथ बैठना है।

निराश्रित गौवंश की सुरक्षा के लिए पशुपालन विभाग को निर्देश

झांसी ,संवादाता। उत्तर प्रदेश के झांसी प्रशासन ने निराश्रित गौवंश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश पशुपालन विभाग को निर्देश दिये हैं।

जिलाधिकारी आंद्रा वामसी ने सोमवार को पशुपालन विभाग के कार्यों की समीक्षा करते हुए सोमवार को निर्देश दिए कि यदि जनपद में निराश्रित/बेसहारा/छुट्टा गौवंश घूमता हुआ दिखाई देता है तो संबंधित के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। निराश्रित एवं बेसहारा गौवंश के विचरण से आम जनमानस को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, अनेकों बार निराश्रित बेसहारा गोवंश दुर्घटना का कारण भी बन जाते हैं। इसके अतिरिक्त गौवंश द्वारा फसलों को भी नुकसान पहुंचाया जाता है। अतः इस तरह के निराश्रित गौवंश को आस पास के गौवंश संरक्षण कराया जाना है। यह कार्य आमजनता के सक्रिय सहयोग से ही सम्भव है। उन्होंने आम जनमानस से अपील करते हुए कहा कि क्षेत्र में निराश्रित एवं बेसहारा गौवंश सड़कों पर विचरण करते हैं तो ऐसे गौवंश की जानकारी। आईसीसीसी के नंबर 0510-2370621 ,2370622 , 2370623 पर दें ताकि गौवंश को सुरक्षित आश्रय स्थल पहुंचाया जा सके।

मुख्यमंत्री निराश्रित/बेसहारा गौवंश सहभागिता योजना में जनसहयोग एवं रुचि की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि इस योजना का क्षेत्र में व्यापक प्रचार प्रसार किया जाए। इस योजना के अन्तर्गत कोई भी इच्छुक पशुपालक अस्थायी गौवंश आश्रय स्थल से 04 निराश्रित गौवंश तक प्राप्त कर सकता है। गौंवश के भरण पोषण के लिए शासन द्वारा निर्धारित रु0 30 प्रति गौवंश प्रति दिन की दर से पशुपालक को भुगतान किया जाता है। उन्होंने तहसील स्तर पर उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी को निर्देश दिए कि क्षेत्र भ्रमण में इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा ग्रामीणों को जागरूक किया जाए कि ऐसे निराश्रित/बेसहारा गौवंश को वह अपने घर पाले और योजना का लाभ उठाएं।

आम जनमानस से अपील की जाती है कि इस जनहित के कार्य में रुचि लेते हुये अपना व्यक्तिगत सहयोग प्रदान कर क्षेत्र में घूम रहे निराश्रित गौवंश को आस पास सक्रिय गौवंश आश्रय स्थलों/बृहद गौ संरक्षण केन्द्र/कान्हा गौशाला में संरक्षित कराये एवं जन सहभागिता योजना में स्वंय रुचि लेते हुये योजना में बढ़ चढ़कर हिस्सा लें जिससे कि गौवंश संरक्षण के उपरान्त आमजनमानस को होने वाली दिक्कतों एवं फसलों के नुकसान जैसी समस्या का निदान हो सके।

क्षेत्र में किसानों को जागरूक किया जाए कि वह पराली में आग ना लगाएं। पराली अब आय का जरिया भी बन सकती है, उन्होंने बताया कि पराली को एनटीपीसी खरीद रही है जिससे वह विद्युत उत्पादन कर रहे हैं, इसके साथ ही मनरेगा के माध्यम से पराली से खाद बनाए जाने का काम भी किया जा रहा है, अतः किसान पराली में आग ना लगाएं उससे खाद बनाएं और आय बढ़ाएं। उन्होंने किसानों से पराली को गौआश्रय स्थल तक पहुंचाने का भी आह्वान किया ताकि निराश्रित बेसहारा गौवंश को भूसा आदि की समस्या ना उत्पन्न हो।

शिया धर्मगुरु ज़ैदी ने लगवाई वैक्सीन,सभी की टीका लगवाने की अपील

जौनपुर,,संवादाता। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में शिया धर्मगुरु मौलाना सफ़दर हुसैन ज़ैदी ने सोमवार को यहां ज़िला अस्पताल में कोरोना वैक्सीन का टीका लगाने के साथ सभी से इसे लगवाने की अपील की।इस मौके पर उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के खिलाफ जारी जंग में कोरोना वैक्सीन को अहम हथियार बताते हुए कहा कि अफवाहों को अनदेखा कर समाज व देशहित में सभी को यह टीका लगवाकर इस अभियान को बढ़ावा देना चाहिए।मौलाना सफ़दर हुसैन ज़ैदी ने कहां की टीकाकरण अभियान तभी सफल होगा, जब एक भी व्यक्ति टीका लगवाने से नहीं छूटेगा। कोई भी व्यक्ति टीका लगने से न छूटे यह सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। जीवन बचाने के लिए वैक्सीन एक बड़ा हथियार है। इसलिए सभी को इसकी महत्ता को समझना चाहिए और स्वयं आगे आना चाहिए।

आगरा में दयालबाग से ठेकेदार के पुत्र का अपहरण कर हत्या करने वाले पांच गिरफ्तार

आगरा, ,संवादाता। उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने आगरा में अपहरण के बाद सचिन चौहान की हत्या कर 02 करोड़ रूपये की फिरौती वसूने की योजना का खुलासा करते हुए घटना में शामिल पांच अपहरणकर्ताओं के आगरा से दयालबाग क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।एसटीएफ प्रवक्ता ने आज यहां यह जानकारी दी। न्यू आगरा दयालबाग क्षेत्र से सरकारी ठेकेदार सुरेश चौहान के इकलौते पुत्र सचिन चौहान की 21 जून को फिरौती के लिए अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस घटना में शामिल पांच अपहरणकर्ता एवं हत्यारों तुलसी विहार निवासी सुमित असवानी, कमलानगर निवासी हैप्पी खन्ना,मनोज बंसल ,रिंकू और हर्ष चौहान को कल रात गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से सात मोबाईल फोन कुछ नकदी और एक कार बरामद की।उन्होंने बताया कि इस घटना का खुलासा करने के लिए एसटीएफ को लगाया गया था। उन्होंने बताया कि 27 जून को सूचना मिली कि सुरेश चौहान के पुत्र सचिन चौहान का फिरौती के लिए अपहरण कर उसकी हत्या करने वाले आरोपी आगरा में ही मौजूद हैं। इस सूचना पर आगरा एसटीएफ की टीम बताये गये स्थान पर पहुँची और वाटर वक्स चौराहे पर कार में बैठे घटना में संलिप्त हैप्पी खन्ना को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ पर हैप्पी ने बताया कि सुमित असवानी, मनोज बंसल, रिंकू ने मिलकर 21 जून की शाम सचिन चौहान को उसके घर के पास वाली सड़क से अपहरण एवं हत्या कर शव को बल्केश्वर घाट आगरा में ले जाकर, रवि वर्मा के नाम से अंतिम संस्कार करा दिया।प्रवक्ता ने बताया कि अभियुक्त हैप्पी की पूछताछ के आधार पर घटना में शामिल मनोज बंसल उपरोक्त को देवरी रोड, सदरबाजार, से जबकि कार सवार सुमित असवानी को तुलसी विहार दयालबाग से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारसुमित असवानी ने बताया कि इस घटना मैं हर्ष चौहान जो सचिन के पिता सुरेश चौहान के बिजनेस पार्टनर हैं, उनके कहने पर तथा उसके 40 लाख रूपये, जो सचिन चौहान ने उधार लिये थे, को वापस न देने के कारण, उसका अपहरण कर, उसके पिता से दो करोड़ रूपये बसूल कर उधारी का पैसा व अलग से फिरौती में वसूले गये पैसों में से हिस्सा देने का वादा करके कराया गया था।

डेल्टा प्लस से बचाव के लिये जीनोम सिक्केसिंग पर जोर

लखनऊ ब्यूरो। देश के 11 राज्यों में कोविड के नये वैरिएंट डेल्टा प्लस से संक्रमित मामलों के मिलने से सतर्क उत्तर प्रदेश सरकार जीनोम सिक्केंसिंग की सुविधा को लगातार बढ़ा रही है।

प्रदेश में पिछले 24 घंटो के दौरान कोरोना के 190 नये मामले सामने आये है जबकि 261 स्वस्थ भी हुये। राज्य में फिलहाल 3046 मरीजों का इलाज किया जा रहा है। प्रदेश में कोरोना की दैनिक पाजीटिविटी दर 0.1 फीसदी से भी कम हो चुकी है वहीं रिकवरी दर 98.5 प्रतिशत है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कोविड-19 प्रबंधन के लिये गठित टीम-09 की बैठक में कहा कि कोरोना वायरस के गहन अध्ययन-परीक्षण के लिए प्रदेश में जीनोम सिक्केंसिंग की सुविधा को लगातार बढ़ाया जा रहा है। बीएचयू, वाराणसी, केजीएमयू लखनऊ और सीडीआरआई, आईजीआईबी, दिल्ली के सहयोग से जीनोम परीक्षण कराया जा रहा है। अध्ययन की यह रिपोर्ट डेल्टा प्लस वैरिएंट से बचाव के लिए प्रबंधन में सहायक होगी।उन्होने कहा कि देश के 11 राज्यों में कोरोना वायरस का नया वैरिएंट डेल्टा प्लस से संक्रमित मरीज पाए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश को विशेष सतर्कता बरतनी होगी। विशेषज्ञों के अनुसार इस बार का वैरिएंट पहले की अपेक्षा कहीं अधिक खतरनाक है। विशेषज्ञों के परामर्श के अनुरूप बिना देर किए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। प्रदेश में जल्द ही 11 नई आरटीपीसीआर टेस्ट प्रयोगशालाएं क्रियाशील हो जाएंगी। इनका संचालन शुरू करने के संबंध में सभी जरूरी तैयारियां तेजी से पूरी कर ली जाएं। इसके साथ ही प्रदेश के 45 जिलों में आरटीपीसीआर टेस्ट प्रयोगशालाएं हो जाएंगी। शेष 30 जिलों में भी अगले तीन-चार माह के भीतर ऐसी प्रयोगशालाएं स्थापित कराने की कार्यवाही की जाए।

श्री योगी ने कहा कि कोरोना महामारी के लिहाज से प्रदेश की स्थिति हर दिन के साथ बेहतर होती जा रही है। यह अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतने का समय है। बाजार खुल चुके हैं, आवागमन आदि निर्बाध रूप से संचालित है, ऐसे में हर एक प्रदेशवासी को सावधान रहना होगा। कोविड बचाव संबंधी व्यवहार जैसे मास्क, सैनिटाइजेशन और दो गज की दूरी का पूरी कड़ाई के साथ पालन करना जरूरी है। थोड़ी सी लापरवाही बड़ी समस्या का कारक बन सकती है।उन्होने कहा कि संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण के लिए 01 जुलाई से प्रदेशव्यापी अभियान शुरू हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, फॉगिंग सैनिटाइजेशन के संबंध में जागरूकता बढ़ाये जाने की जरूरत है। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए सभी जरूरी तैयारियां कर ली जाएं।कोविड की तीसरी लहर की आशंका देखते हुए सभी जरूरी प्रयास यथाशीघ्र पूरी की जाए। पीकू/नीकू की स्थापना की कार्यवाही तेज हो। अब तक केवल मेडिकल कॉलेजों में पीडियाट्रिक आईसीयू बेड की संख्या 5900 से अधिक हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के अस्पतालों में भी पीकू/नीकू स्थापना की कार्यवाही जारी है। सभी ज़िलों में इस कार्य को शीर्ष प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण सबसे उत्तम सुरक्षा कवर है। प्रदेश में अब तक 03 करोड़ 04 लाख से अधिक वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में टीकाकरण केंद्रों पर लोगों का उत्साह सुखद है। बड़ी संख्या में लोग वैक्सीनेशन के लिए आ रहे हैं।

रामनाथ कोविद के सम्मान में राजभवन में हाई-टी एवं रात्रिभोज का आयोजन

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द के सम्मान में आज राजभवन में हाई-टी तथा रात्रिभोज का आयोजन किया।राजभवन सूत्रों के अनुसार इस मौके पर उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन0वी0 रमण, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, विधि एवं न्याय मंत्री ब्रजेश पाठक, उच्च न्यायालय इलाहाबाद के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मुनीश्वर नाथ भंडारी सहित अन्य वरिष्ठ इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों ने सपत्नीक सहभागिता की।इस अवसर पर समस्त न्यायाधीशों का राष्ट्रपति के साथ एक फोटो लिया गया। हाई-टी के दौरान राष्ट्रपति ने न्यायाधीशों का परिचय प्राप्त किया।इस मौके पर राज्यपाल ने राष्ट्रपति तथा उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को स्मृति चिन्ह भेंट किया।

सिलेंडरों की घटतौली में भाजपा नेता की एजेंसी के दो मैनेजर समेत पांच पर केस

लखनऊ ब्यूरो।उत्तर प्रदेश के बरेली में भाजपा के महानगर महामंत्री अधीर सक्सेना की श्री सिद्धि विनायक इंडेन गैस सर्विस एजेंसी के दो मैनेजर समेत पांच लोगों के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है । मुकदमें में एजेंसी मैनेजर दिनेश कुमार और राजेन्द्र ,वाहन चालक उपकार सक्सेना, हेल्पर अमर सिंह, डिलीवरी मैन सुबोध को नामजद किया गया है। गैस एजेंसी को भी आरोपी की श्रेणी में रखा गया है।

जिला पूर्ति अधिकारी सीमा त्रिपाठी ने आज कहा कि थाना बारादरी पुलिस ने शनिवार को फाइक इनक्लेव के मोइन खान की शिकायत पर शनिवार को श्री सिद्धिविनायक गैस सर्विस के सिलेंडरों में घटतौली पकड़ी थी। मैक्स गाड़ी में भरे सभी सिलेंडरों में ढाई से 4 किलो तक गैस कम थी।

डीएम नितीश कुमार के संज्ञान में आने पर श्री सिद्धि विनायक इंडेन गैस सर्विस एजेंसी के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू हुयी । डीएम ने जिला पूर्ति अधिकारी को नियम के मुताबिक कार्रवाई करने की हिदायत दी। इस बीच मामला लखनऊ तक पहुंच गया। शासन ने इस मामले में प्रशासन से जानकारी ली। रविवार देर रात आपूर्ति निरीक्षक ने श्री सिद्धि विनायक इंडेन गैस सर्विस के दो मैनेजर, हॉकर, हेल्पर और ड्राइवर के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत केस दर्ज कराने की तहरीर दी। जिसपर मुकदमा दर्ज हुआ।शनिवार को फाइक एंक्लेव कालोनी में मौके पर ही पुलिस ने गैस सिलेंडर भरी गाड़ी व चार कर्मचारियों को पकड़ा था। इसमें एक खुद को हॉकर बता रहा था। दूसरा श्री सिद्धि विनायक इंडेन गैस सर्विस का मैनेजर और तीसरा ड्राइवर था। एसपी सिटी रविंद्र कुमार ने बताया कि इस मामले में मौके पर मिलने वाले मैनेजर, ड्राइवर, हेल्पर और हॉकर को गिरफ्तार किया जाएगा।सिलेंडरों में शनिवार को घटतौली पकड़ी गई थी। आपूर्ति निरीक्षक के तहरीर पर रविवार देर रात थाना बारादरी में मुकदमा दर्ज हुआ है।

धर्म छुपा मुस्लिम युवक ने लड़की को भगाया

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में लव जिहाद का मामला सामने आया है जहां मुस्लिम युवक द्वारा अपना धर्म छिपाकर लड़की को भगा ले जाने का आरोप लगाते हुये परिवार ने पुलिस को तहरीर दी है।

परिवार की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने लड़की का मेडिकल कराया है।

पुलिस ने आज यहां कहा कि लड़की के पिता ने तहरीर में कहा है कि युवक उनके यहां काम करता था। युवक ने अपना नाम देशराज बताया था, जबकि उसका असली नाम अब्दुल वहाब है। अब्दुल खुद को हिंदू बताकर उसकी बेटी को भगा ले गया। परिजन ने आरोप लगाया कि आरोपी शादीशुदा है और उसका पांच साल का एक बेटा भी है।

परिवार के अनुसार आरोपी युवक पहले भी पर कई लड़कियों को अपना शिकार बना चुका है। उन्होंने युवक पर दबाव बनाकर लड़की के धर्मांतरण का भी आरोप लगाया। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच में एक मैरिज सर्टिफिकेट मिला है। जो अब्दुल वहाब के नाम है। लेकिन सर्टिफिकेट पर पत्नी का नाम सिमरन लिखा है।

ऐसे में सवाल उठ रहा है कि, क्या लड़की का नाम बदलवाकर उससे शादी की गई है।अपर पुलिस अधीक्षक डॉ. अवधेश सिंह ने बताया कि कुर्सी थाना क्षेत्र के अमरसंडा गांव के निवासी ने 22 साल लड़की को भगाकर शादी करने की शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी सहित लड़की को अभिरक्षा में ले लिया है। लड़की का मेडिकल कराया गया है।

सेल्फी लेने के चक्कर नदी में गिरी युवती को बचाने में देवरिया का युवक नदी में बहा

देवरिया, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के देवरिया सदर कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला एक युवक रविवार की शाम गोरखपुर के राजघाट क्षेत्र के रामघाट में राप्ती नदी तट पर सेल्फी लेने के चक्कर में गिरी अपने युवती मित्र को बचाने के चक्कर में नदी में बह गया।

पारिवारिक सूत्रों ने आज यहां बताया कि सदर कोतवाली क्षेत्र के देवरिया रामनाथ मुहल्ला निवासी अंकित पाण्डेय(24) शरह के सिविल लाईन में जिम चलाता था और वह रविवार को अपने चारपहिया वाहन से किसी कार्य से गोरखपुर गया था।बताया जाता है कि गोरखपुर में युवक ने देवरिया निवासी एक युवती जो वहीं किसी मेडिकल उपकरण बेचने वाली दुकान पर काम करती थी,को लेकर रामघाट में घूमने के लिये चला गया था और इस दौरान राप्ती तट पर सेल्फी लेने के दौरान डूब रही मित्र युवती को बचाने के चक्कर में वह पानी में बह गया।

तीन तस्कर गिरफ्तार 230 किलो गांजा, जेवरात व नकदी बरामद

लखनऊ ब्यूरो।उत्तर प्रदेश पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने अन्तर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के तीन सदस्यों को आज गोरखपुर के बड़हलगंज इलाके से गिरफ्तार कर लिया और उनके कब्जे एवं निशादेही पर दो कुन्तल 30 किलो गांजा ,सोना व चांदी के जेवरात और लाखों की नकदी आदि बरामद की है।

एसटीएफ प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने पर एसटीएफ की टीम ने गोरखपुर के बड़हलगंज इलाके से अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह के मिनी ट्रक सवार तीन सदस्यों इटावा निवासी मोहन यादव ,सुमित पाल और बलिया निवासी संतोष चौहान को बड़हलगंज इलाके में नेवादा ढ़ाबे के पास से गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि ट्रक और शिवम के घर में बने गोदाम से 02.30 क्विंटल गॉजा ,अनुमानित मूल्य लगभग 60 लाख रूपये के अलावा 440 ग्राम गोल्ड ज्वेलरी और 280 ग्राम सिल्वर ज्वेलरी के अलावा 2,41,110 रुपये की नकदी ,तीन मोबाइल और अन्य कागजात बरामद किए।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार तस्करों ने बताया कि बरामद गांजा गोरखपुर के कस्बा बड़हलगंज निवासी शिवम ने मंगाया था। उसने गोदाम अपने घर पर ही बना रखा है। शिवम के घर में बने गोदाम की तलाश लेने पर वहां से 90 किलो गांजा और सोने-चांदी के जेवरात और लाखों की नकदी बरामद की गई। उन्होंने बताया बरामद जेवरात गांजा बेचकर खरीद थे। पूछताछ पर गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि मिनी ट्रक नेहरूनगर गाजियाबाद निवासी सुरेन्द्र कुमार का है, जो गॉजे के कारोबार की मध्यस्थता का काम करता है, उसके कहने पर ही उदलगुड़ी आसाम के रौटा इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प कर गये थे और वहां दो स्थानीय लोगों ने उनके ट्रक में गॉजा लादा था। सुरेन्द्र कुमार के कहने पर ही पुलिस को चकमा देने के लिए एक पुरानी कार भी लादी गयी थी। गाड़ी मालिक के कहने पर ही शिवम को गॉजा की डिलीवरी देनी थी ,लेकिन उसके पहले ही एसटीएफ ने पकड़ लिया।

प्रवक्ता ने बताया कि इस सिलसिले में नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो लखनऊ द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बरेली में पंचायत का पैसला ,अभी गर्भपात करा दो , दोनों के बालिग होने पर करा देंगे शादी

लखनऊ ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के बरेली में एक किशोरी से उसका हम उम्र पड़ोसी शादी का झांसा देकर एक साल तक दुष्कर्म करता रहा। किशोरी के तीन महीने की गर्भवती होने पर मामला खुला तो बेटी के पिता ने आरोपी समेत नौ लोगों के खिलाफ फरीदपुर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी । रविवार को इस मामले को लेकर गांव में पंचायत बैठी। इसमें किशोरी के परिजन को उसका गर्भपात कराने फरमान सुनाया गया, और कहा गया कि अगर वे गर्भपात करा देंगे तो बालिग होने पर दोनों की शादी करा दी जाएगी।फरीदपुर के क्षेत्राधिकारी राजकुमार - मिश्र ने बताया कि गांव की पंचायत गैर क़ानूनी है। इस मामले में किसी कीमत पर समझौता नहीं हो सकता है। आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा। अगर कोई पंचायत पीड़ित पक्ष पर दबाव बनाएगा तो उस पर भी कार्रवाई होगी।

फरीदपुर क्षेत्र के एक गांव की 15 वर्षीय किशोरी को पड़ोसी युवक 16 ने शादी का झांसा देकर अपने जाल में फंसा लिया और एक साल तक दुष्कर्म करता रहा। परिजनों को किशोरी के तीन माह के गर्भ की जानकारी हुयी , तो किशोरी के परिजनों ने युवक के परिजनों से शिकायत की। युवक के परिजनों ने किशोरी के पिता को बहुत अपमानित किया , किशोरी पर अभद्र आरोप लगाए। दुखी होकर किशोरी के परिजन किशोरी को लेकर फरीदपुर थाने पहुंचे ,तो वहां एक दरोगा ने उनसे अभद्रता की।

धर्मांतरण मामले में एटीएस ने गिरफ्तार किए तीन और लोग,विदेशों से होती थी फंडिंग:प्रशांत

लखनऊ ब्यूरो।उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने धर्मांतरण मामले में तीन और लोगों को गिरफ्तार किया है।

राज्य के अपर पुलिस महानिदेशक (कानून व्यवस्था) प्रशांत कुमार ने आज यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मूक बधिरों की भाषा समझने और उन्हें अपनी भाषा में समझाने वाला इरफान मूक बधिरों को ऐसा ज्ञान देने लगा था, जिससे कुछ मूक बधिरों को अपने ही धर्म से नफरत होने लगी थी। उन्होंने बताया कि इरफान मूक बधिरों को इस्लाम का ज्ञान देता था और दूसरे धर्मो की बुराइयां करता था।

उन्होंने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में बाल कल्याण मंत्रालय का इंटरप्रेटेटर इरफान ख्वाजा खान और अपना धर्म परिवर्तन कर चुके दो मूक बधिर राहुल भोला और मन्नू यादव उर्फ अब्दुल मन्नान शामिल हैं। तीनों को दिल्ली व हरियाणा से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इरफान तरह-तरह के प्रलोभन देकर इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मूक बधिरों को तैयार करता था। उन्होंने कहा कि इनफान अपने इरादे में कामयाब होने पर दिल्ली के जामिया स्थित इस्लामिक दावा सेंटर जाकर उमर गौतम से मिलकर जहांगीर आलम से धर्मांतरण प्रमाण पत्र बनवाता था।

श्री कुमार ने बताया कि गिरफ्तार राहुल भोला जो खुद भी मूक बधिर है, वह इरफान के साथ मिलकर मूक बधिरों को धर्मांतरण के लिए प्रेरित करता था। जांच एजेंसियों का कहना है कि इरफान और राहुल ने मिलकर मन्नू यादव का धर्म परिवर्तन कराया और इन तीनों ने मिलकर आदित्य गुप्ता का धर्म परिवर्तन कराया।

उन्होंने बताया कि मन्नू यादव ने अपने घर के पूजा स्थल पर रखी मूर्ति को तोड़ दिया था और इस्लाम धर्म के प्रति अति कट्टर हो गया था। उन्होंने बताया कि इन तीनों को हिरासत में लेकर लंबी पूछताछ की गई। राहुल और मन्नू यादव की भाषा समझने के लिए एटीएस ने इंटरनप्रेटेटर की मदद ली।

श्री कुमार ने बताया पूछताछ पर यह भी पता चला है कि धर्मांतरण के तार फिलीपींस के घोषित आतंकी बिलाल फिलिप से जुड़े हैं। बिलाल दोहा, कतर में इस्लामिक आनलाइन युनिवर्सिटी चलाता है, जिसे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंधित किया जा चुका है। बिलाल को 2014 में गिरफ्तार भी किया जा चुका है। उमर के बिलाल से भी संबंध प्रकाश में आए हैं। उन्होंने बताया कि इस्लामिक दावा सेंटर के खातों में जनवरी 2010 से 14 जून 2021 के बीच एक करोड़ 82 लाख 83 हजार 910 रुपये जमा किए गए। इसमें काफी पैसे कैश में जमा किए गए।

उन्होंने बताया कि विदेशों से इन लोगों के खाते में चेक से भी पैसे आए और खाड़ी देशों कतर, रियाद, अबूधाबी और दुबई से लगभग 50 लाख रुपये जमा किए गए। उन्होंने बताया कि उमर गौतम फातिमा चैरिटेबल ट्रस्ट के नाम से संस्था बनाकर उसमें फंड मंगवाता था। इस ट्रस्ट का न तो कोई रजिस्ट्रेशन कराया गया है और न ही कभी आयकर रिटर्न दाखिल किया गया है। उसके परिवार के कई सदस्यों के खातों में भी विदेशों से पैसे आए हैं। उन्होंने बताया कि खाते में नकद लेन-देन में हवाला से भी तार जुड़े होने की भी जानकारी मिली है। इस मामले में केंद्रीय जांच एजेंसियों की भी मदद जी जा रही हैं।

श्री कुमार ने बताया कि यह बड़ा मामला है और एटीएस प्रदेश के 32 जिलों में छानबीन कर रही है। इसमें 27 जिलों के पुलिस अधीक्षकों को पत्र लिखकर संबंधित जिले के लिए मिले जानकारी को सत्यापित कराया जा रहा है जबकि कुछ जिलों में एटीएस खुद छानबीन कर रही है। जिन जिलों में एटीएस और पुलिस छानबीन कर रही है उसमें अलीगढ, आजमगढ़, आगरा, वाराणसी, कानपुर, बिजनौर, मेरठ, सहारनपुर, नोएडा, गाजियाबाद और बुलदशहर जैसे बड़े जिले शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि एटीएस द्वारा रिमांड पर लिये गये उमर गौतम असम के मरकज-उल-मारिफ नाम की संस्था के साथ काम कर चुका है। यह संगठन बांग्लादेशी और और अन्य नागरिकों के लिए काम करता है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2010 में उमर दिल्ली आ गया था और वहां उसने इस्लामिक दावा सेंटर नाम की संस्था खोल ली। असम की संस्था के खातों से भी उमर की संस्था के खातों में पैसों का लेन देन हुआ है। मरकज-उल-मारिफ नाम की संस्था के खिलाफ 2020 में दिसपुर और फेमा और फेरा में मुकदमे दर्ज किए गए हैं।

गौरतलब है कि राज्य सरकार धर्मांतरण को लेकर गंभीर है। आरोपियों पर रासुका लगाने के साथ उनकी सम्पत्ति जब्त करने पर भी विचार कर रही है।

दो युवकों ने कर ली आत्महत्या

मुजफ्फरनगर, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर शहर में आज एक युवक ने तमंचे से गोली मारकर जबकि दूसरे ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

पुलिस उपाधीक्षक हिमांशु गौरव ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मोहल्ला गांधी नगर निवासी कन्हैया के 38 वर्षीय पुत्र निखिल उर्फ़ बन्टी ने चमंचे से खुद को तमंचे से गोली मार ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया कि मौके से तमंचा और कारतूस बरामद किया गया है । परिजनों के अनुसार युवक काफी समय से तनाव में था और इसी कारण उन्हें यह कदम उठाया।उन्होंने बताया कि नई मंडी कोतवाली इलाके के कुकड़ा में सोमवार को दिन निकलते ही 26 वर्षीय दीपक ने अपनी बुआ के घर फांसी लगा ली,जिससे उसकी मृत्यु हो गई। उन्होंने बताया सिखेडा निवासी दीपक अपनी बुआ के घर आया हुआ था। आत्महत्या के कारण का पता नहीं चल सका । पुलिस छानबीन कर रही है।

भोपा इलाके में युवक की संदिग्ध परिस्थितियों मौत

मुजफ्फरनगर, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर के भोपा इलाके में एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई,जिसका शव जंगल में पड़ा मिला।

पुलिस सूत्रों ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अलीपुर तिस्सा के जंगल आज एक युवक का शव पड़ा होने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। उसके सिर में गोली लगी है और हाथ में तमंचा मिलने के कारण मामला संदिग्ध प्रतित हो रहा है।

उन्होंने बताया कि युवक की शिनाख्त अलीपुर तिस्सा निवासी संजय के रूप में हुई। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गोण्डा के तरबगंज इलाके से 50 हजार का इनामी वांछित गिरफ्तार

गोण्डा, ब्यूरो।उत्तर प्रदेश की गोण्डा जिला पुलिस ने तरबगंज इलाके से फरार चल रहे 50 हजार रूपये के इनामी वांछित बदमाश को गिरफ्तार कर आज जेल भेज दिया।

पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तरबगंज पुलिस और क्राइम ब्रान्च की टीम ने संयुक्त रुप से कार्रवाई करते हुए इनामी फरार बदमाश भारत को आज गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से तमंचा और कारतूस बरामद किए।

उन्होंने बताया कि बनगांव डीहा निवासी गिरफ्तार बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है, इसके विरूद्ध गोण्डा के विभिन्न थानो में हत्या, लूट, गुण्डा एक्ट, आर्म्स एक्ट आदि के 16 मामले पंजीकृत है। गिरफ्तार बदमाश थाना तरबगंज पर दर्ज हत्या आदि के मामले में वांछित चल रहा था, जिसकी गिरफ्तारी पर परिक्षेत्र स्तर से 50 हजार रूपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तार बदमाश को जेल भेज दिया।

लखनऊ में यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले 224 लोगों का चालान

लखनऊ, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले 224 लोगों का सोमवार को ई-चालान किया।पुलिस प्रवक्ता ने आज शाम यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यातायात पुलिस ने विभिन्न चौराहो एवं तिराहो पर दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट,तीन सवारी, बिना नम्बर वाहन और ओवर स्पीड आदि के सम्बन्ध में चेकिंग की गई।इस दौरान प्रवर्तन टीमों ने दो पहिया वाहन पर हेलमेट न/न लगाने वाले 138 ,तीन सवारी बैठाने पर 07 लोगों का,नो-पार्किंग में किए गए चालान 75 जबकि गलत दिशा में चलने वाले 20 लोगों का चालान किया। चार पहिया वाहन पर सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले 18 लोगों का चालान किया गया। इसके अलावा अन्य मामलो में 30 से अधिक लोगों के चालान किए गये ।प्रवक्ता ने बताया कि इस दौरान पुलिस ने जुर्माने के तौर पर तीन लाख 75 हजार 500 रुपये शमन शुल्क के रुप में वसूले गये।

पुलिस ने दो गैंगेस्टरों की 35 लाख की संपत्ति की कुर्क

जौनपुर ब्यूरो। उत्तर प्रदेश में जौनपुर के चंदवक थाने की पुलिस ने दो शातिर बदमाशो के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगेस्टर एक्ट के तहत 35 लाख रूपये की सम्पत्ति को कुर्क कर लिया है।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर डॉ0 संजय कुमार ने यह जानकारी देते हुए कहा कि जिले में चंदवक थाने की पुलिस ने हत्यारोपी सुमित यादव और सनी सिंह विरुद्ध गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की । उन्होंने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा का आदेश मिलते ही दोनों आरोपियों द्वारा अवैध रूप से अर्जित पैसे से बनवाए गए मकान को कुर्क कर लिया गया ।

योगी सरकार अपराधियों की कमर तोड़ने के लिए लगातार बदमाशो के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है । जुर्म की दुनियां के बादशाहों को जेल भेजा जा रहा है तथा अपराध द्वारा अर्जित की गयी चल अचल सम्पत्ति को जब्त किया जा रहा है।

बस पिकप टक्कर में चार की मौत,18 घायल

मुरादाबाद, ब्यूरो।उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में नेशनल हाईवे बाईपास पर गुन्नौर माफी के समीप पुलिस चैकिंग के दौरान सोमवार सुबह हुये भीषण हादसे में हिमाचल से मजदूरों को लेकर बरेली जा रही डबल डेकर बस और पंजाब से पीलीभीत जा रही पिकप की टक्कर में एक सिपाही समेत चार लोगों की मौके पर मौत हो गई।दुर्घटना में 18 लोग घायल हो गए जिनमें दो की हालत गंभीर है। घायलों को सरकारी अस्पताल भिजवाया गया है।वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पवन कुमार ने सोमवार को बताया कि दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे-9 बाईपास पर सफेद रंग की इनोवा कार में सवार छह पुलिस कर्मी पिकप समेत वाहनों के कागज चेक कर रहे थे । दिल्ली की ओर से एक डबल डेकर बस पिकप से टकरा कर अनियंत्रित होकर पलट गई।जिसमें उत्तर प्रदेश ट्रैफिक पुलिस के सिपाही बृजकिशोर तथा पिकअप में सवार तेजप्रताप आशीष ,सुरेश तथा नन्हे की मौके पर मृत्यु हो गई जबकि 18 यात्री घायल हो गए।घायलों को दीनदयाल उपाध्याय संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है।अस्पताल के चिकित्साधिकारी डा.राजेंद्र सिंह ने बताया कि घायलों में से दो की हालत गंभीर होने पर उन्हें कासमास अस्पताल में रैफर कर दिया गया है।बताते हैं कि पिकप को ट्रैफिक पुलिस ने बीच में अचानक रोका जिससे पीछे आ रही बस का ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद बस पिकप से जा टकराई। हादसे के बाद ट्रैफिक पुलिस वाले मौके से भाग गए। सोमवार तडके से ही इनोवा में सवार छह पुलिसकर्मियों की टीम जीरो प्वाइंट, गुन्नौर माफी के पास वाहनों की चैकिंग की जा रही थी।

पुलिस ने किए दो इनामी वांछित बदमाश गिरफ्तार

अमरोहा, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश की अमरोहा जिला पुलिस ने आज मंडी धनौरा इलाके से वांछित चल रहे 15-15 हजार रूपये के दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया।पुलिस प्रवक्ता ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि थाना मंडी धनौरा पुलिस ने सूचना के आधार पर पीतम स्कूल के पास से दो इनामी बदमाशों सत्तार और रहजीन को गिरफ्तार किया । गिरफ्तार बदमाशों के कब्जे से लूट के पैसो से खरीदी गई दो घड़ी आदि बरामद की गई।उन्होंने बताया कि गिरफ्तार बदमाश मुरादाबाद जिले के रहने वाले हैं। दोनों थाना मंडी धनौरा पर दर्ज मामले में वांछित चल रहे थे, जिनकी गिरफ्तारी पर 15-15 हजार रूपये का इनाम घोषित था।

दो तस्कर गिरफ्तार,ढ़ाई करोड़ का सोना बरामद

चंदौली, ब्यूरो। उत्तर प्रदेश के चंदौली जंक्शन पर आज रेलवे पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से छह किलो 600 ग्राम सोना बरामद किया, जिसकी कीमत ढ़ाई करोड़ से अधिक आंकी गई हे।जीआरपी प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने यहां यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिली कि दो तस्कर ट्रेन से सोना लेकर पश्चिमी बंगाल से दिल्ली जा रहे हैं।

संपादकीय

महान क्रिकेटर थे लाला अमरनाथ

राकेश थपलियाल, वरिष्ठ खेल पत्रकार

आज टेस्ट क्रिकेट में 12वां खिलाड़ी बल्लेबाजी कर सकता है. क्रिकेट की शीर्षस्थ नियामक एवं संचालन संस्था इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आइसीसी) ने वैश्विक स्तर पर फैले कोविड-19 महामारी के कारण अंतरिम तौर पर इसकी अनुमति दी है. कुछ वर्ष पूर्व प्रयोग के तौर पर एकदिवसीय क्रिकेट में भी 12वें खिलाड़ी को बल्लेबाजी करने की छूट दी गयी थी. वैसे इस परंपरा की शुरुआत करने का श्रेय दिल्लीवासी भारत के पूर्व कप्तान और अपने समय के सबसे विवादास्पद क्रिकेटर लाला अमरनाथ को जाता है.उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी के पहाड़गंज इलाके में अपने घर से कुछ मीटर की दूरी पर स्थित करनैल सिंह स्टेडियम में 1960 में खेले गये प्रथम ईरानी कप मैच में 12वें खिलाड़ी से बल्लेबाजी करा दी थी. प्रथम श्रेणी के क्रिकेट में ऐसा पहली बार हुआ था.आज लाला अमरनाथ की 20वीं पुण्यतिथि है. दिल्ली में पांच अगस्त, 2000 को 88 वर्ष की उम्र में उनका निधन हुआ था. पंजाब के कपूरथला में 11 सितंबर, 1911 को जन्मे तथा लाहौर में पले-बढ़े नानिक अमरनाथ भरद्वाज क्रिकेट में लाला अमरनाथ के नाम से मशहूर हुए. भारत की ओर से टेस्ट क्रिकेट में पहला शतक बनानेवाले इस महान खिलाड़ी ने स्वतंत्र भारत की पहली टेस्ट क्रिकेट टीम की कप्तानी भी संभाली थी और 1952 के पहले टेस्ट सीरीज में पाकिस्तान के विरुद्ध जीत भी हासिल की थी.साल 1960 में 18 से 20 मार्च तक खेले गये प्रथम ईरानी कप क्रिकेट मैच में लाला ने रेस्ट ऑफइंडिया टीम की तरफसे रणजी चौंपियन बंबई के खिलाफ '12वें खिलाड़ी' दिल्ली के क्रिकेटर प्रेम भाटिया से बल्लेबाजी करवा दी थी. तब बंबई के कप्तान पॉली उमरीगर थे और रेस्ट ऑफइंडिया के कप्तान लाला अमरनाथ थे. लाला जी तब राष्ट्रीय चयन समिति के अध्यक्ष भी थे. साठ वर्ष पुरानी यह घटना प्रथम श्रेणी के क्रिकेट का अनूठा इतिहास है.इस घटना के साक्षात गवाह रहे जाने-माने खेल पत्रकार स्वर्गीय कमलेश थपलियाल ने बताया था, 'जब प्रेम भाटिया बल्लेबाजी के लिए उतरे, तो सभी हैरान रह गये और पॉली उमरीगर उन्हें पिच से पवेलियन की तरफवाली बाउंड्री तक लेकर गये और उन्होंने लाला जी से पूछा, 'स्कीपर, डू यू वांट हिम टू बैट?' (कप्तान, क्या आप इस खिलाड़ी से बल्लेबाजी कराना चाहते हैं?) इस पर लाला जी ने कहा, 'यस, ही विल बैट इन माइ प्लेस' (हां, वह मेरी जगह पर बल्लेबाजी करेगा). इस 'आदेश' के बाद उमरीगर और मैच के अंपायर भी कुछ नहीं बोल सके.इस दिलचस्प घटना से जुड़े अहम किरदार दिल्ली के पूर्व रणजी खिलाड़ी लगभग 80 वर्ष के प्रेम भाटिया ने बताया, 'ईरानी कप का नाम सुनते ही मेरी आंखों के आगे वह मंजर घूम जाता है. हालांकि इतनी पुरानी घटना को याद रखना आसान नहीं होता है. लोग कुछ भी कहें, मैं इसे लाला जी की दूरंदेशी ही मानता हूं. उन्होंने जो प्रयोग उस समय किया था, उसे कुछ वर्ष पूर्व एक दिवसीय मैचों में आइसीसी ने भी प्रयोग के तौर पर अपनाया था।'क्या यह सब पहले से तय था? इस पर प्रेम भाटिया ने कहा, 'नहीं, मैच के दौरान लाला जी के पैर में चोट लग गयी थी और उन्होंने अचानक ही मुझे बल्लेबाजी करने का फरमान सुनाया था. इससे मैं भी आश्चर्यचकित रह गया था. मैं उस समय 20 वर्ष का कॉलेज का छात्र था और मेरे लिए यह एक अद्भुत क्षण था.' इस मैच में भाटिया ने पहली पारी में नौवें पायदान पर उतर कर 22 और दूसरी पारी में तीसरे पायदान पर उतर कर 50 रन बनाये थे.लाला अमरनाथ ने 1933-34 में भारत दौरे पर आयी इंग्लैंड की टीम के खिलाफ बंबई में खेले गये भारत की धरती के इस पहले टेस्ट में पदार्पण कर दूसरी पारी में 118 रन बना कर भारत की तरफसे टेस्ट क्रिकेट में पहला शतक ठोकने का अनूठा गौरव हासिल किया था. कुछ समय बाद 1936 में महाराज कुमार ऑफ विजयनगरम 'विज्जी' की कप्तानी में भारतीय टीम इंग्लैंड के दौरे पर गयी थी।

दृष्टिकोण

जहरीली जीएम फसलों पर जरूरी है, नियंत्रण

भारत डोगरा

यदि कोई अवैध कार्रवाई हो रही हो तो सरकार का कर्तव्य है कि इस पर तुरंत रोक लगाए। पर हाल में कुछ लोगों ने कहा है कि सरकार कानून ही इस तरह बदल दे कि जो अवैध है वह वैध नजर आने लगे। यह अजीब स्थिति श्जीएमश् (जेनेटिकली मोडीफाईड या जीन-संवर्धित) फसलों के संदर्भ में देखने में आई है। अनेक प्रतिष्ठित वैज्ञानिक बार-बार चेतावनी दे चुके हैं कि स्वास्थ्य, पर्यावरण, जैव-विविधता, कृषि व खाद्य-व्यवस्था के लिए जीएम फसलें बहुत खतरनाक हैं। इसके बावजूद श्जीएमश् बीजों व इनसे जुड़ी रासायनिक दवाओं को बढ़ाने वाली कंपनियां अपने उत्पादों की बिक्री को तेजी से बढ़ाने के लिए इनका प्रचार-प्रसार करती रही हैं व अपनी अपार धन-दौलत के बल पर उन्होंने अपने अनेक समर्थक उत्पन्न कर लिए हैं। हाल में इन लोगों ने सरकार को विचित्र सलाह देते हुए कहा है कि कुछ जीएम फसलों को अवैध रूप से भारत के खेतों में फैलाया जा रहा है जिसे रोकने के लिए सरकार को चाहिए कि वह इन जीएम फसलों को वैधता दे दे। यह अजीब तर्क है कि किसी अवैधता को रोकने के लिए उस अवैधता को वैध कर दो, पर जीएम फसलों का सारा ताना-बाना ही इस तरह के मिथ्या व भ्रामक प्रचार के बल पर खड़ा हुआ है। जीएम फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार यह रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका यह असर जेनेटिक प्रदूषण के माध्यम से अन्य सामान्य फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साईंस पैनल (स्वतंत्र विज्ञान मंच) ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्रित हुए अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने श्जीएमश् फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया है। इसके निष्कर्ष में उन्होंने कहा है जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं व ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं उपस्थित कर रही हैं। अब इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता। अतः जीएम फसलों व गैर-जीएम फसलों का सह-अस्तित्व नहीं हो सकता है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीएम फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत ऐसे पर्याप्त प्रमाण मिल चुके हैं जिनसे इन फसलों की सुरक्षा संबंधी

गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। जीएम फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए। इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष कई वैज्ञानिकों ने यह बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा व गंभीर दुष्परिणाम सामने आने पर भी हम इनकी क्षति-पूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु-प्रदूषण व जल-प्रदूषण की गंभीरता पता चलने पर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक-प्रदूषण एक बार पर्यावरण में चले जाने पर हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया है या उनका अनुसंधान बाधित किया गया है, क्योंकि उनके अनुसंधान से जीएम फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से जीएम फसलों के गंभीर खतरों को बताने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक जेनेटिक रुलेट् (जुआ) के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार-संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। जीएम फसल या उत्पाद खाने वाले पशु-पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है। हाल ही में देश के जीनेटिक साइंस के महान वैज्ञानिक प्रोफेसर पुष्प भार्गव का निधन हुआ है। वे श्सेण्टर फॉर सेल्यूलर एंड मॉलीक्यूलर बॉयोलाजी, हैदराबाद के संस्थापक निदेशक व नेशनल नॉलेज कमीशन के उपाध्यक्ष रहे थे। उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियां बहुचर्चित रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने प्रो. पुष्प भार्गव को जेनेटिक इंजीनियरिंग एप्रूवल कमेटी (जीईएसी) के कार्य पर निगरानी रखने के लिए नियुक्त किया था। प्रो. पुष्प भार्गव ने बहुत प्रखरता से जीएम फसलों का बहुत स्पष्ट और तथ्य आधारित विरोध किया था। अंग्रेजी दैनिक हिंदुस्तान टाईम्स के अपने लेख में प्रो. भार्गव ने लिखा था कि लगभग 500 अनुसंधान प्रकाशनों ने जीएम फसलों के मनुष्यों, अन्य जीव-जंतुओं व पौधों के स्वास्थ्य पर हानिकारक असर को स्थापित किया है। ये सभी प्रकाशन ऐसे वैज्ञानिकों के हैं जिनकी ईमानदारी के बारे में कभी, कोई सवाल नहीं उठा है। प्रो. भार्गव ने आगे लिखा कि दूसरी ओर श्जीएमश् फसलों का समर्थन करने वाले लगभग सभी पेपर या प्रकाशन उन वैज्ञानिकों के हैं जिन्होंने कॉन्फ्लिओक्ट ऑफ इंटरेस्ट स्वीकार किया है या जिनकी विश्वसनीयता व ईमानदारी के बारे में सवाल उठ सकते हैं। जीएम फसलों के समर्थक प्रायः कहते हैं कि इनको वैज्ञानिकों का समर्थन मिला है, पर प्रो. भार्गव ने इस विषय पर समस्त अनुसंधानों का आंकलन कर स्पष्ट बता दिया था कि अधिकतम निष्पक्ष वैज्ञानिकों ने जीएम फसलों का विरोध ही किया है। साथ में उन्होंने यह भी बताया था कि जिन वैज्ञानिकों ने श्जीएमश् को समर्थन दिया है उनमें से अनेक किसी-न-किसी स्तर पर जीएम बीज बेचने वाली कंपनियों या इस तरह के निहित स्वार्थों से किसी-न-किसी रूप में जुड़े या प्रभावित रहे हैं। कुछ जीएम फसलों के साथ खतरनाक खरपतवार-नाशकों को जोड़ दिया गया है। ऐसा श्ग्लाईफोसेटश् नामक एक खरपतवार-नाशक स्वास्थ्य के लिए बहुत खतरनाक पाया गया है। हाल ही में कैलिफोर्निया (अमरीका) की एक अदालत ने अपने महत्वापूर्ण निर्णय में एक बहुराष्ट्रीय कंपनी को जानसन नामक व्यक्ति को बहुत अधिक क्षतिपूर्ति राशि देने को कहा है। यह कंपनी श्ग्लाईफोसेटश् नामक खतरनाक रसायन बनाती है। जानसन का कार्य स्कूलों के मैदानों की देख-रेख था। उसने इन खरपतवार-नाशकों का छिड़काव वर्षों तक किया जिससे उसे रक्त-कोशिका का एक ऐसा गंभीर कैंसर हो गया था जिसे श्नॉन-हाजकिन लिंफोमाश् कहा जाता है। इस मुकदमे के दौरान यह भी देखा गया कि इस खरपतवार-नाशक को किसी-न-किसी तरह सुरक्षित सिद्ध कर पाने के लिए कंपनी ने स्वयं तथ्य गढ़े और फिर किसी विशेषज्ञ का नाम उससे जोड़ दिया। यह इसके बावजूद किया गया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की कैंसर से जुडी अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान एजेंसी (आईएआरसी) ने वर्ष 2015 में ही इस खरपतवार-नाशक से होने वाले कैंसर की संभावना के बारे में बता दिया था। भारत में भी इसका उपयोग होता है। ग्लाईफोसेट का उपयोग जीएम फसलों के साथ नजदीकी से जुड़ा रहा है और इसके गंभीर खतरों के सामने आने से जीएम फसलों से जुड़े खतरों की पुष्टि होती है। विशालकाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां, जैसे-श्मानसेंटोश् व श्बेयरश् (जो बहुत बड़े सौदे के बाद एक हो गई हैं) बीज और कृषि रसायनों के व्यवसाय को साथ-साथ कर रही हैं व कई फसलों (विशेषकर जीएम फसलों) के बीजों के साथ ही उनके लिए उपयुक्त खरपतवार-नाशकों, कीटनाशकों आदि को भी बेचा जाता है। इससे कंपनियों की कमाई बहुत तेजी से बढ़ती है और किसानों का खर्च और कर्ज उससे भी तेजी से बढ़ते हैं। वकीलों जिस टीम ने जानसन की ओर से मुकदमा लड़ा था उनमें एडवर्ड केनेडी भी थे जिनके इसी नाम के विख्यात सीनेटर पिता थे। एडवर्ड केनेडी ने मुकदमे में जीत के बाद कहा कि इस तरह के उत्पादों की बिक्री के कारण न केवल बहुत से लोग गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं से त्रस्त हो रहे हैं, अपितु अनेक अधिकारियों को भ्रष्ट बनाया जा रहा है, प्रदूषण से बचाने वाली एजेंसियों पर नियंत्रण किया जा रहा है व विज्ञान को झुठलाया जा रहा है। अमेरिका की माताएं (मॉम्स् एक्रॉस अमेरिका) की संस्थापक जेन हनीकट ने अदालत के इस निर्णय का स्वागत करते हुए मानवता के लिए व धरती पर पनप रहे सभी तरह के जीवन के लिए इसे एक जीत बताया। फ्रांस के पर्यावरण मंत्री ब्रूने पायरसन ने इस ऐतिहासिक निर्णय का स्वागत किया। भारत सहित सभी देशों को श्जीएमश् फसलों, रासायनिक खरपतवार-नाशकों, जंतुनाशकों व कीटनाशकों के स्वास्थ्य व पर्यावरण पर दुष्परिणामों के बारे में व्यापक जन-चेतना का अभियान चलाना चाहिए, जिससे इनके बारे में सही व प्रामाणिक जानकारी किसानों व आम लोगों तक पंहुच सके। कृषि व खाद्य क्षेत्र में जेनेटिक इंजीनियरिंग की टैक्नॉलॉजी मात्र चंद बहुराष्ट्रीय कंपनियों (व उनकी सहयोगी या उप-कंपनियों) के हाथ में केंद्रित है। इनका उद्देश्य श्जेनेटिक इंजीनियरिंगश् के माध्यम से दुनियाभर की कृषि व खाद्य व्यवस्था पर ऐसा नियंत्रण स्थापित करना है जैसा विश्व इतिहास में आज तक संभव नहीं हुआ। इन तथ्यों व जानकारियों को ध्यान में रखते हुए सभी जीएम फसलों का विरोध जरूरी है। इसके साथ अवैध ढंग से हमारे देश में जिन जीएम खाद्य उत्पादों का आयात होता रहा है, उस पर रोक लगाना भी जरूरी है। महात्मा गांधी की परिकल्पना का रामराज्य स्थापित हो!

महात्मा गांधी की परिकल्पना का रामराज्य स्थापित हो!

5 अगस्त, 2020 को सिर्फइसलिए ऐतिहासिक दिन नहीं कहा जाएगा क्योंकि अयोध्या में भगवान श्रीराम का बहुप्रतीक्षित मंदिर बनने की शुरुआत हो रही है। भारत के विशाल प्रांगण में सभी तरह की धार्मिक आस्थाओं के आराधना स्थलों के लिए पर्याप्त जगह और उसकी चिंतन प्रणाली के लिए भरपूर सम्मान रहा है। अलबत्ता राम मंदिर का शिलान्यास जिन परिस्थितियों तथा तरीकों से हो रहा है वह आने वाले समय में राजनैतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक स्तरों पर बहसों के नये-नये रास्ते तो खोलेगा ही, यह भी देखना होगा कि क्या देश गांधीजी के रामराज्य की स्थापना की ओर कदम बढ़ायेगा जिसका दावा हर राजनैतिक दल और शासन प्रमुख करते आए हैं। राम मंदिर को लेकर पिछले लगभग 500 वर्षों से मजहबी संघर्ष का इतिहास रहा है। साथ ही गुजरात के सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण एक नजीर के रूप में हमारे सामने मौजूद है। यह मंदिर विदेशी आक्रांताओं के द्वारा नष्ट किया गया था जिसके पुनर्निर्माण में देश के पहले गृह मंत्री वल्लभभाई पटेल ने अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि जब तक वह बना, पटेल दुनिया से जा चुके थे। मंदिर निर्माण की खास बात यह थी कि उसमें कोई सरकारी मदद नहीं ली गई थी और उसका भूमिपूजन व लोकार्पण तत्कालीन प्रधानमंत्री नहीं बल्कि राष्ट्रपति ने किया था जो देश की सांस्कृतिक विविधता के प्रतिनिधि होते हैं। बेहद धार्मिक गांधीजी उसमें शासकीय आर्थिक मदद और संलग्नता के खिलाफथे। इसलिए तब के प्रधानमंत्री ने इसमें शिरकत नहीं की थी। इसके विपरीत अयोध्या के राम मंदिर का शिलान्यास हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री कर रहे हैं। गांधी राजनीति को धर्म और आध्यात्म के मूलभूत व नैतिक तत्वों के आधार पर संचालित करना चाहते थे, पर अब राजनीति धर्म का सीधा-सीधा उपयोग करती है। लगभग 30 साल पहले प्रारंभ हुआ राम जन्मभूमि आंदोलन अपनी पूर्णता पर तो पहुंच गया है परंतु यह तय है कि इसका राजनैतिक लाभ लिया जाता रहेगा। क्या ही अच्छा होता कि परंपराओं के मुताबिक इसका भूमिपूजन हमारे उतने ही सम्मानित राष्ट्रपति करते जो हमारी विविधता के प्रतिनिधि तो हैं ही, दलित नेता भी हैं। इससे सामाजिक एकीकरण और सौहार्द्रता को भी बल मिलता। आखिरकार राम सामाजिक समन्वय के सबसे बड़े राजदूत ही तो थे। गांधीजी मूलतः एक धर्मप्राण व्यक्ति थे जो धर्म को मानव के जीवन और मानव समाज का बुनियादी तत्व मानते थे। उनका विश्वास था कि धर्म के अभाव में मनुष्य और समाज दोनों ही शून्य और निष्प्राण हो जाएंगे। इसीलिये गांधीजी के प्रत्येक काम और प्रत्येक शब्द की मूल प्रेरणा धर्म ही था। गांधीजी ने अपने धार्मिक विश्वासों और अपनी प्रेरक शक्ति के बारे में कहा है-जब से मैंने सार्वजनिक जीवन को जाना है, मेरे प्रत्येक कार्य और शब्द के

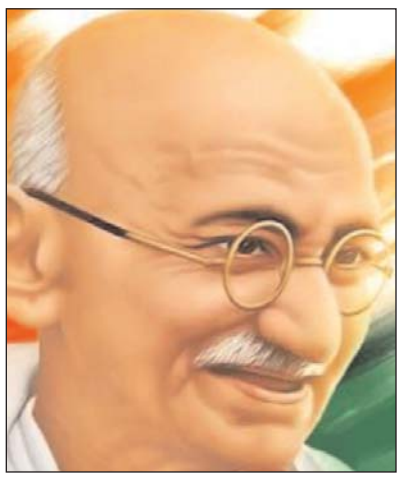

मूल में पूर्णतरू धार्मिक भावना रहती है। वैसे गांधीजी का धर्म से अभिप्राय संकीर्ण, औपचारिक और साम्प्रदायिक विश्वासों से नहीं था। इसे वे स्पष्ट करते हैं-धर्म से मेरा अभिप्राय औपचारिक या रूढ़िगत धर्म से नहीं है, वरन उस धर्म से है, जो सब धर्मों की बुनियाद है। धर्म का अर्थ-सम्प्रदायवाद नहीं है। यह विश्व के व्यवस्थित नैतिक शासन में विश्वास है। यह हिन्दुत्व, इस्लाम, ईसाइयत आदि से परे है। यह मानव समाज का शाश्वत तत्व है, जो अपनी सम्पूर्ण अभिव्यक्ति के लिए कोई भी मूल्य चुकाने के लिए तैयार रहता है। राष्ट्रकवि रामधारी सिंह दिनकर ने अपनी प्रसिद्ध किताब श्संस्कृति के चार अध्यायश् में महात्मा गांधी के धर्म संबंधी विचारों की विस्तार से व्याख्या की है। वे बतलाते हैं कि स्वयं गांधीजी कहते थे- श्मेरा उद्देश्य धार्मिक है, किन्तु मानवता से एकाकार हुए बिना मैं धर्म-पालन का मार्ग नहीं देखता। इसी कार्य के लिए मैंने राजनीति का क्षेत्र चुना है, क्योंकि इस क्षेत्र में मनुष्यों से एकाकार होने की सम्भावना है। मनुष्य की सारी चेष्टाएं, उसकी सारी प्रवृत्तियां एक हैं। समाज और राजनीति से धर्म अलग रखा जाए, यह सम्भव नहीं है। मनुष्य में जो क्रियाशीलता है, वही उसका धर्म भी है। जो धर्म मनुष्य के दैनिक कार्यों से अलग होता है, उससे मेरा परिचय नहीं है। कहना न होगा कि आज हमारी राजनीति धार्मिक होने का सर्वाधिक दिखावा करती है लेकिन वही सर्वाधिक अमानवीय है।

दिनकर आगे लिखते हैं-जीवन और समाज के धार्मिक तथा धर्म-निरपेक्ष (सेक्युलर) तत्वों के बीच बहुत दिनों से विभाजक रेखा चली आ रही थी। गांधीजी ने इस रेखा को मिटा दिया। कबीर ने जैसे सहज मार्ग का आख्यान करते हुए कहा था, श्जहं-जहं डोलूं सो परिचर्या, जो-जो करूं सो पूजा, उसी प्रकार, गांधीजी ने अपने आचरण से सिद्ध कर दिया कि धर्म किसी खास दिन, किसी लग्न-विशेष का कृत्य नहीं है, प्रत्युत, वह मनुष्य के प्रत्येक कार्य में विद्यमान रह सकता है। यहां तक कि राजनीति भी धर्म की अभिव्यक्ति का उपयुक्त माध्यम हो सकती है। जीवन धर्म से वियुक्त होने पर नीचे गिर जाता है और जब धर्म से उसका मेल होता है, वह ऊपर को उठने लगता है। अतएव, गांधीजी जीवन के धार्मिक और धर्म-निरपेक्ष तत्वों के बीच कोई भेद रहने नहीं देना चाहते थे। महात्मा गांधी धर्म और नैतिकता को एक ही जैसा स्वीकार करते थे। उसका मानना था कि व्यक्ति के सभी कार्यों को नैतिक आधार प्रदान करने का काम धर्म ही करता है जिसके अभाव में जीवन निरर्थक है। ऐसे ही ईश्वर के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा सर्वविदित है लेकिन उनकी ईश्वर की अवधारणा अलग थी। वे स्वयं लिखते हैं-मेरी दृष्टि में ईश्वर परम सत्य एवं प्रेम हैय ईश्वर नीति एवं सदाचार हैय ईश्वर निर्भीक हैय ईश्वर प्रकाश एवं जीवन का स्त्रोत हैय और इस सबसे परे एवं ऊपर भी है। ईश्वर अन्तरूकरण है। बापू सत्य और ईश्वर के बीच कोई भेद वे नहीं मानते थे परंतु यह कहने की बजाय कि श्ईश्वर सत्य हैश, वे कहते थे श्सत्य ही ईश्वर है। बापू का राम उसी सत्य का प्रतिनिधि भी है। इसीलिये महात्मा गांधी जिन लोगों से बेहद प्रभावित रहे थे उनमें से एक रूस के प्रसिद्ध मानवतावादी लेखक लियो टॉलस्टॉय थे। उनकी एक किताब श्दी किंगडम ऑफ गॉड इज विदिन यूश् को पढ़कर गांधीजी में अभूतपूर्व परिवर्तन आया था। इसे पढ़ने के बाद गांधीजी आश्वस्त हो गए थे कि प्रत्येक मनुष्य में ईश्वर के साम्राज्य का विस्तार होता है। ईश्वर को अपने हृदय में बसाने की प्रक्रिया के अंतर्गत उन्होंने सत्य को स्थापित किया था। आज गांधी और राम को पूजने का ढोंग करने वाले स्वयं को टटोलें कि वे ईश्वर के उपासक होने का दावा तो कर रहे हैं लेकिन क्या उनके दिल में वाकई सत्य बसता है? क्या वे सदाचार और प्रेम के करीब भी हैं? गांधी बेहद मौलिक और नैतिक रूप से शुद्धतम हिंदू थे। आचार्य जे बी कृपलानी ने अपने एक लेख में कहा है कि हालांकि वे (गांधी) शायद ही कभी मंदिर जाते हों लेकिन उनसे बड़ा कोई हिंदू नहीं। वे धार्मिक आडम्बरों और प्रपंचों के पूरी तरह खिलाफ थे। वे अप्रैल 1915 में हरिद्वार के कुंभ मेले में भी गए थे। अपनी आत्मकथा में वे लिखते हैं कि उनकी इस मेले में आने की खास इच्छा नहीं थी लेकिन उन्हें महात्मा मुंशीरामजी के दर्शनों के लिए जरूर जाना था। गांधी जी के राजनैतिक गुरु गोपाल कृष्ण गोखले के भारत सेवक समाज ने एक बड़ी टुकड़ी वहां भेजी थी जिसका प्रबंध हृदयनाथ कुंजरू के जिम्मे था।उन्हीं का प्रस्ताव था कि गांधीजी भी अपनी टुकड़ी लेकर मेले में जाएं। वहां उनकी मुलाकात मुंशीरामजी से हुई जिन्होंने उनसे जनेऊ धारण करने के लिए कहा जिसे बापू ने यह कहकर इंकार कर दिया कि श्जनेऊ धारण करने का अर्थ है दूसरा जन्म लेना, अर्थात स्वयं संकल्पपूर्वक शुद्ध बनना, ऊर्ध्वगामी बनना।

सुशासन की कसौटी है रामराज्य

निरंकार सिंह, वरिष्ठ टिप्पणीकार

रामराज्य को सुशासन की कसौटी माना जाता है. यद्यपि रामराज्य राजतंत्र था, लेकिन एक आदर्श लोकतंत्र के सभी गुण उसमें पाये जाते हैं. समाज के अंतिम व्यक्ति की आवाज भी रामराज्य में सुनी जाती थी. रामराज्य का आदर्श वस्तुतः एक नयी विश्व व्यवस्था का राज्यादर्श है. यह एक ऐसा चिरप्राचीन राज्यादर्श है, जो अपने विश्वव्यापी दृष्टिकोण के अनुसार मानवीय समस्याओं का शाश्वत समाधान प्रस्तुत करता है. प्राचीन भारत को ऐश्वर्य तथा वैभव के उच्चतम शिखर पर पहुंचाने का श्रेय इस उदात्त राज्यादर्श को ही रहा है. कालचक्र ने अनेक सभ्यताओं को अपने गर्भ में विलीन कर लिया और उनके स्मृति-चिह्न भी मिटा दिये हैं, किंतु दैवीय अवधारणा और वैदिक पृष्ठभूमि से संपन्न भारत का यह राज्यादर्श न केवल आज भी जीवंत है, वरन् अपने प्रकाश से वर्तमान की पराभव-ग्रस्त मानवता का मार्ग-दर्शन कर रहा है. इसमें आदर्श राज्य-व्यवस्था के और जनता को वास्तविक तथा सार्थक कल्याणकारी शासन प्रदान करने के सूत्र और विधान सन्निहित हैं. महर्षि वाल्मीकि ने दो दृष्टांत देकर श्रीराम के उदात्त चरित्र और आदर्श व्यक्तित्व को विशेष रूप से उजागर किया है. पहला, जब श्रीराम का राजतिलक रोक दिया जाता है और उन्हें वन गमन का निर्देश दिया जाता है. दूसरा, जब वनवास-काल में सीता का अपहरण हो जाता है और दैव के दुर्विपाक का राम दृढ़ साहस तथा धैर्य से सामना करते हैं. अंततः सीता के परित्राण और पुनरुद्धार के बाद राम उनसे कहते हैं, 'हे देवि! आज मेरा पराक्रम कृतकृत्य हो उठा है. मेरे पराक्रम पर जो लांछन लगा था, उसे मैंने अपने पुरुषार्थ से मिटा दिया है. इन दो घटनाओं और दो दृष्टांतों का शाश्वत संदेश यह है कि धर्ममय तथा पुण्यमय व्यक्ति अपने भाग्य को भी बदल सकता है. यही किसी वीर पुरुष का वास्तविक पौरुष है. इन दृष्टांतों से सिद्ध होता है कि यदि कोई व्यक्ति स्वयं में जागरूक है, तो वह अपने श्रेष्ठ कर्मों के पुरुषार्थ से दैव के

दुर्विपाक द्वारा उपस्थित विपदा का अंत कर सकता है. यदि भारत में आज कोई ईमानदारी, अतिथि सत्कार, सतीत्व, परोपकार, मूक पशुओं के प्रति दया भाव, पाप से घृणा तथा भलाई की भावना है, तो वह जनमानस में रामचरित्र के प्रति आस्था के ही कारण है. यह केवल हिंदुओं या भारतीयों के लिए नहीं, बल्कि समूचे संसार के लिए सार्थक है. भारत की धार्मिक स्वतंत्रता तथा सहनशीलता की परंपरा अद्वितीय है. ऋग्वेद का यह वाक्य विश्व प्रसिद्ध है-'आदर्श विचारों को हर दिशा से आने दो.' पर वर्तमान युग आध्यात्मिक अज्ञान एवं आत्मा की निर्धनता का युग है. जब मनुष्य अपनी आत्मा को झूठे भौतिक वैभव से धोखा देकर उसके कवित्वमय बोध को नष्ट करता है, तो यह स्मरण करना आवश्यक हो जाता है कि सभ्यता आत्मा की ही देन है. भौतिक उन्नति को आत्मा की उन्नति नहीं समझना चाहिए. जब टेक्नोलॉजी नैतिक उत्थान से श्रेष्ठ हो जाती है, तो सभ्यता लुप्तप्राय होने लगती है. हमारे ऋषियों ने किसी राज्य की महानता आकार तथा धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि उस राज्य में नागरिकों की भलाई के लिए होनेवाले न्याय संगत कार्यों के आधार पर आंकी थी. बलिदान सफलता से अधिक महत्वपूर्ण तथा त्याग सफलता का सर्वोच्च मापदंड था. किसी नागरिक का समाज में मान-सम्मान, धन संपत्ति के आधार पर नहीं, बल्कि ज्ञान, गुण तथा चरित्र के आधार पर होता था. हमारे ऋषियों ने राम के जीवन चरित्र को आदर्श रूप में निरुपित किया है. इसलिए, उसकी अवहेलना समाजद्रोही ही नहीं, बल्कि राष्ट्रदोही कहा जायेगा. प्राचीनकाल के राजागण स्वयं सत्य और न्याय के मार्ग पर चलते हुए प्रजा को प्रेरित करते थे. इसलिए उनके राज्यों में शांति-प्रेम-संपन्नता के साथ-साथ समस्त ऐश्वर्य तथा वैभव सहज ही उपलब्ध थे. तुलसीदास ने इस स्थिति का प्रस्तुतीकरण श्रीरामचरितमानस के उत्तरकांड में 'रामराज्य' के रूप में किया है. इसका सार-तत्व है-'रामराज्य में कोई किसी से वैर नहीं करता है. विषमता का नामो-निशान नहीं है. अपने-अपने कर्तव्य-कर्म को सुंदर ढंग से संपन्न करते हुए सभी लोग सुख-शांति का जीवन व्यतीत करते हैं. भय, शोक, रोग आदि कहीं कुछ नहीं है. त्रयताप से कोई पीड़ित नहीं होता है. सभी लोग एक-दूसरे से प्रेम करते हैं. सभी पुण्यात्मा और श्रेष्ठ सद्गति के अधिकारी हैं. किसी की अकाल मृत्यु नहीं होती हैघ् सभी लोग स्वस्थ, सुंदर, निरोग हैं. बुद्धिमान, ज्ञानवान चरित्रवान, कृतज्ञ और महिमान हैं. उदार, परोपकारी और विनम्र हैं. वनों में वृक्ष सदा फूलते-फलते रहते हैं. मनोरम उद्यान हैं, जिनमें शीतल पवन बहता है और पक्षी कलरव करते रहते हैं. नदियों में शीतल जल बहता है. सारांशतः रामराज्य में सदा-सर्वदा आनंद है. उसकी सुख-संपदा अवर्णनीय है. अधिक क्या कहा जाए, श्राजा राम का प्रजारंजक आदर्श राज्य यथावत सतयुग के राज्य जैसा ही है.'

रामराज्य जैसे आदर्श राज्य की अभिलाषा की पूर्ति के लिए शासक द्वारा इनका अनुसरण अपेक्षित है-राजा में राजमद न हो. वह मर्यादा का पालक हो. मंत्रियों और विद्वानों के परामर्श से कार्य करनेवाला हो. जनता को सुखी बनाने से बढ़ कर अपना कोई धर्म न माने. आत्म विजय करे अर्थात इंद्रिय-जयी हो. जनता को कर्तव्य-पथ में प्रेरित करता रहे. विपत्ति में धीर और संपत्ति में शांत-संयमित रहे. श्रेष्ठ कर्मों के आदर्श उपस्थित करे. परस्त्री को माता माने. परधन का लोभ न करे. शूर से शूर होकर संग्राम करें. प्रजावर्ग में कोई भेदभाव न करे. विषमता, दरिद्रता, अशिक्षा, भेद, दंड आदि से सर्वथा मुक्त सत्यमूलक समाज की संस्थापना और उसके संवर्धन के लिए एकनिष्ठ भाव से स्वयं को समर्पित कर दे. रामायण से यह शिक्षा मिलती है कि धर्माचरण में रत अकेला व्यक्ति भी एक संपूर्ण अन्यायी साम्राज्य का विनाश कर सकता है. ऐसे व्यक्ति में यह सामर्थ्य होता है कि नियति द्वारा लाये गये प्रतिकूल परिणाम को वह निरस्त कर दे और अपना श्रेय तथा लक्ष्य प्राप्त कर ले. ऐसा व्यक्ति अन्यायों का निराकरण तो करता ही है, वह प्रतिपक्ष का भी सुधार तथा उद्धार करने के साथ-साथ संपूर्ण विश्व का कल्याण करने में भी सक्षम होता है।

हम मध्य क्रम के मुद्दों को हल करने की कोशिश करेंगे : मिस्बाह उल हक

लंदन वार्ता। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के मुख्य कोच मिस्बाह-उल-हक ने कहा है कि टीम प्रबंधन इस वर्ष के अंत में होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले मध्य क्रम में दो स्थानों पर ध्यान केंद्रित करेगा।

दरअसल मिस्बाह ने जब से मुख्य कोच के रूप में पदभार संभाला है, तब से पाकिस्तान ने इन दो स्थानों पर 14 खिलाड़ियों को आजमाया जा चुका है। समझा जाता है कि अगले महीने आजम खान और शोएब मकसूद के बीच मध्यक्रम में अपना स्थान मजबूत करने के लिए प्रतिस्पर्धा होगी। मिस्बाह ने रविवार को एक बयान में कहा, ÷ पीएसएल (पाकिस्तान सुपर लीग) ने कुछ बातें स्पष्ट की हैं। मुझे लगता है कि नंबर पांच और नंबर छह वे स्थान हैं जिन्हें हम भरने की कोशिश कर रहे हैं। इनके साथ हमें समस्या हुई है। अब हमारे पास आजम खान और सोहेब मकसूद हैं, यह देखने के लिए कि क्या वे कर सकते हैं और हम उनके साथ क्या संयोजन कर सकते हैं। ÷

कोच ने कहा, कुल मिलाकर हम जिस गेंदबाजी के बारे में जानते हैं, उसमें हमारा आक्रमण काफी अच्छा है। शीर्ष क्रम में हमारे पास चार खिलाड़ी और उनके प्रतिस्थापन हैं जो कुछ अधिक हैं। हम अपनी टीम को कम या ज्यादा जानते हैं, लेकिन कुछ स्थानों पर हमें अगली दो श्रृंखलाओं पर ध्यान देने की जरूरत है। हम कोशिश करते हैं कि हमारे यहां जो भी खिलाड़ी हैं वे पूरी तरह से तैयार हों और हम उन पर भरोसा करें, ताकि वे मैदान पर जाएं और प्रदर्शन करें। निस्संदेह आजम प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं, हालांकि वह हाल ही में थोड़ा आउट ऑफ फॉर्म रहे हैं, लेकिन सभी जानते हैं कि आधुनिक टी-20 क्रिकेट में आपको पांच या छह नंबर पर जितनी ताकत और स्ट्राइक रेट की जरूरत होती है, वह उतनी क्षमता रखते हैं, इसलिए उन्हें आजमाने के लिए हमें बस यह देखना होगा कि हम किस संयोजन के साथ जाना चाहते हैं। मिस्बाह ने कहा, ÷ ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों का अच्छे फॉर्म और अच्छी मानसिकता में होना हमेशा अच्छा होता है, लेकिन आप क्रिकेट से सीखते हैं कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, क्योंकि कई बार आपके पास अच्छा फॉर्म और रन होते हैं, लेकिन फिर भी आप अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाते और कभी-कभी आप अच्छे फॉर्म में नहीं होते हैं, लेकिन आप अधिक फोकस के साथ आते हैं और उस फॉर्म को फिर से हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करते हैं। ÷उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान की टम दो दिन पहले इंग्लैंड पहुंच गई है। उसके पास मध्य क्रम के मुद्दों को सुलझाने के लिए पर्याप्त टी-20 क्रिकेट है। पाकिस्तान को टी-20 विश्व कप 2016 के उप विजेता इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीन पर तीन वनडे और तीन टी-20 मैच खेलने हैं। इसके बाद वह वेस्ट इंडीज के खिलाफ पांच टी-20 मुकाबले खेलेगा।

कृष्ण कुमार और हरमिलन बैंस ने 800 मीटर में आसान जीत के साथ जीता स्वर्ण

पटियाला, वार्ता। हरियाणा के कृष्ण कुमार और पंजाब की हरमिलन बैंस ने रविवार को यहां नेताजी सुभाष नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में 60वीं राष्ट्रीय अंतर-राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में आसान जीत के साथ पुरुष एवं महिला 800 मीटर दौड़ स्पर्धा में स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसी के साथ कृष्ण ने अपने बेड़े में एक और स्वर्ण जोड़ लिया है। इससे पहले उन्होंने मार्च में फेडरेशन कप में स्वर्ण पदक जीता था।पुरुष 800 मीटर स्पर्धा में उत्तराखंड के अनु कुमार ने कृष्ण कुमार को टक्कर देने की पूरी कोशिश की, लेकिन हरियाणा के कृष्ण ने एक मिनट 50.12 सेकेंड मिनट में दौड़ पूरी करके जीत हासिल की। अनु कुमार ने दूसरे स्थान पर रहते हुए रजत, जबकि एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता हरियाणा के मंजीत सिंह ने कांस्य पदक जीता।

ओलंपिक में स्वर्ण जीतने वाले भारतीय एथलीटों को 1.2 करोड़ रुपए देगी मणिपुर सरकार

इम्फाल, वार्ता। मणिपुर सरकार ने जापान की राजधानी टोक्यो में होने वाले ग्रीष्मकालीन ओलंपिक खेलों में पदक जीतने वाले सभी भारतीय एथलीटों के लिए नकद प्रोत्साहन राशि की घोषणा की है।

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि राज्य सरकार राज्य की ओर से टोक्यो ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेताओं को 1.2 करोड़ रुपये, रजत पदक विजेताओं को एक करोड़ और कांस्य पदक जीतने वाले एथलीटों को 75 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देगी।मुख्यमंत्री ने सोमवार को मुख्यमंत्री सचिवालय में आयोजित समारोह में ओलंपिक खेलने जाने वाली भारतीय टीमों का उत्साहवर्धन करने के लिए सेल्फी प्वाइंट्स के शुभारंभ के दौरान यह घोषणा की। इस मौके पर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले राज्य के पांचों प्रतिभागियों एमसी मैरी कॉम (51 किग्रा मुक्केबाजी), सैखोम मीराबाई चानू (49 किग्रा वेटलिफ्टिंग), सुशीला चानू पुखरंबम (हॉकी), शांगलकपम नीलकांत (हॉकी) और लिकमबम सुशीला (48 किग्रा जूडो) को 25 लाख रुपये की नकद प्रोत्साहन राशि देने की भी घोषणा की। उन्होंने राज्य के एथलीटों द्वारा देश के लिए पदक जीतने को लेकर भरोसा जताते हुए मणिपुर के लोगों की ओर से पांचों एथलीटों की सफलता की कामना की।

श्रीलंका में सभी युवाओं को नहीं मिल पायेगा मौकाः द्रविड़

मुंबई, वार्ता। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख और भारत की ए क्रिकेट टीम के साथ बतौर मुख्य कोच के रूप में श्रीलंका दौरे पर जा रहे राहुल द्रविड़ ने कहा है कि श्रीलंका में सर्वश्रेष्ठ संयोजन के साथ श्रृंखला जीतना उनका मकसद है, जिसके चलते कुछ युवाओं को एकादश में खेलने का नहीं मिल सकता है।

उन्होंने स्वीकार किया है कि यह दौरा मैदान पर उतरने वाले खिलाड़ियों में से कुछ के लिए चयनकर्ताओं के दरवाजे पर दस्तक देने के लिए एक अच्छे अवसर के रूप में काम करेगा, इसका मतलब यह नहीं होगा कि भारतीय टीम में कदम रखने वाले क्रिकेटरों के लिए मेक-या-ब्रेक जैसी स्थिति होगी। उन्होंने साथ ही टी20 विश्व कप के लिए कहा , %हालांकि यह जरूरी नहीं है कि भारत के लिए टी-20 विश्व कप खेलने की इच्छा रखने वाले खिलाड़ियों को ब्रेक मिलने की स्थिति हो।द्रविड़ ने रविवार को ऑनलाइन प्रेस वार्ता के दौरान कहा, ÷ जब आप विकास के स्तर पर होते हैं या अपने लिए रास्ते बनाने वाले स्तर पर काम करते हैं तो लक्ष्य अलग होते हैं। हमारे पास यहां सच में एक अलग लक्ष्य है। यह छोटी सी सीरीज है, इसलिए सभी को मौका देना संभव नहीं होगा। चयनकर्ता यहां हैं और हम सीरीज जीतने के लिए सबसे अच्छा संयोजन लेकर आएंगे। बहुत सारे युवा खिलाड़ी हैं और यह उनके लिए एक अच्छा अनुभव होगा, भले ही उन्हें भारतीय टीम में खेलने और शिखर धवन, भुवनेश्वर कुमार और अन्य सीनियर खिलाड़ियों के साथ बातचीत करने का मौका न मिले। वे बहुत कुछ सीख सकते हैं।

भारतीय कोच ने कहा, टी-20 विश्व कप से पहले ये सिर्फ तीन मैच हैं। मुझे यकीन है कि चयनकर्ताओं और प्रबंधन को अब तक पता चल गया होगा कि वे किस तरह की टीम की तलाश में हैं। टी-20 विश्व कप से पहले आईपीएल भी ह

ै। यह श्रृंखला भले ही केवल एक या दो खिलाड़ियों को ही मौका दे, लेकिन आईपीएल टीम प्रबंधन को कुछ और विकल्प दे सकता है।

आप इसमें बहुत ज्यादा नहीं पढ़ सकते हैं। यह अजीब जगह हो सकती है और लोग इन टी-20 मैचों के दौरान चयन की ओर ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। हमारे साथ कुछ चयनकर्ता यात्रा कर रहे हैं। हम अगले कुछ हफ्तों में प्रबंधन के साथ संपर्क करेंगे। मैंने उनसे थोड़ी बहुत बातचीत की है, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दौरान उन्हें परेशान नहीं किया। हम आधार को छूएंगे और देखेंगे कि उनके उनके पास क्या विचार हैं, और देखेंगे कि क्या हम इन टी-20 मैचों में इसे लागू कर सकते हैं।

टोक्यो ओलंपिक के लिए पश्चिम रेलवे के चार खिलाड़ियों का चयन

पश्चिम रेलवे
Western Railway

अहमदाबाद,वार्ता। टोक्यो में इस वर्ष 23 जुलाई से आयोजित होने वाले ओलंपिक की हॉकी स्पर्धा में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए चयनित टीम में पश्चिम रेलवे के चार खिलाड़ियों का चयन किया गया है।

मुख्य जनसंपर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार पश्चिम रेलवे के लिए यह गर्व का विषय है। टोक्यो ओलंपिक में खेलने जा रही पुरुष और महिला भारतीय हॉकी टीमों में पश्चिम रेलवे के दो महिला और दो पुरुष हॉकी खिलाड़ी दल का हिस्सा होंगे। महाप्रबंधक आलोक कंसल ने इन खिलाड़ियों को बधाई दी और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उनका उत्साहवर्धन किया ।

उल्लेखनीय है कि दीप ग्रेस एक्का और नवनीत कौर टोक्यो ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रही जो भारतीय महिला हॉकी टीम का हिस्सा हैं, जबकि अमित रोहिदास और नीलकांत शर्मा पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा हैं। चार खिलाड़ियों में से तीन पश्चिम रेलवे के मुंबई डिवीजन के टिकट चेकिंग कैडर से संबंधित हैं, जबकि सुश्री एक्का मुंबई सेंट्रल में कार्यालय अधीक्षक के पद पर कार्यरत हैं।

दीप ग्रेस एक्का और नवनीत कौर ने इससे पहले 2016 में आयोजित रियो ओलंपिक खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। वे जकार्ता में आयोजित 2018 - एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय महिला हॉकी टीम की सदस्य भी थीं।अमित रोहिदास 2018 - एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के सदस्य थे।

अमित रोहिदास और नीलकांत शर्मा 2019 में भुवनेश्वर में आयोजित आईएचएफ हॉकी विश्व कप में रजत पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम के भी सदस्य थे। जहां एक ओर पश्चिम रेलवे ने हमेशा अपने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया है तो वही दूसरी ओर पश्चिम रेलवे के खिलाड़िओं ने हमेशा अपने प्रदर्शन और उपलब्धियों से संबंधित क्षेत्रों में अपना एक अलग स्थान बनाया है।

दक्षिण अफ्रीका ने विंडीज को 149 पर निपटाया, हासिल की 149 रन की बढ़त

सेंत लूसिया,वार्ता। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक की 96 रन की शानदार पारी और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने वेस्ट इंडीज को दूसरे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन शनिवार को पहली पारी में 149 रन पर निपटाकर पहली पारी में 149 रन की बढ़त बनाकर मैच पर अपना शिकंजा कस दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पांच विकेट पर 218 रन से आगे खेलना शुरू किया। क्विंटन डी कॉक ने 59 से अपनी पारी को आगे बढ़ाया और वह 96 रन बनाकर आउट हुए। डी कॉक ने 162 गेंदों की अपनी पारी में आठ चौके लगाए। कैगिसो रबादा ने नाबाद 21 रन बनाये। वेस्ट इंडीज के गेंदबाजों ने 44 अतिरिक्त रन लुटाये। विंडीज की तरफ से केमार रोच ने 45 रन पर तीन विकेट और शैनन गेब्रियल ने 65 रन देकर दो विकेट हासिल किये।

लखनऊ हॉस्टल के 13 खिलाड़ियों को मिलेगी आर्थिक मदद

लखनऊ ब्यूरो। कोरोना महामारी के कारण आर्थिक संकट का सामना कर रहे खिलाड़ियों की मदद के लिए शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी स्मारक संस्थान आगे आया है। संस्थान ने लखनऊ हास्टल में रहने वाले सात अंतःवासी बालक और पांच बालिका सहित कुल 13 खिलाड़ियों को हॉस्टल बंद रहने तक प्रतिमाह एक हजार रूपए की आर्थिक सहायता देने का एलान किया है।उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन (यूपीओए) महासचिव डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने इस योजना की शुरूआत तैराकी के अंतःवासी छात्र अंशुल निषाद को एक हजार रूपए की सहायता प्रदान करते हुए की। उन्होने अन्य संस्थानों घरानों से भी अपील की कि वो आगे आए और ऐसे खिलाड़ियों की सहायता करे।उन्होंने कहा कि ज्यादातर खिलाड़ी गरीब परिवार से है जिसके चलते उनके सामने आर्थिक संकट के चलते उचित खुराक के लाले पड़े है। ऐसे में लोगों की मदद से इस संकट काल में उनको सहारा मिलेगा। शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी स्मारक संस्थान के संरक्षक अजय कुमार त्रिपाठी ने बताया कि संस्थान के द्वारा इन खिलाड़ियों को सहायता राशि सीधे उनके खाते में स्थानांतरित की जाएगी।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब खान ने मिल्खा को दिया था उड़न सिख का खिताब

नयी दिल्ली, वार्ता। भारत के महान धावक मिल्खा सिंह को उड़न सिख का खिताब पड़ौसी देश पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब खान ने दिया था।

दरअसल हिंदुस्तान के लिए जैसे मिल्खा थे वैसे ही पाकिस्तान के लिए अब्दुल खलिक थे। पाकिस्तान के चैंपियन अब्दुल खलिक। साठ का दशक था और जनवरी का सर्द महीना। पकिस्तान के उर्दू अख़बारों में हेडलाइन छपी...%खलिक बनाम मिल्खा - पाकिस्तान बनाम इंडिया।% मिल्खा के लिए उस मुल्क में लौटना किसी ट्रौमा से कम न था जिसमें अपने मां-बाप, भाई बहनों के गले कटते हुए अपनी आंख के सामने देखा थ। मिल्खा का जन्म अविभाजित भारत में हुआ था, जिसे आज पाकिस्तान कहते हैं। जब साल 1947 में हिंदुस्तान की सरजमीं पर दो लाइनें खींच दी गई, इधर हिंदुस्तान में मुसलमान मारे गए, उधर दूसरे मुल्क में सिख और हिन्दुओं के कत्लेआम किये गए। मिल्खा का परिवार भी हिंदुस्तान आने के क्रम में ही था कि मिल्खा के मां-पिता और आठ भाई-बहनों को मौत के घाट उतार दिया। बचे मिल्खा, भागते-गिरते-गिराते बचते हुए अकेले ही भारत आ पहुंचे। दिल्ली के शरणार्थी कैंपों में रहे। कोई काम नहीं मिलता था उन दिनों मन हुआ कि डकैत बन जाऊं, पर बड़े भाई की सोहबत ने चोर न बनने दिय। दूसरा ऑप्शन सेना में सिपाही बन जाना था। 1951 में मिल्खा सिपाही हो गए।शुरुआत में पाकिस्तान जाने के सवाल पर मिल्खा झिझकने लगे। तभी हिंदुस्तान के प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु से उनकी बात होती है, नेहरु ने मिल्खा से कहा- तुम्हारे पास इस मुल्क का प्यार और स्नेह है, हम सब तुम्हारे साथ हैं, इसलिए अतीत को भुला दो, उन्होंने दोस्ती की भावना से तुम्हें अपने यहां दौड़ के लिए निमंत्रण भेजा है। मैं चाहता हूं तुम वहां जाओ और हमारे देश का प्रतिनिधित्व करो। नेहरु से तसल्ली मिल जाने के बाद मिल्खा पाकिस्तान जाने के लिए तैयार हो गए।

बाघा बॉर्डर पार करते ही मिल्खा की जीप पर पाकिस्तानियों ने फूल बरसाए, फूल बरसाने वाले और इस स्वागत से खुश होने वाले दोनों ही लोगों ने विभाजन में जरूर अपने खोए रहे होंगे. फिर भी आज दोनों अपना अतीत भुलाकर भविष्य के साथ न्याय बरतना चाहते थे। सड़क के दोनों पार खड़े लोग हिन्दुस्तानी खिलाड़ी को चीयर कर रहे थे, खुश हो रहे थे। ये वो दो मुल्क मिल रहे थे जिन्होंने दस साल पहले ही अपनी अपनी तलवारों को एक दूसरे के गले से नीचे उतारा होगा. मगर इस दिन का आना इस बात की गुंजाइश का भी गवाह था कि लाख नफरतों में मोहब्बत के फूल उगाए जा सकते हैं. इधर के बाग़ में नेहरु जैसा जहीन माली था उधर भी किसी का दिल हिंदुस्तान के लिए पिघला होगा ।

मिल्खा के पहुंचते ही उर्दू अख़बारों में एकबार फिर हेडलाइन बनीं... खलिक बनाम मिल्खा, पाकिस्तान बनाम हिंदुस्तान....

लाहौर वार्ता। स्टेडियम में 60 हजार लोग इकट्ठे हो गए, जिनमें बीस हजार महिलाऐं थीं। रेस शुरू होने से पहले मौलवी आए, प्रार्थना की गई, मोहम्मद याद किये गए, खलिक के लिए दिल भर दुआएं माँगी गई, मिल्खा के लिए दुआएं मांगने वाला कोई पुरोहित वहां न था, खलिक के लिए दुआएं मांगने के बाद जैसे ही मौलवी लौटने को हुए, तो मिल्खा बोल पड़े.....मैं भी खुदा का बन्दा हूं।

इसे सुनने के बाद दो मुल्कों की दीवारें ढह गई, दो धर्मों के दरवाजे एक आंगन में आकर मिल गए. मौलवी रुक गए, और मिल्खा के लिए भी दुआएं कर दीं, या अल्लाह इसे भी जीत बक्शें।कुछ देर बाद रेस शुरू हो गई। खलिक सौ मीटर की रेस मारने वाले महान लड़ाका थे और मिल्खा थोड़ी दूर तक जाने वाले जांबाज घोड़ा थे, मुकाबला दो देशों के साथ-साथ दो वीरों का भी था। दोनों में से कोई उन्नीस बीस नहीं। दोनों बराबर, दोनों किसी युद्ध में खड़े आखिरी सेनापति। जैसे. शुरुआत में ही खलिक मिल्खा से दो कदम आगे निकल गए, खलिक आगे आगे, मिल्खा पीछे पीछे, लेकिन 150 यार्ड होते-होते मिल्खा बराबरी पर आ गए, अगले ही पल खलिक पीछे छूट गए । मिल्खा ने मात्र 20.7 सेकंड में वो दौड़ मार दी. पूरे विश्व में वो नया रिकॉर्ड बना । मौलवियों की दुआएं शायद मिल्खा को लग गईं। खलिक हार गए, मिल्खा विजयी हुए...

चारों ओर साठ हजार पाकिस्तानी मायूस। पाकिस्तान के राष्ट्रपति जनरल अयूब मिल्खा के पास पहुंचे और जीत की माला पहना दी. अयूब मिल्खा से बोले- मिल्खा तुम दौड़े नहीं यार, तुम तो उड़े।

पूरी दुनिया के अख़बारों में अगले दिन ये खबर छप गई. अयूब के शब्दों ने मिल्खा का नया नामकरण कर दिया, हर जगह एक ही लाइन छपी ।

टेस्ट क्रिकेट के लिए शानदार विज्ञापन है ब्रिस्टल टेस्टः नाईट

ब्रिस्टल,वार्ता। इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाईट ने भारत के खिलाफ एकमात्र टेस्ट कल ड्रा समाप्त हो जाने के बाद कहा कि

टेस्ट क्रिकेट के लिए शानदार विज्ञापन था ब्रिस्टल टेस्ट।

भारतीय टीम ने फॉलोआन के बाद अपनी दूसरी पारी में सात विकेट 199 रन पर गंवा दिए थे और उसके पास मात्र 34 रन की बढ़त थी लेकिन स्नेह राणा ने पुछल्ले बल्लेबाजों शिखा टंडन और तान्या भाटिया के साथ 145 रन जोड़कर मैच को ड्रा करा दिया।

मैच के बाद नाईट ने कहा,शानदार क्रिकेट हुआ। यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि इस मैच की नाटकीय और रोमांचक फिनिश नहीं हुई जो होनी चाहिए थी लेकिन यही क्रिकेट का खेल है। यह बहुत रोमांचक होना चाहिए था लेकिन मुझे लगता है कि यह टेस्ट क्रिकेट के लिए शानदार विज्ञापन है। हमने मैदान पर कुछ बेहतरीन कौशल देखा, दोनों टीमों की तरफ से कुछ युवा खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल दिखाया। इस मैच ने दिखाया कि महिला टेस्ट क्रिकेट का अपना स्थान है।

सोफी एक्लस्टोन ने इंग्लैंड के आक्रमण की जिम्मेदारी संभाली और मैच में आठ विकेट हासिल किये। इस लेफ्ट आर्म स्पिनर ने मैच में कुल 64 ओवर डाले और अपनी गेंदबाजी में काफी नियंत्रण दिखाया। नाईट ने कहा,%बल्लेबाजों को श्रेय जाता है। सोफी ने 60 से ज्यादा ओवर डाले और तेज गेंदबाजों ने सूखी पिच पर अच्छी गेंदबाजी की जबकि उनके लिए इस पिच में ज्यादा कुछ नहीं था। मैच में ज्यादा समय नहीं बचा था और आखिरी विकेट निकलना थोड़ा ज्यादा मुश्किल काम हो गया था।

नाईट ने साथ ही कहा कि वह पांच दिन के महिला टेस्ट मैच के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा मैं निश्चित रूप से इसके लिए तैयार हूं, महिला क्रिकेट में काफी ड्रा देखे गए हैं जैसा पिछले मैच में हुआ था इसलिए यह कुछ ऐसा है जिसके लिए मुझे लगता है कि इसे देखा जाना चाहिए।

दक्षिण अफ्रीका ने दूसरा टी 20 जीतकर सीरीज में की बराबरी

सेंत जॉर्ज, वार्ता। प्लेयर ऑफ द मैच बने जॉर्ज लिंडे (19 रन पर दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने वेस्ट इंडीज को दूसरे टी-20 मुकाबले में रविवार को 16 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली।पहले मैच में आठ विकेट की बड़ी हार झेलने वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम ने दूसरे मैच में 20 ओवर में सात विकेट पर 166 रन बनाने के बाद विंडीज को 20 ओवर में नौ विकेट पर 150 रन पर रोक दिया। लिंडे ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 19 रन खर्च कर दो विकेट हासिल किये। लिंडे ने विंडीज के दो खतरनाक बल्लेबाजों निकोलस पूरन और आंद्रे रसेल को पवेलियन भेजा। पूरन ने नौ और रसेल ने पांच रन बनाये।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की पारी में ओपनर रीजा हेंड्रिक्स ने 42 और कप्तान तेम्बा बावूमा ने सर्वाधिक 46 रन बनाये। ओपनर क्विंटन डी कॉक ने 26 रनों का योगदान दिया। विंडीज की पारी में सलामी बल्लेबाज आंद्रे फ्लेचर ने 35 और पुछल्ले बल्लेबाज फेबियन एलेन ने मात्र 12 गेंदों पर पांच छक्कों की मदद से 34 रन बनाये लेकिन वह आखिरी ओवर की पांचवीं गेंद पर आउट हो गए।

राही सरनोबत ने भारत को दिलाया पहला स्वर्ण

नयी दिल्ली,वार्ता। एशियाई खेलों की चैंपियन राही सरनोबत ने क्रोएशिया में चल रहे निशानेबाजी विश्व कप में भारत को पहला स्वर्ण पदक दिलाया है। सरनोबत ने महिला 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल के फाइनल में अपने प्रतिद्वंद्वियों को धूल चटाई और पदक जीता। इसी के साथ भारत के पास प्रतियोगिता में अब तक एक स्वर्ण, एक रजत और दो कांस्य पदक हो गए हैं।राही का विश्व कप में यह दूसरा पदक है। इससे पहले उन्होंने 10 मीटर एयरपिस्टल महिला टीम इवेंट में कांस्य पदक जीता था। राही ने 25 मीटर स्पोर्ट्स फाइनल में अच्छी स्पर्धा दिखाई, लेकिन 40 अंक के विश्व रिकॉर्ड स्कोर से चूक गई। वह 39 अंक अर्जित कर पहले स्थान पर रहीं, जबकि फ्रांस की मैथिल्डे लामोले 31 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही और रजत पदक जीता। 10 मीटर एयर पिस्टल में रियो ओलंपिक की रजत पदक विजेता रूस की विटालिना बत्सारशकिना ने 28 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। वहीं ओलंपिक चैंपियन ग्रीस की अन्ना कोराकाकी पांचवें और भारत की मनु भाकर सातवें स्थान पर रहीं।

राही रविवार को प्रिसिजन राउंड के बाद क्वालीफाइंग के पहले दिन तीसरे स्थान पर रही थी, जबकि मनु नौवें स्थान पर थी। सोमवार की सुबह दोनों ने शानदार रैपिड-फायर राउंड में 300 में से 296 अंक हासिल कर फाइनल में प्रवेश किया, जिसमें सभी रियो ओलंपिक पदक विजेता शामिल थे। राही ने मनु के 588 अंकों के मुकाबले कुल 591 अंक हासिल किए, जबकि बुल्गारिया की एंटोनेटा कोस्टाडिनोवा 593 अंक के साथ शीर्ष पर रही। अन्ना कोराकाकी ने 584 अंकों के साथ छठा स्थान हासिल किया। फाइनल में राही ने पांच से शुरुआत की और फिर कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। फाइनल में उनका स्कोर 5,2,5,5,5,5,3,3,2,4 रहा।

राही ने पदक जीतने के बाद कहा, ÷ इस बार स्वर्ण पदक को लेकर मिला आश्वासन पिछली कुछ श्रृंखलाओं में सामने आई तकनीकी बातों से अधिक था, क्योंकि मैं कुछ चीजों को आजमाना चाहती थी, इसलिए मैं ऐसा कर रही थी। इस प्रतियोगिता में मेरे लिए पदक को लेकर ज्यादा कुछ नहीं था, क्योंकि मैं कुछ चीजों की कोशिश कर रही थी जो मैं ओलंपिक खेलों में करने की सोच रही हूं और यह उससे पहले की अंतिम प्रतियोगिता है। यह प्रतियोगिता प्रदर्शन या पदक के बारे में बिल्कुल नहीं थी। यह आखिरी बार ओलंपिक से पहले चीजों को आजमाने और हर चीज को अंतिम रूप देने के बारे में था। इस उपलब्धि से मुझे आश्वासन मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं और मुझे ओलंपिक खेलों तक और बाद में भी इस पर काम करते रहना है।

आईओए को 10 करोड़ रुपये देगा बीसीसीआई

नयी दिल्ली,वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 23 जुलाई से होने वाले टोक्यो ओलम्पिक (आईओए) के लिए भारतीय दल को अपना समर्थन देने का फैसला किया है। बीसीसीआई की सर्वोच्च परिषद की आठवीं बैठक में कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए। बीसीसीआई ने फैसला किया किया कि वह भारतीय खिलाड़ियों को जिस रूप में भी होगा अपना समर्थन देगा। आईओए और खेल मंत्रालय से प्राप्त आग्रह के आधार पर बीसीसीआई ने भारतीय ओलम्पिक संघ को अपना समर्थन देने का फैसला किया और इसके लिए वह आईओए को 10 करोड़ रुपये देगा।

बीसीसीआई ने ओलम्पिक में हिस्सा लेने जा रहे भारतीय खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दी हैं और उम्मीद जताई है कि वे इस बार पहले के मुकाबले ज्यादा पदक जीतकर लौटेंगे।

बीसीसीआई ने घरेलू क्रिकेटरों के मुआवजे के लिए समिति गठित करने का फैसला किया है। सर्वोच्च परिषद ने एक समिति गठित करने का फैसला किया जो सत्र 2020 और 2021 के घरेलू सत्र के लिए भारतीय घरेलू क्रिकेटरों के लिए मुआवजे के मुद्दे को देखेगी। सर्वोच्च परिषद ने बीसीसीआई के पदाधिकारियों को अधिकृत किया है कि वे समिति गठित करें जो जितना जल्द हो सके घरेलू क्रिकेटरों के लिए उपयुक्त मुआवजे की व्यवस्था तलाश सके।

रवि किशन और पवन सिंह स्टारर मेरा भारत महान 15 अगस्त पर हो सकती है रिलीज

मुंबई,वार्ता। भोजपुरी सिनेमा के मेगास्टार रवि किशन और पावर स्टार पवन सिंह की जोड़ी वाली फिल्म स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर 15 अगस्त को रिलीज हो सकती है।

वी प्रांजल फिल्म्स क्रियेशन प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले बनी तथा सत्यजीत राय एवं विपुल राय निर्मित मेरा भारत महान में रवि किशन और पवन सिंह ने मुख्य भूमिका निभायी है। फ़िल्म के निर्देशक देवेन्द्र तिवारी ने बताया कि यह फ़िल्म देश भक्ति कहानियों से सजी है। कई महीनों से कोविड 19 के कारण बंद पड़े सिनेमाघर खुल जाये और सबकुछ ठीक-ठाक रहा तो फ़िल्म को इस वर्ष स्वतंत्रता दिवस यानी 15 अगस्त को रिलीज किया जा सकता है।गौरतलब है कि मेरा भारत महान में रवि किशन, पवन सिंह के अलावा गरिमा परिहार, अंजना सिंह, मणि भट्टाचार्य, अवकाश यादव, संजीव सिद्धार्थ, कमल किशना, संतोष पहलवान, बीना पांडेय, ज्योति कलश, संजय वर्मा, लोटा तिवारी, उमाकांत राय, अयान सिंह, केवल कृष्णा, मन्टू सिंह की भी अहम भूमिकाये हैं।

पापोन का नया गाना हाते हात धोरी हुआ रिलीज़

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड सिंगर पापोन का नया गाना हाते हात धोरी रिलीज़ हो गया है, जो उनके माता पिता के शाश्वत प्रेम को समर्पित है।

बारिश के इस मौसम में गायक पापोन हाते हात धोरी नामक एक रोमांटिक सॉन्ग लेकर आए हैं। इस आसामी लव सॉन्ग को उन्होंने अपने माता पिता और असम के मशहूर संगीतकार जोड़ी अर्चना और खगेन महंत को समर्पित किया है। प्रसिद्ध गायक खगेन महंत की सातवीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में इस आसामी गाने को बारिश के इस मौसम में रिलीज़ किया गया है। सजदा करूं, डांस इट आउट, पार होबो ऐ शोमोय, नीलांजोना और हाय रब्बा जैसे गीतों के निर्माण / प्रतिपादन करने के बाद, पापोन ने इस प्रेम गीत को स्वरबद्ध किया है।मुकुंदा सैकिया द्वारा लिखित और होपुन सैकिया द्वारा रचित पापोन का यह गीत एक स्वतंत्र एकल है जो पुराने ज़माने के रोमांस और प्यार में रहने के विचार को रेखांकित करता है।इस गाने के म्यूज़िक वीडियो में एक ऐसे बुज़ुर्ग जोड़े की प्रेम कहानी को दर्शाया गया है, जो एक दूसरे के साथ प्यार में हैं और इस प्यार के साथ वे जीवन की प्रेमयात्रा को तय कर चुके हैं। उनकी इस उम्र और हालात में प्यार इस तरह खिल कर बाहर आता है जिसे बयान करने के लिए शब्दों की आवश्यकता नहीं है और यही इस पारंपरिक रोमेंटिक सॉन्ग को अलग बनाता है।पापोन का कहना है, हाते हात धोरी इस गाने के मेलोडी, लिरिक्स, और विज़ुअल में जिस तरह का प्यार कैप्चर किया गया है जिसकी अभिलाषा हर किसी को है। यह गाना मैंने अपने माता पिता को समर्पित किया है जिन्होंने 50 साल तक साथ में गाने गाएं और अपना पूरा जीवन संगीत को अर्पित कर दिया। यह एक बहुत ही प्यारी रचना है और यह बिना किसी दिखावे के शाश्वत प्रेम का संदेश देता है और यही इस गाने की खूबसूरती है। मैं इस गाने के प्रति लोगों के विचार जानने के लिए उत्सुक हूं।

अला वैकुंठपुरमलो के रीमेक में काम करेंगे कार्तिक आर्यन!

मुंबई,वार्ता।बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन दक्षिण भारतीय फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आ सकते हैं।बॉलीवुड में चर्चा है कि कार्तिक आर्यन जल्द ही तेलगू सुपरहिट फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के हिंदी रीमेक में काम करते नजर आने वाले हैं। अला वैकुंठपुरमलो में अल्लू अर्जुन, पूजा हेगड़े और तब्बू ने अहम भूमिकायें निभायी थी। हाल ही में कार्तिक ने इस फिल्म के गाने बोटा बोम्मा में धमाकेदार डांस करते हुए एक वीडियो शेयर किया था।बताया जा रहा है कि अला वैकुंठपुरमलो में कार्तिक के साथ कीर्ति सैनन की भी अहम भूमिका होगी। इससे पहले कार्तिक-कीर्ति की जोड़ी फिल्म लुका छिपी में साथ नजर आयी थी।

तापसी पन्नू की हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू की आने वाली फिल्म हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है।तापसी पन्नू , विक्रांत मैसी और हर्षवर्धन राणे की आने वाली फिल्म हसीन दिलरूबा का ट्रेलर रिलीज हो गया है।ट्रेलर की शुरुआत होती है तापसी पन्नू से जो विक्रांत मैसी से पूछती हैं कि आपने दिनेश पंडित की किताब पढ़ी है? क्या लिखते हैं, छोटे-छोटे शहरों में बड़े-बड़े कत्ल करा देते हैं। पता ही नहीं चलता। इसके बाद तापसी के घर में होता है ब्लास्ट जिसमें विक्रांत की मौत हो जाती है।अब इसके बाद पुलिस तापसी की पूछताछ करती हैं और उनकी जिंदगी के कई पहलुओं का खुलासा होता है।तापसी के लवर के रूप में हर्षवर्धन राणे नजर आ रहे हैं। दोनों के बीच कई लव मेकिंग सीन हैं। हसीन दिलरूबा सस्पेंस और थ्रिलर से भरी है। हसीन दिलरूबा पहले थिएटर पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन फिर फिल्म को ओटीटी का सहारा लेना पड़ा। फिल्म नेटफ्लिक्स पर 02 जुलाई को रिलीज होगी।फिल्म को विनिल मैथ्यू ने निर्देशित किया है।

दिलीप कुमार स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से घर पहुंचे

मुंबई,वार्ता। बॉलीवुड के ट्रेजडी किंग दिलीप कुमार को स्वस्थ होने के बाद शुक्रवार को अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी।दिलीप कुमार को सांस लेने में तकलीफ होने के बाद हिंदुजा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनके फेफड़े का ऑपरेशन कर पानी निकाला गया और स्वस्थ होने के बाद आज उन्हें घर भेज दिया गया।दिलीप कुमार के ट्विटर अकाउंट पर इस संबंध में जानकारी दी गयी है। उनके ट्विटर पर लिखा गया,आपके प्यार और स्नेह, आपकी प्रार्थनाओं और डॉक्टर गोखले, पारकर, डॉक्टर अरुण शाह और हिंदुजा की पूरी टीम के मेहनत के कारण दिलीप कुमार स्वस्थ होकर अपने घर वापस जा रहे हैं।

कटरीना कैफ हुई हर्षवर्धन कपूर से नाराज

विकी कौशल के साथ अफेयर की बात को किया हैं सार्वजनिक

नई दिल्ली वार्ता। विकी कौशल और कटरीना कैफ के अफेयर को आधिकारिक करने के बाद हर्षवर्धन कपूर से कटरीना कैफ नाराज हैंद्य हर्षवर्धन कपूर ने विकी कौशल और कटरीना कैफ के अफेयर को सार्वजनिक कर दिया हैद्य हर्षवर्धन कपूर कटरीना कैफ को नहीं जानतेद्य हालांकि एक इंटरव्यू में उन्होंने विकी कौशल और कटरीना कैफ को कपल बताया हैद्य इसके चलते यह इंटरव्यू वायरल हो गया और कटरीना कैफ हर्षवर्धन कपूर से नाराज हो गई है क्योंकि उन्होंने उनके रिश्ते को सार्वजनिक कर दिया है।

कटरीना कैफ से जुड़े एक खास दोस्त ने स्पॉटबॉय को बताया, हर्षवर्धन कपूर को कटरीना कैफ की लव लाइफ एक चैट शो पर चर्चा नहीं करनी चाहिए थीद्य वह उन्हें जानती भी नहीं है और अगर उन्हें जानती भी थी तो भी उन्हें पहले कटरीना कैफ से उनके निजी जीवन के बारे में बात करने के लिए अनुमति लेनी चाहिए थीद्य कटरीना कैफ अपने रिश्ते को लेकर बहुत सावधान हैद्य इसके पीछे कारण यह है कि वह अपने रिश्तों को लेकर पहले बहुत बुरी तरह हर्ट हो चुकी है और अब अपने रिश्ते के बारे में शांत रहना चाहती हैं

हर्षवर्धन कपूर ने एक इंटरव्यू में कहा था, विकी कौशल और कटरीना कैफ एक-दूसरे को डेट कर रहे हैंद्य यह बात सही है और यह बात सार्वजनिक करने के लिए मैं मुश्किल में पड़ सकता हूंद्य हाल ही में इमरान हाशमी ने भट्ट परिवार के अंदरुनी कलह पर अपनी बात रखी थीद्य इसके चलते भट्ट परिवार उनसे नाराज हो गया था।

विकी कौशल और कटरीना कैफ एक-दूसरे को लंबे समय से डेट कर रहे हैंद्य हालांकि दोनों ने अभी तक अपने रिश्ते को सार्वजनिक नहीं किया हैद्य यह पहली बार है जब किसी कलाकार ने दोनों रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि की है। कटरीना कैफ का अफेयर इसके पहले रणबीर कपूर से थाद्य हालांकि बाद में दोनों का ब्रेकअप हो गया था।

कोरोना मुक्त होने के बाद कटरीना कैफ ने शुरू की स्टेप बाई स्टेप एक्सरसाइज

नई दिल्ली वार्ता। ि बॉलीवुड एक्ट्रेस कटरीना कैफ अपनी पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चा में रहती हैं। अब उन्होंने अपने कोरोना मुक्त होने के बाद से अपनी फिटनेट की ओर ध्यान देते हुए फिर वर्कआउट शुरू कर दिया है। इसकी जानकारी उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर फोटो के साथ एक पोस्ट शेयर कर दी है।इस पोस्ट को इंस्टाग्राम पर शेयर कर उन्होंने लिखा, 'कोविड से ठीक होने के बाद मुझे वापस एक्सरसाइज करने के मामले में खुद के साथ धैर्य रखना पड़ा। आपको अपनी गति से चलना होगा और अपने शरीर की सुननी होगी। लेकिन जब आप खुद को थका हुआ महसूस करें तो धीमी गति से चलना और अपने शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भरोसा करें और खुद को वक्त दें। स्टेप बाई स्टेप।'साथ ही उन्होंने अपनी इस पोस्ट के साथ इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर भी शेयर की है, जिसमें वो बेहद सुंदर दिख रही हैं। फोटो एक्ट्रेस कलर फूल जैकेट में पोज देती दिख रही हैं। आपको बता दें कि कटरीना का 6 अप्रैल को कोरोना टेस्ट पॉजीटिव आया था और 17 अप्रैल को उनका कोरोना टेस्ट नेगेटिव आया था। इसकी जानकारी उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर दी थी।

वहीं उनके वर्कफ्रंट की बात करें तो वो जल्द ही हॉरर कॉमेटी फिल्म 'फोन भूत' में नजर आने वाली हैं। फिल्म में वो उनके साथ ईशान खट्टर और सिद्धांत चतुर्वेदी भी अहम किरदार में दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं।

इसके अलावा अभिनेत्री रोहित शेट्टी के निर्देशन में बनी फिल्म 'सूर्यवंशी' में एक्टर अक्षय कुमार के साथ मुख्य किरदार में नजर आएंगी। साथ ही वो टाइगर फ्रेंचाइजी की फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान के साथ नजर आने वाली हैं। बता दें कटरीना कैफ को बड़े पर्दे पर आखिरी बार फिल्म 'भारत' में देखा गया था, इस फिल्म में बॉलीवुड के सुल्तान सलमान खान ने अहम भूमिका निभाई थी।

Nusrat Jahan Controversies

संसद में मॉर्डन ड्रेस से लेकर दुष्कर्म आरोपी से प्यार तक, नुसरत जहां का रहा विवादों से पुराना नाता

नई दिल्ली वार्ता। बंगल एक्ट्रेस और टीएमसी सांसद नुसरत जहां इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। नुसरत राजनीति और एक्टिंग दोनों ही क्षेत्रों में अपने काम को लेकर फाफी चर्चा में रहती हैं। लेकिन इन दिनों वह अपनी पर्सनल लाइफ में चल रही उथल-पुथल की वजह से खबरों में छाई हैं। नुसरत ने 19 जनवरी, 2019 को तुर्की में अपने ब्वॉयफ्रेंड निखिल जैन से शादी की थी। उनकी शादी शादी हिन्दू और इस्लामिक दोनों रीति-रिवाजों से हुई थी। शादी के बाद दोनों की कई तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आए थे। लेकिन, हाल ही में टीएमसी सांसद नुसरत जहां ने अपनी शादी को अवैध बना दिया। उन्होंने कहा कि भारत में निखिल संग उनकी शादी वैध नहीं है। वहीं इसी बीच उनके प्रेग्नेंट होने की खबर भी खूब तूल पकड़ रही है। हाल ही में बेबी बंप के साथ नुसरत की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। ऐसा पहली बार नहीं है जब नुसरत जहां विवादों में आई हैं, उनका विवादों से पुराना नाता रहा है। आइए जानते हैं कुछ अनसुने पहलू...

1.30 सितंबर 2016 को नुसरत के कथित ब्वॉफ्रेंड कादर खान को घटना के चार साल बाद सामूहिक दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया था। वही उस दौरान एक्ट्रेस की शादी होने वाली थी। यही नहीं नुसरत पर भी एक अपराधी को पनाह देने का अरोल लगा था।

2. वहीं नुसरत17-18 जून 2019 को बाकी सांसदों के साथ शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुई थी। कथित तौर पर, वह अस्वस्थ थीं और उन्हें कोलकाता के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

3. खबरों की माने तो उनके बीमार होने के पीछे दो पहलू खबरों में थे। एक, लंबे समय से अस्थमा की समस्या के कारण उन्हें सांस की बीमारी हो गई थी। वहीं दूसरा, ड्रग ओवरडोज की वजह से उन्हें परेशान हुई थी। हालांकि उनके ड्रग वाली खबर को लेकर कोई पुख्ता सबूत नहीं मिले थे न ही नुसरत या उनके परिवार ने इसको लेकर कोई बात की थी।

4. वहीं सांसद बनने के बाद साल 2019 में जब नुसरत जहां पहली बार संसद गई थी, तो वेस्टर्न ड्रेस को लेकर लोगों ने उन्हें काफी ट्रोल किया था। उन्होंने अपनी दोस्त मिमी चक्रवर्ती के साथ संसद भवन के सामने एक सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर की थी।

5. इसके बाद जब नुसरत निखिल जैन संग शादी के बाद लौटीं थीं तो वह संसद में चूड़ियां, सिंदूर और साड़ी पहनकर आने पर भी उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोलर्स का सामना करना पड़ा था।

6. वहीं अलग धर्म में शादी को लेकर भी काफी बवाल मचा था। मुफ्ती मुकर्रम अहमद, शाही इमाम, फतेहपुरी मस्जिद ने कहा था, यह शादी नहीं है। यह दिखावा है। मुसलमान और जैन दोनों इसे शादी नहीं मानेंगे। वह अब जैन या मुस्लिम नहीं है। उन्होंने बहुत बड़ा अपराध किया है और ऐसा नहीं करना चाहिए था।

7. मुफ्ती के इस बयान के अगले ही दिन उन्हें संसद में मीडिया का सामना करना पड़ा था. अगले ही दिन उनका एक बयान धक्का मत दीजिए सुर्खियों में आ गई थी।

8. निखल जैन से शादी के बाद इसी साल यानी जनवरी 2021 में नुसरत जहां का नाम उनके को-स्टार यश दासगुप्ता के साथ जुड़ा। दोनों के अफेयर्स की खबरें खूब चर्चा में आने लगीं। वहीं फरवरी 2021 के आसपास, नुसरत को उनके पति निखिल जैन द्वारा तलाक के नोटिस भेजे जाने की खबरें आई थीं। हालांकि, नुसरत ने दावा किया कि उन्हें ऐसा नोटिस कभी नहीं मिला।

9. इसके बाद इसी महीने इंस्टाग्राम पर एक रहस्यमयी पोस्ट आया, जिसमें नुसरत जहां के प्रेग्नेंट होने की बात सामने आई। एक बंगाली न्यूज वेबसाइटों ने बताया कि वह छह महीने की गर्भवती हैं और यह भी कहा जाता है कि निखिल जैन इस बात से अनजान है।

10. वहीं अब नुसरत की एक तस्वीर काफी सुर्खियों में हैं जिसतें वह बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं।

सलमान खान की राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई महाराष्ट्र के 2 सिनेमाघरों में की गई रिलीज, पहले दिन बिके मात्र 84 टिकट

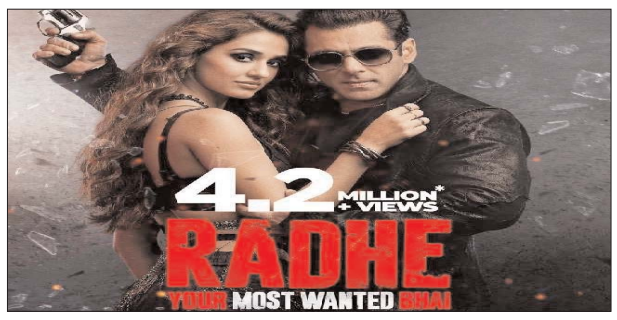

नई दिल्ली वार्ता। सलमान खान और दिशा पाटनी की फिल्म राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई इस वर्ष13 मई को रिलीज हुई हैद्य इस फिल्म को कोरोना लॉकडाउन के चलते सिनेमाघरों में रिलीज करने का अवसर नहीं मिलाद्य अब जब लॉकडाउन शिथिल हुआ है तो महाराष्ट्र के दो सिनेमाघरों में राधे- योर मोस्ट वांटेड भाई दिखाई जा रही हैंद्य हालांकि पहले दिन इस फिल्म की मात्र 84 टिकटें ही बिकी है।

बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और दिशा पाटनी की फिल्म रिलीज हो गई हैद्य कोरोना महामारी की दूसरी लहर के चलते महाराष्ट्र में कठोर नियमों को लागू किया गया थाद्य हाल ही में महाराष्ट्र में लेवल 1 और लेवल 2 की श्रेणी में आने वाले शहरों को सिनेमा हॉल खोलने की अनुमति दी गई हैद्य इसके चलते महाराष्ट्र के दो सिनेमाघर राधे योर मोस्ट वांटेड भाई रिलीज कर पाए हैंद्य इंस्टाग्राम पर जी स्टूडियो ने एक पोस्ट शेयर किया हैद्य इसमें सिनेमा देखने वाले थिएटर में फिल्म देखते नजर आ रहे हैंद्य इसमें सलमान की फिल्म दिखाई जा रही है।

फोटो शेयर करते हुए कैप्शन दिया गया है, योर मोस्ट वांटेड भाई इज वेटिंग इन मालेगांव इसके अलावा यह फिल्म औरंगाबाद के सिनेप्लेक्स में भी दिखाई जा रही हैद्य मालेगांव में इसके 2 शो दिखाये जा रहे हैंद्य वही सिनेप्लेक्स में दिन में चार बार यह दिखाई जा रही हैद्य एक रिपोर्ट के अनुसार 7-30 बजे के शो के लिए ड्राइव इन सिनेमा में फिल्म देखने22 लोग आएद्य जबकि 40 लोगों ने कुर्सी पर बैठकर यह सिनेमा देखाद्य वहीं सिनेमाघर के मैनेजर ने कहा कि 9-30 बजे का शो कैंसिल करना पड़ा क्योंकि कोई भी देखने नहीं आयावहीं खिंवासरा सिनेप्लेक्स के मैनेजर सुभाष कोटेचा ने कहा है कि शो की 22 टिकटें बिकी हैद्य हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि 4 में से 2 शो कैंसिल कर दिए जाएंगेद्य गौरतलब है कि सलमान खान की फिल्म राधे योर मोस्ट वांटेड भाई अपनी रिलीज से ही चर्चा में हैद्य इस फिल्म को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की मिलाजुली प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।

जाह्नवी कपूर ने कराया ग्लैमरस अंदाज में फोटोशूट, तस्वीरें हुई वायरल

नई दिल्ली वार्ता। जिाह्नवी कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैद्य दरअसल जाह्नवी कपूर नेहाल ही में फोटोशूट करवाया हैद्य उन्होंने यह फोटोशूट अपने गार्डन में करवाया हैद्य इसमें जाह्नवी कपूर काफी खूबसूरत नजर आ रही हैद्य वह तस्वीरों में स्माइल कर रही हैंद्य उन्होंने वाइट कलर की ड्रेस पहन रखी हैद्य जाह्नवी कपूर के बाल खुले हुए हैंद्य उन्होंने सिल्वर इअरिंग और नेकलेस भी पहन रखी है।

फोटो शेयर करते हुए जाह्नवी कपूरने लिखा है, जिन लोगों को डांस करते हुए देखा गया, उन्हें उन लोगों द्वारा पागल समझा गया, जिन्हें संगीत की समझ नहीं थी। जाह्नवी कपूर की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो गई हैद्य उनके फैंस फोटो पर जमकर कमेंट कर रहे हैंद्य इसके पहले भी जाह्नवी कपूर अक्सर अपनी तस्वीर शेयर करती रही हैं जो कि बड़ी तेजी से वायरल होती रही हैद्य जाह्नवी कपूर पिछली बार फिल्म रूही में नजर आई थीद्य इस फिल्म में उनके अलावा राजकुमार और वरुण शर्मा की अहम भूमिका थीद्य यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थीद्य जाह्नवी कपूर जल्द फिल्म गुडलक जेरी में नजर आएंगीद्य इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो गई हैद्य हाल ही में जाह्नवी कपूर की फिल्म कार्तिक आर्यन ने छोड़ दी हैद्य ऐसा कहा जा रहा है कि कार्तिक आर्यन और जाह्नवी कपूर के बीच अनबन थी और दोनों के बीच बातचीत भी बंद थीद्य इसके चलते जाह्नवी कपूर की फिल्म कार्तिक आर्यन ने छोड़ दी हैद्य वहीं कई लोग यह कह रहे हैं कि उन्हें करण जौहर ने फिल्म से निकाल दिया हैद्य जाह्नवी कपूर फिल्म अभिनेत्री हैंद्य वह कई फिल्मों में अहम भूमिका निभा चुकी है।जाह्नवी कपूर ने सोशल मीडिया पर सक्रिय हैद्य वह अक्सर अपने फैंस से बातचीत करती हैद्य इसके चलते उनके फैंस भी उन्हें लेकर काफी उत्साहित रहते हैद्य जाह्नवी कपूर जिम और योग सेंटर के बाहर भी स्पॉट की जाती है।

एक ही फ्रेम में नजर आया रामायण की सीता का पूरा परिवार

बेटियों के साथ मॉर्डन लुक में नजर आई दीपिका चिखलिया

नई दिल्ली वार्ता। ि रामानंद सागर का चर्चित सीरियल रामायण लॉकडाउन में पुन- प्रसारित किया जा रहा है। रामायण आज भी घर-घर में लोकप्रीय है। रामायण ने टीआरपी के अबतक के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। रामायण के फिर से शुरू होने के बाद इस शो के सभी स्टारकास्ट एक बार फिर से लाइम लाइट में आ गए हैं। वहीं इस शो में सीता का किरदार निभा चुकीं दीपिका चिखलिया भी सोशल मीडिया पर इन दिनों काफी सक्रीय हैं। दीपिका लगातार शो से जुड़ी तस्वीरें और वीडियोज के साथ अपनी और फैमिली की फोटोज शेयर करती नजर आ रही हैं। इसी बीच दीपिका ने अपनी फैमिली संग तस्वीरें शेयर की हैं। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का पूरा परिवार एक ही फ्रेम में नजर आ रहा है। उनकी इस फोटो को सोशल मीडिया पर काफी पसंद किया जा रहा है।

दीपिका चिखलिया ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी फैमिली की तस्वीर शेयर की है। पहली फोटो में दीपिका के साथ उनके पति और दोनों बेटियां और एक लड़का नजर आ रहा हैं। वहीं दूसरी तस्वीर में दीपिका उनके पति और दोनों बेटियां हैं। इस दौरान सभी काफी खुश नजर आ रहे हैं। वहीं तस्वीर में आप देख सकते हैं कि दीपिका वनपीस ड्रेस में काफी मॉर्डन लग रही हैं। वहीं देखा जाए तो पहली नजर में दीपिका ने खुद को इतना मेंटेन कर रखा है कि बेटियों और मां में अंतर कर पाना काफी मुश्किल होगा। दीपिका की इन तस्वीरों को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रसे ने कैप्शन में लिखा, परिवार - और परिवार की सुख-सुविधाएं...बीमारी, सेहत, मौज-मस्ती, बुरे समय में....दूसरें साथ छोड़ देते हैं लेकिन परिवार एक साथ खड़े रहते हैं।

आपको बता दें कि रामायण में सीता माता के किरदार के अलावा दीपिका विक्रम और बेताल, लव-कुश, 'दादा-दादी की कहानी, द स्वोर्ड ऑफ टीपू सुल्तान जैसे कई सीरियल के जरिए भी दर्शकों का मनोरंजन चुकी हैं। वहीं अब दीपिका जल्द ही सरोजनी नायडू की बायोपिक में भी नजर आने वाली हैं।

इसके अलावा अगर उनकी फिल्मों की बात करें तो उन्होंने साल 1983 में आई फिल्म सुन मेरी लैला से करियर की शुरुआत की थी। इसके अलावा उन्होंने भगवान दादा, चीख, खुदाई, रात के अंधेरे में जैसी फिल्मों में काम किया। वहीं हिंदी सिनेमा में ही नहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी अपनी एक्टिंग का जलवा बिखेरा। वहीं दीपिका ने बंगाली और तमिल फिल्म में भी काम किया है। हाल ही में दीपिका चिखलिया को आयुष्मान खुराना, यामी गौतम और भूमि पेडनेकर स्टारर बाला में देखा गया था। इस मूवी में उन्होंने यामी गौतम की मां कि किरदार निभाया था।

अर्थव्यवस्था के लिए 6.28 लाख करोड़ रुपए का पैकेज

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना महामारी के कारण धीमी पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में 6.28 लाख करोड़ रूपये का निवेश करने और नए सुधारों तथा रियायतों का एलान किया है।श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आठ राहत उपायों का एलान किया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए 6,28,993 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन पैकेज दिया जायेगा। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार कोरोना महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत करेगी। इसके लिए भारी निवेश किया जाएगा। देश के मध्यम स्तर के शहरों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जाएगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने 1.1 लाख करोड़ रुपये का कोष %क्रेडिट गारंटी योजना % के लिए आवंटित किया है। कोविड से प्रभावित क्षेत्रों को इससे मदद मिलेगी। आठ महानगरों को छोडकर दूसरे शहरों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के लिए सरकार 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके तहत सरकार कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करायेगी। योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का अधिकतम ऋण होगा। इस ऋण पर सरकार की गारंटी भी होगी। बिजली क्षेत्र में 3.03 लाख करोड़ रूपये का निवेश होगा।श्रीमती सीतारमण ने कहा कि सरकार ने बिजली क्षेत्र में भी सुधार के लिए कदम उठाया है। इसके लिए स्मार्ट मीटर लगाने पर जोर होगा। बच्चों के लिए अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए 23 हजार 220 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके तहत बच्चों के लिए आईसीयू बेड सहित अन्य सुविधाएं बनाई जाएंगी। यह राशि अगले साल 31 मार्च तक खर्च होगी। पिछले साल भी सरकार ने अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए 15000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्रेडिट गारंटी योजना के तहत 1.5 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण का प्रावधान किया गया है। क्रेडिट गारंटी योजना से 25 लाख छोटे उद्यमियों को इसका फायदा मिलेगा। इसकी समय अवधि अधिकतम तीन साल की होगी। इसका लाभ 31 मार्च 2022 तक उठाया जा सकता है।

श्रीमती सीतारमण ने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में टूरिस्ट गाइड और इस तरह के दूसरे के लोगों के लिए मदद दी जाएगी। इसका लाभ 11000 टूरिस्ट गाइड को इसका लाभ मिलेगा। एक लाख रुपये तक की सहायता टूरिस्ट गाइड को दी जाएगी। टूरिस्ट एजेंसी को 10 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी।

भारत आने वाले पहले पांच लाख टूरिस्ट को वीजा शुल्क नहीं देना पड़ेगा। यह योजना अगले साल 31 मार्च तक जारी रहेगी। इस पर कुल 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे।वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुना करने पर ध्यान दे रही है। इसके लिए ज्यादा पोषक तत्व वाली बायो फसल तैयार करने पर काम चल रहा है। इससे कुपोषण की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी। इसके लिए अनाज की 21 किस्में तैयार की गई हैं।

उत्तरपूर्वी राज्यों के किसानों के लिए 70.45 करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया है। इससे उत्तरपूर्वी राज्यों के किसानों के लिए फसल की अच्छी कीमत मिल सकेगी। इसके लिए इस राशि से बुनियादी सुविधाओं का विकास होगा।

श्रीमती सीतारमण ने निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भी 33 हजार करोड़ रुपये की मदद देने की एलान किया। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के तहत सभी गांवों को ब्रॉडबैंड के तहत लाया जाएगा। जिसमें 19041 करोड़ रुपये का खर्च होगा। इससे उन गांवों को भी इंटरनेट से जोड़ दिया जाएगा। भारतनेट के पीपीपी मॉडल के तहत 16 राज्यों में इस योजना को लागू किया जा रहा है।

सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन-पीएलआई योजना की अवधि एक साल के लिए बढ़ा दी है। अब यह योजना पांच साल के लिए होगी। इस के तहत देश में उत्पादों के निर्माण पर कंपनियों को रियायतें दी जाती है। पिछले साल भी सरकार ने मजबूती देने के लिए 20 लाख करोड़ रुपये के पैकेज का एलान किया था।

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए पर्यटन, स्वास्थ्य और कृषि में भारी निवेश करेगी सरकार

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना महामारी के कारण धीमी पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में भारी निवेश करने और नए सुधारों तथा रियायतों का एलान किया है।

श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आठ राहत उपायों का एलान किया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत करेगी। इसके लिए भारी निवेश किया जाएगा। देश के मध्यम स्तर के शहरों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने 1.1 लाख करोड़ रुपये का कोष क्रेडिट गारंटी योजना के लिए आवंटित किया है। कोविड से प्रभावित क्षेत्रों को इससे मदद मिलेगी। आठ महानगरों को छोडकर दूसरे शहरों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के लिए सरकार 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके तहत सरकार कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करायेगी। योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का अधिकतम ऋण होगा। इस ऋण पर सरकार की गारंटी भी होगी।

ड्राइविंग टेस्ट देने की नहीं होगी जरूरत! नए नियम जुलाई से होंगे लागू

नयी दिल्ली वार्ता। मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, यह प्रक्रिया तकनीक से संचालित होगी और इसमें किसी भी अन्य व्यक्ति की जरूरत नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक, मान्यता केवल उन केंद्रों को दी जाएगी जो ड्राइविंग ट्रैक, आईटी और बायोमेट्रिक सिस्टम के मानदंडों को पूरा कर पाएंगे।

ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नियम जुलाई से बदलने वाले है। जी हां, सड़क परिवहन मंत्रालय ने एक नया नियम अधिसूचित किया है जिसके मुताबिक अब आपको लाइसेंस बनवाने के लिए ऋ्रह्र के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे और साथ ही कोई टेस्ट देने की भी जरूरत नहीं होगी। बता दें कि लाइसेंस के लिए आप किसी भी मान्यता प्राप्त ड्राइविंग सेंटर्स में अप्लाई कर सकते हैं जिसके बाद अपनी ट्रेनिंग पूरी होने के बाद आपको एक टेस्ट पास करना होगा और तभी आपको लाइसेंस जारी किया जाएगा। इसके लिए आपको किसी भी आरटीओ ऑफिस में जाकर ड्राइविंग टेस्ट देने की जरूरत नहीं होगी। टीओआई में छपी एक खबर के मुताबिक, आपके लाइसेंस की पूरी प्रक्रिया को रिकॉर्ड किया जाएगा। यह रिकॉर्डिंग पूरी तह से इलेक्ट्रॉनिकली होगी।

मंत्रालय से जुड़े एक अधिकारी के मुताबिक, यह प्रक्रिया तकनीक से संचालित होगी और इसमें किसी भी अन्य व्यक्ति की जरूरत नहीं होगी। जानकारी के मुताबिक, मान्यता केवल उन केंद्रों को दी जाएगी जो ड्राइविंग ट्रैक, आईटी और बायोमेट्रिक सिस्टम के मानदंडों को पूरा कर पाएंगे और निर्धारित सिलेबस के अनुसार टेस्ट देंगे। एक बार केंद्र प्रमाण पत्र जारी होने के बाद, यह संबंधित मोटर वाहन लाइसेंस अधिकारी तक पहुंच जाएगा। नियम जुलाई से लागू होंगे, यानी ड्राइवर ट्रेनिंग के लिए ऐसी सुविधाएं चलाने के इच्छुक लोग और संस्थान राज्य सरकारों को आवेदन करना शुरू कर सकते हैं।

शिखर को छूकर लुढ़का शेयर बाजार

मुंबई, वार्ता। वैश्विक स्तर पर रही गिरावट का असर आज घरेलू शेयर बाजारों पर भी दिखा और सुबह के कारोबार में ऐतिहासिक उच्चतम स्तर को छूने के बाद बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 189.45 अंक यानी 0.36 प्रतिशत लुढ़ककर 52,735.59 अंक पर तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 45.65 अंक यानी 0.29 प्रतिशत टूटकर 15,814.70 अंक पर आ गया।

सुबह शेयर बाजार तेजी में खुले थे, लेकिन आईटी और टेक क्षेत्र की कंपनियों के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में बिकवाली से कुछ ही देर में लाल निशान में चला गया। इससे पहले सेंसेक्स 53,126.73 अंक के ऐतिहासिक स्तर पर भी पहुँचा। निफ्टी भी सुबह के कारोबार में 15,915.65 अंक के शिखर तक पहुँचने में कामयाब रहा।बड़ी कंपनियों की बजाय निवेशकों ने मझौली और छोटी कंपनियों में विश्वास दिखाया। बीएसई का मिडकैप 0.40 प्रतिशत चढ़कर 22,638.82 अंक पर और स्मॉलकैप 0.46 प्रतिशत की बढ़त में 25,111.36 अंक पर पहुँच गया।

ऊर्जा, आईटी, टेक और दूरसंचार क्षेत्र की कंपनियों पर दबाव रहा जबकि धातु और स्वास्थ्य क्षेत्र की कंपनियों में तेजी रही।

सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटनका शेयर 1.56 प्रतिशत, टीसीएस का 1.33 प्रतिशत और एचसीएल टेक्नोलॉजीज का एक प्रतिशत की गिरावट में में बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 0.87 प्रतिशत लुढ़क गया।डॉ. रेड्डीज लैब में सर्वाधिक 1.75 प्रतिशत की तेजी रही। टाटा स्टील का शेयर 1.64 फीसदी और टेक महिंद्रा का 1.43 प्रतिशत चढ़ा।

एशियाई शेयर बाजारों में गिरावट रही। हांगकांग का हैंगसेंग 0.07 प्रतिशत, जापान का निक्केई 0.06 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी तथा चीन का शंघाई कंपोजिट 0.03 प्रतिशत टूट गये। यूरोप में शुरुआती कारोबार में ब्रिटेन का एफटीएसई 0.61 फीसदी और जर्मनी का डैक्स 0.38 फीसदी कमजोर हुआ।सेंसेक्स 201.69 अंक की बढ़त में 53,126.73 अंक के ऐतिहासिक उच्चतम स्तर पर खुला, लेकिन इसके बाद लाल निशान में चला गया और पूरे दिन उबर नहीं सका। कारोबार की समाप्ति से पहले यह 52,673.50 अंक तक लुढ़क गया। अंत में 0.36 फीसदी नीचे 52,735.59 अंक पर बंद हुआ।बीएसई में कुल 3,474 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ। इनमें 1,863 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ और 1,457 के गिरावट में बंद हुये जबकि शेष 154 कंपनियों के शेयर अपरिवर्तित रहे।

इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों के लिए प्रोत्साहन योजना की अवधि बढ़ी

नयी दिल्ली वार्ता। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना की अवधि एक साल बढ़ा दी है।

कोविड-19 महामारी के दौरान मोबाइल, टेलीविजन, कंप्यूटर तथा दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के देश में निर्माण को बढ़ावा देने के लिए यह योजना पिछले साल लॉन्च की गई थी। इसकी अवधि वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक रखी गई थी। इसके तहत उत्पादों की बढ़ी हुई बिक्री पर चार से छह प्रतिशत तक की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज एक प्रेस वार्ता में बताया कि इस योजना का 2025-26 तक विस्तार किया जा रहा है। देश में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद बनाने वाली कोई भी कंपनी अपनी बिक्री बढ़ाने में असफल रही। महामारी के कारण उनका उत्पादन प्रभावित हुआ, संयंत्र स्थानांतरण में विलंब हुआ और आपूर्ति श्रृंखला पर असर पड़ा।

श्रीमती सीतारमण ने बताया कि इस योजना का लाभ उठाने की इच्छुक कंपनियों के पास योजना अवधि में शामिल छह वित्त वर्षों में प्रोत्साहन राशि के लिए कोई भी पाँच वित्त वर्ष चुनने का विकल्प होगा। वित्त वर्ष 2020-21 में किये गये निवेश पर भी प्रोत्साहन राशि दी जा सकती है।

कोरोना संकट के दौरान गेहूं की रिकार्ड खरीद .सीतारमण

नयी दिल्ली वार्ता। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज कहा कि कोरोना संकट के दौरान किसानों को बड़ी राहत दी गयी है और उनसे बड़े पैमाने पर गेहूं की खरीद तथा उर्वरकों पर अतिरिक्त सब्सिडी दी गयी है जिससे कृषि लागत मूल्य कम रहे ।श्रीमती सीतारमण ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस बार रबी खरीद सीजन के दौरान रिकार्ड 432.48 लाख टन गेहूं की न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर खरीद की गयी है । इसके लिए किसानों को 85413 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया । वर्ष 2020 ..21 के दौरान 389.92 लाख टन गेहूं की खरीद की गयी थी ।वर्ष 2020..21 में पोषक तत्व आधारित उर्वरकों के लिए सब्सिडी 27500 करोड़ रुपये थी । वर्ष 2021..22 के दौरान इसे बढ़ाकर 42275 करोड़ रुपये कर दिया गया है । नयी व्यवस्था के तहत डीएपी पर 9125 करोड रुपये तथा एनपीके पर 5650 करोड़ रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी दी गयी है ।उन्होंने कहा कि पहले फसलों की अधिक उपज देने वाली किस्मों को ध्यान में रखकर अनुसंधान किया जाता था जबकि पोषण , जलवायु परिवर्तन और कई अन्य चीजों पर ध्यान कम था । भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने फसलों की बायो फोर्टिफाइड किस्में विकसित की है जो प्रोटीन , आयरन , जिंक और विटामिन ए से भरपूर है । फसलों की रोग और कीट प्रतिरोधक ,सूखे की समस्या को सहने तथा जल्दी तैयार होने वाली किस्मों को विकसित किया गया है । धान , मटर , बाजरा , मक्का , सोयाबीन , किनोवा , ज्वार आदि की 21 किस्में विकसित की गयी है ।

पूर्वोत्तर क्षेत्र के किसानों के फसलों और बागवानी उत्पादों के लाभकारी मूल्य दिलाने के प्रयास किये जा रहे हैं । इस क्षेत्र में कृषि को बढावा देने तथा उसकी खरीद , प्रसंस्करण और विपणन को बढावा देने के उपाय किये जा रहे हैं । इस क्षेत्र में 75 किसान उत्पादक संगठन निबंधित किये गये हैं । इसके अलावा भी इस क्षेत्र के विकास के लिए कई अन्य प्रयास किये जा रहे हैं ।

क्या प्रकाशकों को सच में मिली गूगल और फेसबुक द्वारा 600 मिलियन डॉलर की वित्तीय सहायता?

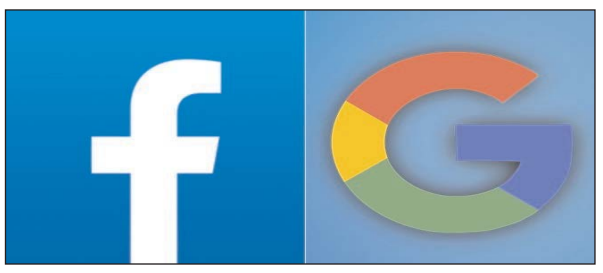

नयी दिल्ली वार्ता।दूसरी ओर कई मीडिया विश्लेषकों और समाचार व्यवसाय के अधिकारियों ने यह भी दावा किया की गूगल और फेसबुक ने जिस फंडिंग को निर्धारित किया है उससे प्रशासकों के विज्ञापन राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई नहीं हो पा रही है।

तकनीक और इंटरनेट के जमाने में ऑनलाइन न्यूज़ कमाई का अच्छा जरिया बनता जा रहा है। इन्हीं सबके बीच नियामक और राजनीतिक दबाव को ध्यान में रखते हुए फेसबुक और गूगल ने विश्व स्तर पर समाचार आउटलेट को सहयोग देने की बात करते हुए संयुक्त रूप से 600 मिलियन डॉलर की प्रतिबद्धता जताई थी। इसे डिजिटल युग के लिए क्रांतिकारी कदम माना जा रहा था। यह भी कहा जा रहा था कि इससे डिजिटल क्षेत्र में नए लोग जुड़ेंगे।तकनीक की इन दोनों दिग्गज कंपनियों के घोषणा के अनुसार अब तक हजारों मीडिया आउटलेट्स को फैक्ट चेकिंग और रिपोर्टिंग से लेकर ट्रेनिंग तक की हर चीज के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। इनके अनुसार कुछ प्रशासकों ने इनका आभार भी जताया है। लेकिन साथ ही साथ यह भी कहा जा रहा है कि तकनीक के इन बड़ी कंपनियों के इस घोषणा के बाद से समाचार आउटलेट्स के कारोबार पर फर्क पड़ा है और विज्ञापन राजस्व में गिरावट आई है।

दूसरी ओर कई मीडिया विश्लेषकों और समाचार व्यवसाय के अधिकारियों ने यह भी दावा किया की गूगल और फेसबुक ने जिस फंडिंग को निर्धारित किया है उससे प्रशासकों के विज्ञापन राजस्व में हुए नुकसान की भरपाई नहीं हो पा रही है। उनका यह भी दावा है कि तकनीकी कंपनियों ने डिजिटल विज्ञापन व्यापार पर कब्जा कर लिया है। एक मार्केट रिसर्च कंपनी द्गरूड्डह्यद्गह्लद्गह्र के अनुसार, 2020 में त्रश्शद्दद्यद्ग और स्नड्डष्द्गड्डश्शद्म ने अमेरिकी डिजिटल विज्ञापन राजस्व का 54त्न मार्किट कैप्चर किया हुआ है।कुछ प्रकाशकों का यह भी आरोप है कि तकनीक की इन दोनों कंपनियों के ऐलान के अनुसार किसको कितनी फंडिंग की गई और कब की गई, इसके बारे में कुछ भी साफ नहीं है। यही कारण है कि अब कुछ प्रकाशक इनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात कर रहे हैं। उन प्रकाशकों का यह भी कहना है कि हमें ग्रांट देने की बजाय पहले जैसी स्थिति को बहाल कर दिया जाए। हम उससे ही अपने नुकसान की भरपाई कर लेंगे। इसके साथ ही गूगल ने मंगलवार को भारत में 30 समाचार संगठनों के साथ अपने न्यूज शोकेस की पेशकश की, जिसका मकसद गूगल के समाचार और खोज मंचों पर गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदर्शित करने के लिए प्रकाशकों को प्रोत्साहित करना और समर्थन देना है। इसके साथ ही गूगल भारत में अगले तीन वर्षों के दौरान समाचार संगठनों और पत्रकारिता विद्यालयों के 50,000 पत्रकारों और पत्रकारिता के छात्रों को डिजिटल हुनर सिखाएगा। गूगल के उपाध्यक्ष (उत्पाद प्रबंधन) ब्रैड बेंडर ने कहा, ''हम अब प्रकाशकों की मदद के लिए न्यूज शोकेस पेश कर रहे हैं, ताकि लोगों को भरोसेमंद खबर मिल सके, विशेष रूप से इस महत्वपूर्ण समय में जब कोविड संकट जारी है। समाचार शोकेस दल प्रकाशकों की पसंद के अनुसार लेखों को बढ़ावा देता है, और उन्हें खबर के साथ अतिरिक्त संदर्भ देने की अनुमति भी देता है, ताकी पाठकों में इस बात की बेहतर समझ बन सके कि उनके आसपास क्या हो रहा है।''

मॉन्डेलीज़ इंडिया ने लॉन्च किया बोर्नविटा क्रेंची

नयी दिल्ली वार्ता। देश के पसंदीदा स्नैकिंग ब्रांड्स कैडबरी डेयरी मिल्क, बोर्नविटा और ओरियो उत्पादक तथा बेकर्स मॉन्?डेलीज़ इंडिया ने बोर्नविटा क्रंची लॉन्च के साथ होलसम बिस्किट्स वर्ग में अपना विस्तार करने की घोषणा की है।इस नए उत्पाद ए क्रंची बाइट ऑफ होलग्रेन्स एंड बैरीज के साथ, कंपनी अपनी बेटर फॉर यू उत्पाद पेशकश को और मजबूत बना रही है। साथ ही संतुलित पौष्टिक स्नैक्स की तलाश कर रहे उपभोक्ताओं की जरूरतों को लगातार पूरी कर रही है। बोर्नविटा क्रंची दिसंबर 2020 के मध्य से देश भर की दुकानों में उपलब्ध होगा।मॉन्डेलीज़ इंडिया में विपणन (बिस्किट्स) के सहायक निदेशक सुधांशु नागपाल ने लांच पर कहा, हाल ही में जारी स्टेट ऑफ स्नैकिंग रिपोर्ट के अनुसार अधिकांश भारतीय वयस्कों पहले से ज्यादा स्नैक्स खाने को स्वीकार किया है।

एसबीआई और डाकघर आवर्ती जमा में बेहतर कौन, देखें लेटेस्ट ब्याज दरें

नयी दिल्ली वार्ता।भारतीय स्टेट बैंक और पोस्ट ऑफिस अपने ग्राहकों को आवर्ती जमा के लिए प्रोत्साहित करते हैं। बहुत से निवेशकों के लिए लघु बचत का यह आसान माध्यम है। खाते के लिए एक बार तय की गई किस्त राशि बदली नहीं की जा सकती। बता दें आवर्ती जमा खाता बैंकों द्वारा दी जाने वाली एक प्रकार की सावधि जमा है। आइए जानें भारतीय स्टेट बैंक और पोस्ट ऑफिस के ऋ्रष्ठ में कौन बेहतर है...एसबीआई आरडी ब्याज दरें आम जनता के लिए 5त्न -5.4त्न और वरिष्ठ नागरिकों के लिए 50 आधार अंकों की अतिरिक्त ब्याज दर में भिन्न होती हैं। ये दरें 8 जनवरी 2021 से प्रभावी हैं। डाकघर आरडी 5.8त्न सालाना ब्याज की पेशकश करते हैं, जो तिमाही में कंपाउंडिंग करते हैं। ये दरें 1 जनवरी 2021 से प्रभावी हैं।एसबीआई आवर्ती जमाओं में 1 से 10 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि होती है, लेकिन पोस्ट ऑफिस केवल 5 वर्ष के लिए आरडी देते हैं।एसबीआई आरडी खाता चेक / नकद द्वारा खोला जा सकता है, लेकिन एक डाकघर में एक आरडी खाता केवल नकद द्वारा खोला जा सकता है।आप नेट बैंकिंग सुविधा के माध्यम से ऑनलाइन एसबीआई आरडी खाता खोल सकते हैं, लेकिन पोस्ट ऑफिस आरडी खाता खोलने के लिए आपको पोस्ट ऑफिस शाखा में जाना होगा। एसबीआई आरडी खाते में, ग्राहकों को न्यूनतम 100 रुपये की मासिक किस्त या 10 के गुणकों में करना आवश्यक है। जमा पर कोई अधिकतम सीमा नहीं है, लेकिन पोस्ट ऑफिस में आरडी खाता खोलने के लिए आवश्यक न्यूनतम राशि 10 रुपये प्रति माह या 5 के गुणकों में कोई राशि है। हालांकि, निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है।सरकार डाकघर के लिए 5-वर्षीय आरडी दर का फैसला करती है। हालांकि, एसबीआई के लिए ब्याज दर साल-दर-साल भिन्न-भिन्न होती हैं।

Social Media influencer बनकर खूब करें कमाई, निवेश की भी जरूरत नहीं

नई दिल्ली वार्ता। जैसा की नाम में ही सोशल मीडिया, इस से इस बात का तो पता चल ही जा रहा है कि जो लोग भी सोशल मीडिया से जुड़े हैं उन्हीं के लिए यह काम है। आप सोशल मीडिया पर अपनी जानकारी और रुचि के हिसाब से बनाए गए वीडियो को डाल सकते है और इसे साझा कर सकते है। कुल मिलाकर देखे तो सोशल मीडिया पर हम दो तरह से काम करते है।

आज इंटरनेट के दौर में हम घर बैठे पैसे कमाने के लिए लगातार सोचते हैं। इंटरनेट और सोशल मीडिया ने आजकल कमाई के कई और विकल्प हमारे सामने रखे है। सोशल मीडिया के जरिए आप घर बैठे लाखों की कमाई कर सकते हैं। बशर्ते इसके लिए आपके पास कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। अगर आपके पास स्मार्टफोन भी है तो भी आप सोशल मीडिया के जरिए कमाई कर सकते हैं। अब तक हमने आपको वेबसाइट, ब्लॉक, एफिलिएट मार्केटिंग, डिजिटल मार्केटिंग और यूट्यूब के जरिए पैसे कैसे कमाए जाते हैं इसके बारे में बताया है। आज हम आपको यह बताने जा रहे हैं कि कैसे स्श्ष्ठ्ठड्डद्य स्द्गस्त्रद्बड्ड द्बठ्ठद्धद्यह्ल-द्गठ्ठष्द्गह्र बनकर आप भी पैसे कमा सकते हैं।जैसा की नाम में ही सोशल मीडिया, इस से इस बात का तो पता चल ही जा रहा है कि जो लोग भी सोशल मीडिया से जुड़े हैं उन्हीं के लिए यह काम है। आप सोशल मीडिया पर अपनी जानकारी और रुचि के हिसाब से बनाए गए वीडियो को डाल सकते है और इसे साझा कर सकते है। कुल मिलाकर देखे तो सोशल मीडिया पर हम दो तरह से काम करते है। पहला तो यह है कि हम दूसरों का पोस्ट देखने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं जबकि दूसरा है कि हम खुद के पोस्ट को डालने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करते हैं। कई बार हम कंटेंट को इंटरेस्टिंग बनाने के लिए काफी मेहनत करते है। कुल मिलाकर हम इसे आसान शब्दों में दो भाग में बांट सकते हैं। एक के लिए क्रिएटर शब्द का इस्तेमाल कर सकते हैं जबकि दूसरे के लिए ऑडियंस का इस्तेमाल कर सकते हैं। यहां ऑडियंस वह होता है जो दूसरे के पोस्ट को देखता है, पसंद करता है और बार-बार देखना चाहता है। जबकि क्रिएटर वह होता है जो अपने पोस्ट को इंटरेस्टिंग तरीके से सोशल मीडिया पर पेश करता है और उसे लोगों तक पहुंचाने के लिए मेहनत करता है। यही क्रिएटर आगे चलकर बन जाता है। वह होता है जिसके काम को लोग पसंद करने लगते हैं, उसके पोस्ट को हजारों लाखों में लाइक मिलते हैं और हर रोज वह नए लोगों को अपने साथ जोड़ता है। स्श्ष्ठ्ठड्डद्य स्द्गस्त्रद्बड्ड द्बठ्ठद्धद्यह्लद्गठ्ठष्द्गह्र इंस्टाग्राम, फेसबुक और यूट्यूब के जरिए लोगों में लोकप्रियता हासिल करता है।

एक वक्त था जब फिल्मी स्टार, क्रिकेटर या फिर नेताओं के सोशल मीडिया अकाउंट पर हजारों लाखों फॉलोअर्स हुआ करते थे लेकिन अब ऐसा नहीं है। अब कई ऐसे फेसबुक पेज और इंस्टाग्राम अकाउंट तथा यूट्यूब चैनल हैं जहां कोई स्टार नहीं जुड़ा है फिर भी उसके फॉलोअर्स लाखों में हैं।इंटरनेट के माध्यम से हर रोज नए-नए द्बठ्ठद्धद्यह्लद्गठ्ठष्द्गह्र सामने आ रहे हैं और सोशल मीडिया पर अपनी अलग पहचान बना रहे हैं। लेकिन सवाल यह उठता है कि आखिर सोशल मीडिया कैसे बने?

1- इसके लिए सबसे पहले आपको एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म चुनना होगा। इसमें आप फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, लिंकड्इन में से किसी एक का चयन कर सकते हैं। अगर आप चाहे तो एक साथ सभी प्लेटफार्म का इस्तेमाल कर सकते हैं। परंतु शुरुआत में इनको मैनेज करने में आपको मशक्कत का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप पहले एक ही प्लेटफार्म को चुने और लोकप्रियता के बाद अपने आप सभी प्लेटफार्म पर आपको अच्छे खासे फॉलोअर्स आने लगेंगे।

2- प्लेटफार्म चुनने के बाद आपको कंटेंट का चयन करना होगा। आपका कंटेंट नया हो, अलग हो इस बात का हमेशा ध्यान रखना होगा। इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि आपके कंटेंट से किसी को बुरा ना लगे और कंटेंट पूरी तरह से आपकी हो।

3- अपने कंटेंट को आकर्षक ढंग से प्रस्तुत करें। बेहतर तरीके से लोगों को समझाने की कोशिश करें। साथ ही साथ आपका कंटेंट ऐसा होना चाहिए कि आम लोग भी इसको समझ सके। इसके लिए आपका प्रेजेंटेशन स्किल और कम्युनिकेशन स्किल मायने रखता है।

4- सोशल मीडिया पर अपने कंटेंट को डालने में आप निरंतरता रखें। ऐसा ना हो कि एक कंटेंट आज गया और एक दूसरा कंटेंट दो-तीन सप्ताह बाद या महीने बाद जा रहा है। अगर ऐसा होता है तो इससे आपके ऑडियंस टूटते हैं।

नेक्सजू मोबिलिटी ने लांच की ई साईकिल

नई दिल्ली वार्ता। सस्टेनेबल मोबिलिटी प्रदाता नेक्सजू मोबिलिटी ने अपने ईवी के पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए नई साइकिलरोम्पस प्लस लांच करने की घोषणा की है।

कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह एक इनोवेटिव 3-स्पीड ईवी है, जिसका इस्तेमाल स्कूटर या साइकिल के रूप में किया जा सकता है। इसमें 36 वोल्ट का बीएलडीसी मोटर लगा है। इसमें इन फ्रेम 36वोल्ट, 5.2एएच लिथियम आयन बैटरी है ।यह महज 2.5 से 3 घंटे में फुल चार्ज होती है । 25 किमी प्रति घंटे की गति और ऑटो कटऑफ फीचर के साथ, यह ईवी थ्रोटल मोड पर 25 किमी की रेंज और इको पेडेलक मोड पर 35 किमी की सवारी प्रदान करती है। इसकी कीमत 31,983 रुपए है।

देश में म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण से 3129 लोगों की मौत

नयी दिल्ली वार्ता। स्वास्थ्य मंत्री डा. हर्षवर्धन ने आज कहा कि कोविड-19 के इस चरण में म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमण के कुल 40,845 मामले सामने आए हैं जिनमें से 3129 लोगों की मृत्यु हुयी है ।डॉ. हर्षवर्धन ने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से कोविड-19 पर उच्च स्तरीय मंत्री समूह (जीओएम) की 29वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि म्यूकोरमाइकोसिस संक्रमितों में से 31,344 मामले राइनोसेरेब्रल प्रकृति के हैं। संक्रमण से 3,129 लोगों की मृत्यु हुई है। कुल 34,940 रोगियों में कोविड (85.5 प्रतिशत), 26,187 (लगभग 64.11 प्रतिशत) मधुमेह के लिए सह-रुग्ण थे जबकि 21,523 (52.69 प्रतिशत) संक्रमित लोग स्टेरॉयड पर थे। कुल 13,083 मरीज (32 प्रतिशत) 18-45 वर्ग में थे, 17,464 (42 प्रतिशत) 45-60 आयु वर्ग में थे जबकि 10,082 (24 प्रतिशत) रोगियों की उम्र 60 वर्ष से अधिक थी।5बैठक में नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अश्विनी कुमार चौबे भी शामिल हुए। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. विनोद के पॉल वर्चुअल रूप से उपस्थित थे।

मंत्रियों के समूह ने कोविड प्रबंधन में अथक परिश्रम से काम करने वाले लोगों की तथा देश भर में कोविड टीकाकरण के कवरेज और गति को बढ़ाने की सराहना की।

डॉ. हर्ष वर्धन ने प्रारंभ में कहा , ÷पिछले 24 घंटों में हमारे पास केवल 46,148 मामले आए जिससे देश में सक्रिय मामले कम होकर 5,72,994 रह गए। ठीक होने की दर में लगातार वृद्धि हो रही है और यह दर आज 96.80 प्रतिशत रही। पिछले 24 घंटे में ठीक होने वालों के 58,578 मामले दर्ज किए गए। आज लगातार 46वां दिन है, जहां हमारे ठीक होने वालों की संख्या नए मामलों से अधिक है। हमारी मृत्यु दर 1.30 प्रतिशत है, दैनिक पॉजिटिविटी दर 2.94 प्रतिशत पर आ गई है और साप्ताहिक पॉजिटिविटी दर भी 2.94 प्रतिशत है जो 21 दिनों से लगातार 5 प्रतिशत से नीचे है।÷कोविड टीकाकरण अभियान के बारे में स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि देश ने कोविड-19 टीकाकरण में एक और कीर्तिमान हासिल किया है और अब तक दी गई कोविड वैक्सीन डोज की कुल संख्या के मामले में देश अमेरिका से आगे निकल गया है। अमेरिका ने कोविड के खिलाफ टीकाकरण का काम 14 दिसंबर, 2020 से शुरू किया था जबकि भारत में टीकाकरण अभियान 16 जनवरी, 2021 को शुरू हुआ।

उन्होंने कहा कि कोविड टीकाकरण की नई नीति के अंतर्गत केंद्र सरकार देश में वैक्सीन निर्माताओं द्वारा तैयार 75 प्रतिशत टीकों की खरीद और आपूर्ति (निशुल्क) राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को कर रही है। उन्होंने बताया कि आज सुबह (सुबह 8 बजे) तक देशवासियों को 32,36,63,297 वैक्सीन की डोज दी गई है।

सचिव (स्वास्थ्य अनुसंधान) और आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. बलराम भार्गव ने भी सचेत किया कि कोविड-19 की दूसरी लहर अभी भी थमी नहीं है क्योंकि देश के 80 जिलों में अभी भी पॉजिटिविटी दर अधिक है। उन्होंने इस स्तर पर किसी भी प्रकार की शिथिलता नहीं करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि कोविड-19 के अल्फा, बीटा, गामा और डेल्टा वेरिएंट के खिलाफ टीके प्रभावी पाए गए हैं।

सक्रिय मामले मुख्य रूप से महाराष्ट्र, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में बने हुए हैं जो राष्ट्रीय कोविड वृद्धि दर से अधिक वृद्धि दर की सूचना दे रहे हैं। जहां 19 राज्य मृत्यु के आंकड़े एक अंकीय (10 से कम) बता रहे हैं, वहीं चार राज्य केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र और तमिलनाडु दैनिक मृत्यु की सूचना सौ से ज्यादा दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने तरुण तेजपाल मामले में सुनवाई बंद की

नयी दिल्ली वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने कथित यौन उत्पीड़न मामले में सोमवार को तहलका पत्रिका के संस्थापक एवं प्रधान संपादक तरुण तेजपाल के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई की समय सीमा बढ़ाने संबंधी याचिका पर सुनवाई बंद कर दी।न्यायाधीश न्यायमूर्ति अशोक भूषण, न्यायमूर्ति विनीत सरन और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि 21 मई को गोवा के मापुसा में एक फास्ट ट्रैक अदालत ने इस मामले में तेजपाल को बरी कर दिया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि गोवा की निचली अदालत इस मामले में उन्हें बरी करने का आदेश देकर सुनवाई पूरी कर चुकी है। पीठ ने कहा, ÷मुकदमा समाप्त हो गया है, अब आगे सुनवाई (विस्तार पर) की जरूरत नहीं है।÷इस सप्ताह की शुरुआत में बम्बई उच्च न्यायालय की गोवा पीठ ने मापुसा में फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वारा दुष्कर्म के मामले में तेजपाल को बरी किए जाने के खिलाफ अपील को स्थगित कर दिया और कहा कि इस मामले पर अगली सुनवाई 29 जुलाई को होगी।तहलका पत्रिका के प्रधान संपादक तेजपाल पर 2013 में उनकी एक जूनियर महिला सहकर्मी ने दुष्कर्म का आरोप लगाया था।

अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए पर्यटन, स्वास्थ्य और कृषि में भारी निवेश करेगी सरकार

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कोरोना महामारी के कारण धीमी पड़ रही अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए स्वास्थ्य, पर्यटन, कृषि और रोजगार के क्षेत्र में भारी निवेश करने और नए सुधारों तथा रियायतों का एलान किया है।

श्रीमती सीतारमण ने सोमवार को यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में आठ राहत उपायों का एलान किया। उन्होंने कहा कि इन उपायों से अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी तथा लोगों को रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना महामारी से निपटने के लिए स्वास्थ्य का बुनियादी ढांचा मजबूत करेगी। इसके लिए भारी निवेश किया जाएगा। देश के मध्यम स्तर के शहरों में स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत किया जाएगा। इस अवसर पर वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर भी मौजूद थे।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार ने 1.1 लाख करोड़ रुपये का कोष %क्रेडिट गारंटी योजना % के लिए आवंटित किया है। कोविड से प्रभावित क्षेत्रों को इससे मदद मिलेगी। आठ महानगरों को छोडकर दूसरे शहरों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे के लिए सरकार 50 हजार करोड़ रुपये खर्च करेगी। इसके तहत सरकार कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करायेगी। योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का अधिकतम ऋण होगा। इस ऋण पर सरकार की गारंटी भी होगी।श्रीमती सीतारमण ने कहा कि बच्चों के लिए अस्पताल में सुविधाएं बढ़ाने के लिए 23 हजार 220 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इसके तहत बच्चों के लिए आईसीयू बेड सहित अन्य सुविधाएं बनाई जाएंगी। यह राशि अगले साल 31 मार्च तक खर्च होगी। पिछले साल भी सरकार ने अस्पतालों में सुविधाएं बढ़ाने के लिए 15000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि क्रेडिट गारंटी योजना के तहत 1.5 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ऋण का प्रावधान किया गया है। क्रेडिट गारंटी योजना से 25 लाख छोटे उद्यमियों को इसका फायदा मिलेगा। इसकी समय अवधि अधिकतम तीन साल की होगी। इसका लाभ 31 मार्च 2022 तक उठाया जा सकता है।

उन्होंने कहा कि पर्यटन के क्षेत्र में टूरिस्ट गाइड और इस तरह के दूसरे के लोगों के लिए मदद दी जाएगी। इसका लाभ 11000 टूरिस्ट गाइड को इसका लाभ मिलेगा। एक लाख रुपये तक की सहायता टूरिस्ट गाइड को दी जाएगी। टूरिस्ट एजेंसी को 10 लाख रुपये तक की मदद दी जाएगी।

भारत आने वाले पहले पांच लाख टूरिस्ट को वीजा शुल्क नहीं देना पड़ेगा। यह योजना अगले साल 31 मार्च तक जारी रहेगी। इस पर कुल 100 करोड़ रुपये खर्च होंगे।वित्त मंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय दोगुना करने पर ध्यान दे रही है। इसके लिए ज्यादा पोषक तत्व वाली बायो फसल तैयार करने पर काम चल रहा है। इससे कुपोषण की समस्या दूर करने में मदद मिलेगी। इसके लिए अनाज की 21 किस्में तैयार की गई हैं।

उत्तरपूर्वी राज्यों के किसानों के लिए 70.45 करोड़ रुपये का पैकेज दिया गया है।

असम के बर्मी अंगूर का दुबई को निर्यात

नयी दिल्ली वार्ता। असम के विशेष बर्मी अंगूर-लेटेकु का दुबई को पहली बार निर्यात किया गया है।केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को यहां बताया कि एपीडा ने दुबई को बर्मी अंगूर %लेटेकू% के निर्यात की सुविधा प्रदान की। इसकी पहली खेप गुवाहाटी से हवाई मार्ग के जरिये दुबई भेज दी गई है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों की निर्यात क्षमता में वृद्धि होगी।लेटेकू की इस खेप को असम के दरंग जिले के एक संग्रह केंद्र में पैक किया गया।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने उत्तराखंड के छह पुलों को जनता को किये समर्पित

रामनगर/नैनीताल,वार्ता। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को उत्तराखंड की सीमा पर सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) द्वारा बनाये गये छह महत्वपूर्ण पुलों का लोकार्पण किया और इन पुलों को सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताया।श्री सिंह ने आज देश में निर्मित कुल 63 पुलों एवं सड़कों का लोकार्पण किया गया। रक्षा मंत्री ने लेह से इन पुलों को देश की जनता को समर्पित किया। इनमें छह पुल उत्तराखंड के भी शामिल हैं। बीआरओ की ओर से इन्हें 19.29 करोड रुपये की लागत से बनाया गया है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि दुर्गम एवं दूरस्थ क्षेत्रों में पुलों एवं सड़कों के निर्माण से जहां पहुंच आसान हो गयी है वहीं देश के लिये भी ये सामरिक दृष्टि से अति महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुल एवं सड़कें देश के विकास की गति को बढ़ाने में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा कि हम सशक्त एवं समृद्ध देश के निर्माण में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

इस मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत भी रामनगर से वर्चुअल रूप से प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में केन्द्र के सहयोग से छह पुलों का निर्माण किया गया है। जिनमें जोशीमठ-मलार रोड पर रानी पुल, ऋषिकेश-धंराशू मार्ग पर खादी पुल, जौलजीबी मुनस्यारी रोड पर कुरकुटिया एवं जुनालीगढ़, तवाघाट-घटियाबगड़ मार्ग पर जुंटीगढ़ तथा मुनस्यारी-बगडियार-मिलन मार्ग पर लास्पा पुल शामिल हैं। उन्होंने बीआरओ की सराहना करते हुए कहा कि इन पुलों के निर्माण से देश की सेना के साथ ही आम जनता को लाभ होगा। इस मौके पर नैनीताल के सांसद अजय भट्ट भी शामिल रहे।

कोरोना को प्राकृतिक आपदा घोषित करें सरकार : कांग्रेस

नयी दिल्ली वार्ता। कांग्रेस ने कहा है कि कोरोना के कारण देश में लाखों लोगों की जान गई है तथा करोड़ों इससे प्रभावित हुए हैं और केंद्र सरकार को इसे प्राकृतिक आपदा घोषित कर प्रत्येक कोरोना मृतक के परिजनों को दस लाख रुपए की मदद करनी चाहिए।कांग्रेस प्रवक्ता गौरव बल्लव ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोरोना पीड़ित परिवारों के प्रति सरकार को सहानुभूति रखनी चाहिए और महामारी के कारण अपनों को खोने वाले परिजनों के प्रति संवेदना रखते हुए कोरोना मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता देनी चाहिए।उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष कोरोना के कारण जान गंवाने वाले लोगों के प्रति असंवेदनशीलता व्यक्त करते हुए उनके परिजनों को राहत देने से इंकार कर दिया है। उनका कहना था कि सरकार का इस तरह से इंकार करना सबसे आगे रहकर कोरोना के विरुद्ध लड़ते हुए जान देने वाले कोरोना योद्धाओं का अनादर हैप्रवक्ता ने कहा कि जब अमेरिका कोविड-19 को प्राकृतिक आपदा घोषित कर सकता है और यह महामारी हर दृष्टि से आपदा की शर्तों के दायरे में आती है तो मोदी सरकार इसे प्राकृतिक आपदा मानने से क्यों इंकार कर रही है।

दिल्ली में 5000 हेल्थ असिस्टेंट तैयार करने की हुई शुरुआत

नयी दिल्ली वार्ता। दिल्ली सरकार कोरोना की संभावित तीसरी लहर की तैयारियों को मद्देनजर 5000 कम्युनिटी हेल्थ असिस्टेंट को प्रशिक्षण देने की योजना के तहत सोमवार को पाँच सौ लोगों को प्रशिक्षित करने की शुरुआत की गयी।

दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि हम दिल्ली में एक ऐसे मेडिकल यूथ फ़ोर्स को तैयार करना चाहते हैं जो किसी भी स्वास्थ्य आपदा से लड़ने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के बाद हमारे हेल्थ असिस्टेंट न केवल आपदा से लड़ने के लिए तैयार होंगे बल्कि सामान्य दिनों में ज़रूरत पड़ने पर अपने परिवारजनों और आस-पास के लोगों को भी मेडिकल सहायता दे पाएंगे।उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के लिए चार दिन के भीतर ही 1.5 लाख लोगों ने आवेदन किया। ये इस कोर्स के प्रति लोगों के उत्साह को दिखाता है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 5000 लोगों को प्रशिक्षण दिया जाएगा, लेकिन हमारा प्रयास रहेगा कि हम चरणबद्ध तरीके से बाकी के लोगों को भी प्रशिक्षण दें।

स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने कहा कि वर्तमान स्थिति को देखते हुए इस ट्रेनिंग कोर्स की बहुत ज़्यादा ज़रूरत है। ये प्रशिक्षण हमारे प्रशिक्षितों के लिए रोजगार के अवसर भी खोलेगा क्योंकि स्वास्थ के क्षेत्र में काफी बड़े स्तर पर हेल्थ असिस्टेंट की ज़रूरत है।गुरु गोविंद सिंह आईपी विश्वविद्यालय द्वारा 5000 कम्युनिटी हेल्थ असिस्टेंट को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आज से इस कोर्स का पहला बैच शुरु हो चुका है। ये हेल्थ असिस्टेंट डॉक्टरों और नर्सों के असिस्टेंट के रूप में काम करेंगे। उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ने इस प्रोग्राम का आधिकारिक लांच किया।

दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किए गए इस कार्यक्रम का पहला बैच आज से शुरू हो गया है जिसमें 500 ट्रेनीज को कई तरह के काम जैसे पैरामेडिक, लाइफ सेविंग, फर्स्ट एड, होम केयर की ट्रेनिंग दी जाएगी। इन्हें ऑक्सीजन नापने, ब्लड प्रेशर नापने, इंजेक्शन लगाने, कैथेटर, सैंपल कलेक्शन, ऑक्सीजन सिलेंडर, मास्क लगाने जैसे काम सिखाए जाएंगे। चौंदह दिन की इस प्रशिक्षण को दो चरणों में बांटा जाएगा। पहले चरण में ट्रेनीज को एक सप्ताह तक डेमोंस्ट्रेशन क्लास के ज़रिए बेसिक ट्रेनिंग दी जाएगी और उसके अगले सप्ताह अस्पतालों में असिस्टेंट के रूप में काम सिखाया जाएगा।

टूरिस्ट गाइडों को एक-एक लाख, ट्रैवल एजेंसियों को 10-10 लाख की मदद

नयी दिल्ली वार्ता।सरकार ने कोविड 19 महामारी के कारण पर्यटन एवं आतिथ्य उद्योग में काम करने वाली एजेंसियों और क्षेत्रीय गाइडों के लिए वित्तीय पैकेज की घोषणा के साथ अंतरराष्ट्रीय पर्यटन खुलने पर भारत आने वाले पहले पांच लाख सैलानियों को मुफ्त वीसा देने का फैसला किया है।वित्त एवं कारपोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण में आज यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कोविड 19 महामारी से प्रभावित विभिन्न वर्गों के लिए 6,28,993 करोड़ रुपए के पैकेज का विवरण देते हुए यह जानकारी दी।

श्रीमती सीतारमण ने पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों के लिए नयी ऋण योजना की घोषणा की जिसमें दस हजार सात सौ क्षेत्रीय पर्यटक गाइडों को एक एक लाख रुपये तथा 904 पर्यटन एवं यात्रा उद्योग से जुड़ी एजेंसियों को अपनी देनदारियों के भुगतान के लिए दस-दस लाख रुपये का ऋण मुहैया कराया जायेगा। इसके लिए बैंक कोई गारंटी नहीं मांगेंगे और ना ही कोई प्रोसेसिंग शुल्क लेंगे। ऋण को समय से पहले चुकाने वालों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जायेगा।सरकार ने कोविड-19 महामारी के बाद देश में विदेशी पर्यटन को तेजी से बहाल करने के मकसद से यह भी फैसला किया है कि अंतरराष्ट्रीय यात्रा प्रतिबंध हटने एवं पर्यटन बहाल होने के बाद भारत आने वाले पहले पांच लाख सैलानियों को मुफ्त वीसा दिया जायेगा। इसके लिए सरकार ने सौ करोड़ रुपये का आवंटन किया है।

वित्त मंत्री ने कहा कि विदेशी पर्यटन विदेशी मुद्रा अर्जन का बहुत बड़ा स्रोत है। वर्ष 2019 में भारत में एक करोड़ नौ लाख और 30 हजार विदेशी सैलानी आये थे।

आर्थिक पैकेज से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और रोजगार बढ़ेगा: शाह

नयी दिल्ली वार्ता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा घोषित आर्थिक उपायों से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश में रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।वित्त मंत्री द्वारा आज आर्थिक उपायों की घोषणा के बाद श्री शाह ने सिलसिलेवार ट्वीट कर यह बात कही।उन्होंने कहा कि वित्त मंत्री ने कोरोना से प्रभावित स्वास्थ्य, कृषि, एमएसएमई और पर्यटन क्षेत्र को आर्थिक राहत देने के लिए प्रोत्साहन पैकेज की घोषणा की है। इससे रोजगार बढ़ेगा और अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।श्री शाह ने कहा कि केंद्र सरकार हमेशा देश की जनता के साथ एक संवेदनशील सरकार के रूप में खड़ी रही ।

चीन ने शी जिनपिंग की कूटनीति पर एक नयी वेबसाइट शुरू की

नयी दिल्ली वार्ता।चीन ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा प्रतिपादित नये युग की चीनी कूटनीति तथा देश के विदेश संबंधी नीतियों एवं मामलों पर ताजा सूचनाओं एवं समाचारों पर आधारित एक नयी वेबसाइट का सोमवार को लोकार्पण किया।यह वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट चाइना डिप्लोमैसी डॉट ओआरजी डॉट सीएन अंग्रेजी एवं चीनी भाषाओं में होगी। यह वेबसाइट चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की केन्द्रीय समिति के प्रचार विभाग के निर्देशन में चीनी अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, चीनी इंटरनेट सूचना केन्द्र द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गयी है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हाल ही में देश के राजनेताओं का चीन की सॉफ्ट पावर को उन्नत बनाने एवं अंतरराष्ट्रीय छवि को एक विश्वसनीय, सराहनीय एवं आदरणीय बनाने के लिए काम करने का आह्वान किया था।चीन ने राष्ट्रपति शी जिनपिंग के नेतृत्व में एक नये तरह की कूटनीति शुरू की है जिसे 'वोल्फ वॉरीयर डिप्लोमैसी' के नाम से निरुपित किया जाता है जो कोविड से लेकर मानवाधिकार आदि अन्य तमाम मुद्दों पर आलोचनाओं को दबाने के लिए एक जुझारू एवं आक्रामक कूटनीति है।वेबसाइट में चीनी राष्ट्रपति की महत्वपूर्ण विदेशी गतिविधियों, टिप्पणियों एवं लेखों के साथ साथ उनके कूटनीतिक विचारों पर आधारित लेख, शोध आदि उपलब्ध होंगे।

नायडू ने डीआरडीओ को दी शुभकामनाएं

नयी दिल्ली वार्ता। उपराष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) को अग्नि प्राइम मिसाइल का सफल परीक्षण करने पर शुभकामनाएं दी हैं।श्री नायडू ने सोमवार को यहां जारी एक संदेश में कहा कि इस मिसाइल से भारत के रक्षा क्षमताओं में इजाफा होगा।उन्होंने कहा, अग्नि-प्राइम मिसाइल के सफल प्रक्षेपण पर रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन डीआरडीओ के वैज्ञानिकों को हार्दिक बधाई। अग्नि प्राइम संस्करण में अनेक नई तकनीकों को सफलतापूर्वक शामिल किया गया है। इससे भारत की प्रतिरक्षात्मक क्षमता और मजबूत तथा विश्वसनीय बनेगी।

राहत पैकेज का स्वागत किया फियो ने

नयी दिल्ली वार्ता। विदेश व्यापार कारोबारियों के संगठन भारतीय निर्यातक महासंघ (फियो) ने सोमवार को घोषित राहत पैकेज का स्वागत करते हुए कहा है कि इससे अर्थव्यवस्था के विकास को गति मिलेगी।फियो के अध्यक्ष ए. शक्तिवल ने आज केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 6,28,993 करोड़ रुपये के राहत पैकेज को अर्थव्यवस्था को गति देने वाला बताया और कहा कि इससे कोरोना महामारी से उत्पन्न चुनौतियों और कठिनाईयों से निपटने में मदद मिलेगी।उन्होंने कहा कि राहत पैकेज में दिये आपदा कोष और गारंटी कोष से छोटे कारोबारियों को मदद मिलेगी और रोजगार के अवसरों में इजाफा होगा। इससे बैंकों को अधिक पूंजी उपलब्ध हो सकेगी।उन्होंने कहा कि निर्यात को दिए गए प्रोत्साहन से अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय उत्पादों को मदद मिलेगी।

स्वीडन के प्रधानमंत्री का इस्तीफा

स्टॉकहोम,वार्ता। स्वीडन के प्रधानमंत्री स्टीफन लोफवेन ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया।मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक श्री लोफवेन ने संसद के स्पीकर एंड्रियास नोरलेन से कथित रूप से नयी सरकार के गठन के लिए बातचीत की थी।उल्लेखनीय है कि पिछले सप्ताहांत में स्वीडन की संसद ने श्री लोफवेन के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन किया था। संसद के 349 सदस्यों में से 181 सांसदों ने विवादास्पद किराया सुधार पर प्रधानमंत्री को बर्खास्त करने के लिए मतदान किया था।

हांगकांग पुलिस ने एप्पल डेली के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार को गिरफ्तार किया

हांगकांग सिटी वार्ता। हांगकांग पुलिस ने राष्ट्रीय सुरक्षा अपराध के मामले में एप्पल डेली के पूर्व वरिष्ठ पत्रकार को रविवार रात गिरफ्तार कर लिया।स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक विदेशी ताकतों के साथ सांठगांठ की साजिश के तहत राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में पुलिस ने 57 वर्षीय पत्रकार को उस समय गिरफ्तार कर लिया , जब वह ब्रिटेन जाने के लिए हवाई अड्डा पहुंचा था।पुलिस ने गिरफ्तार पत्रकार के नाम का खुलासा नहीं किया है , हालांकि स्थानीय मीडिया ने उनकी पहचान वर्तमान में बंद हो चुके एप्पल डेली अखबार के वरिष्ठ पत्रकार रहे फंग वाई-कोंग के रूप में की है।हाल ही में राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में एप्पल डेली अखबार के कुछ अन्य कर्मचारियों को गिरफ्तार किया गया है।हांगकांग जर्नलिस्ट्स एसोसिएशन ने श्री फंग की गिरफ्तारी और पत्रकारों को निशाना बनाये जाने के लिए पुलिस की तीखी निंदा की है।

आंग सान सू की के भाग्य का फैसला अदालत में होगा: लाइंग

ने पी ता वार्ता। म्यांमार की सेना के कमांडर-इन-चीफ एवं स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन कौंसिल के अध्यक्ष मिन आंग लाइंग ने कहा है कि पूर्व स्टेट काउंसलर आंग सान सू की के भाग्य का फैसला अदालत में किया जायेगा।श्री लाइंग ने एक साक्षात्कार में कहा , मैं न्यायाधीश नहीं हूं। मैं यह नहीं कह सकता कि क्या होगा। उनके साथ क्या करना है, इस पर मैं कोई आदेश नहीं दे सकता। न्यायाधीश इस संबंध में विधिसम्मत विचार करेंगे और वही फैसला भी करेंगे।उल्लेखनीय है कि म्यांमार में सेना ने गत एक फरवरी को तख्तापलट कर देश का नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया था और आंग सान सू की को नजरबंद कर दिया है। तख्तापलट के बाद से बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं।

इटली व्हाइट जोन घोषित , सभी कोविड प्रतिबंध हटाये गये

रोम वार्ता।इटली सरकार ने देश के सभी क्षेत्रों को सोमवार से व्हाइट जोन घोषित करने के साथ ही तमाम कोविड प्रतिबंधों को हटा लिया है।इटली के स्वास्थ्य मंत्री रॉबर्ट स्पेरांजा ने सरकारी टेलीविजन पर अपने संबोधन में यह घोषणा की। उन्होंने कहा ,मेरे हस्ताक्षरित आदेश के तहत सोमवार से पूरा इटली व्हाइट जोन हो जायेगा। यह एक उत्साहजनक परिणाम है, हालांकि अभी भी समझदारी और सावधानी बरतने की आवश्यकता है। हाल के सप्ताहों में स्थिति में बहुत सुधार हुआ है, लेकिन यह लड़ाई अभी जीती नहीं गयी है।उन्होंने कहा कि सरकार ने भले ही बाहर निकलने पर मास्क पहनने की अनिवार्यता हटा दी है लेकिन नागरिकों को भीड़-भाड़ वाली जगहों पर सोशल डिस्टेसिंग के नियमों का सुनिश्चित रूप से पालन करना चाहिए।उल्लेखनीय है कि इटली ने कोरोना संकट के दौरान इटली ने अपने क्षेत्रों के लिए वहां के संक्रमण दर के आधार पर लाल , नारंगी , पीला और सफेद चार रंगो को 'कलर कोड' अपनाया था। देश में दिसंबर 2020 के अंत में टीकाकरण अभियान शुरू किया गया था और इस वर्ष सितंबर के अंत तक 80 फीसदी आबादी के टीकाकरण का लक्ष्य रखा गया है। यहां अब तक 170 करोड़ से अधिक लोगों को वैक्सीन का डोज दिया जा चुका है।

पाकिस्तान में पिकनिक मनाने गये चार लोगों की समुद्र में डूबकर मौत

कराचीवार्ता। पाकिस्तान के कराची में अलग अलग स्थानों पर पिकनिक मनाने पहुंचे चार लोगों की समुद्र में डूबकर मौत हो गयी।द न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान सरकार द्वारा कोरोना संक्रमण के मामलों में गिरावट के मद्देनजर इसी महीने की शुरुआत में कोविड प्रतिबंधों में ढील दिये जाने के बाद सप्ताहंत में लोगों की बड़ी भीड़ समुद्र तटों और अन्य मनोरंजक स्थानों की ओर बढ़ रही है।रिपोर्ट के मुताबिक मौरीपुर थाना क्षेत्र के रहमान गोठ के पास हॉक्स बे में रविवार को एक परिवार पिकनिक मनाने समुद्र तट पर पहुंचा था। इसी दौरान समुद्र में नहाते समय एक युवक की डूबकर मौत हो गयी। सूचना मिलने पर गोताखोरों ने उसके शव को निकाला।इसी तरह मानघोपीर थाना क्षेत्र के हब डैम में 22 वर्षीय युवक नहाते समय पानी में डूब गया जिससे उसकी मौत हो गयी। मृतक की पहचान ल्यारी इलाके में रहने वाले हमजा के रूप में की गयी है। वह अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने बांध पर गया था।एक अन्य घटना में गदानी में दो लोग समुद्र में नहाते समय डूब गए। गोताखोरों ने एक घंटे की मशक्कत के बाद उनके शव निकाले। उनकी पहचान बलदिया टाउन निवासी नईम और इमरान के रूप में की गयी है।

ब्रिटेन के यात्रियों के यूरोपीय संघ देशों में प्रवेश पर प्रतिबंध के पक्ष में जर्मनी

बर्लिन वार्ता। ब्रिटेन में कोविड-19 के डेल्टा स्ट्रैन के प्रसार के मद्देनजर जर्मनी वहां के यात्रियों के यूरोपीय संघ देशों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने के पक्ष में है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक जर्मनी की चांसलर एंजेला मर्केल ब्रिटेन के यात्रियों के यूरोपीय संघ देशों में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की पहल को लेकर सोमवार को अन्य यूरोपीय नेताओं के साथ चर्चा करेंगी। सुश्री मर्केल का मानना है कि ब्रिटेन के उन यात्रियों पर भी प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए जिन्हें कोविड-19 का डोज दिया जा चुका है।

सिन्धु टाइम्स (हिन्दी दैनिक), स्वामी, प्रकाशक / मुद्रक-उरूषा इमरान द्वारा विश्नू ऑफसेट,वैसी की मस्जिद,भानमती चौराहा हुसैनगंज,लखनऊ से मुद्रित कराकर 126/21/1, राना होटल, इस्लामिया कालेज के सामने, लालबाग लखनऊ (उ.प्र.)- 226001 से प्रकाशित।

***संपादक - इमरान हसन सिद्दीकी**, RNI NO. UPHIN/39063, MOB.- 9935403111, प्रबंध संपादक- एस.वी.सिंह उजागर, मो- 9451988443, E-Mail : sindhutimes99@gmail.com **फोन** -0522-4029211 (नोट- किसी भी वाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।)